रांची का तापमान
कांके | रांची
अधिक. 37.5° | अधिक. 37.0°
न्यून. 22.3° | न्यून. 22.6°
रांची, सोमवार
12 मई 2025
वर्ष-26, अंक-99, पृष्ठ-12

वैशाख शुक्ल पक्ष 15, संवत 2082 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

ईश्वर में हमारा विश्वास | सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय नवीन मेल

₹3.00
हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

पेज 12

‘मदर्स डे’ पर मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री और कई मंत्रियों ने लिखे पोस्ट

वीर योद्धाओं की वीर माताओं को शत-शत नमन : सीएम हेमंत सोरेन

नवीन मेल डेस्क

रांची। मां जीवन का आधार है, मां ही देवता है। इसलिए संस्कृत के एक श्लोक में कहा गया है मातृ देवो भवः। संस्कृत में एक और श्लोक है - जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी, यानी स्वर्ग से भी श्रेष्ठ हैं मां और मातृभूमि। इसलिए मां से मिले प्यार और उनकी त्याग को याद करते हुए पूरी दुनिया में रविवार को ‘मदर्स डे’ मनाया गया। इस अवसर पर इंटरनेट मीडिया पर माता के स्नेह, वात्सल्य, और समर्पण की कोमल भावनाओं वाले पोस्ट छाए रहे। झारखंड में भी मई महीने का दूसरा रविवार मां को समर्पित रहा। राज्य के कई राजनेताओं ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी मां रूपी सोरेन से आशीर्वाद लेते हुए तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा की। इसके साथ उन्होंने लिखा है, मां सिर्फ जन्म नहीं देती है, वह हर दिन हमें जीना सिखाती है। मदर्स डे के अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार। देश की अखंडता की रक्षा के लिए सीमा पर तैनात हमारे वीर योद्धाओं की वीर माताओं को भी मैं शत-शत नमन करता हूं।

ओडिशा के पूर्व राज्यपाल और झारखंड के पूर्व सीएम रघुवर दास ने भी अपनी मां की तस्वीर के साथ लिखा है, ‘मां, इस एक शब्द में पूरी सृष्टि समाई हुई है। मां खुश है, तो ईश्वर खुश रहता है। आप सभी को मातृ दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। पूर्व केंद्रीय जनजातीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अर्जुन मुंडा ने मां के साथ अपनी तस्वीर साझा करते हुए लिखा है, न मातुः परदैवतं। मातृ दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

सोशल मीडिया पर साझा की मां के साथ तस्वीरें

हंसती हुई मां से ज्यादा खूबसूरत इस संसार में कुछ भी नहीं : स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने अपनी दिवंगत मां को याद करते हुए लिखा, इस जहां का सबसे छोटा और खूबसूरत शब्द है, मां। हंसती हुई मां से ज्यादा इस खूबसूरत संसार में कुछ भी नहीं है। मां की कमी बहुत दर्द देती है। अंतरराष्ट्रीय मातृ दिवस पर समस्त माताओं को सादर नमन। मां सिर्फ एक शब्द नहीं, संवेदना, सुरक्षा और समर्पण की जीवंत भावना है। उसके आंचल में सुकून है, उसके आशीर्वाद में संसार की सबसे बड़ी ताकत है। राज्य की ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने ‘मदर्स डे’ पर अपने संदेश में कहा, मां सिर्फ एक रिश्ता नहीं, वह एक पूरी दुनिया हैं, जिसकी ममता में भगवान भी मुस्कराते हैं। मातृ दिवस के इस पावन अवसर पर आइए, उन सभी माताओं को नमन करें, जिनकी नि:स्वार्थ सेवा, त्याग और प्रेम ने हमें इंसान बनाया। मातृ दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

ऑपरेशन सिंदूर

- ऑपरेशन में 100 आतंकी ढेर, एलओसी पर 40 पाकिस्तानी सैनिक मार गिराए गए
- भारत के डीजीएमओ ने दी फुटेज सहित ‘ऑपरेशन सिंदूर’ की विस्तृत जानकारी

भारतीय सेना ने पाकिस्तान को दी सख्त चेतावनी, कहा

यदि संघर्ष विराम तोड़ा तो हम देंगे तगड़ा जवाब

पाकिस्तान के 3 एयर डिफेंस सिस्टम बर्बाद, दो एयरबेस के रनवे तबाह किए गए

ब्यूरो/नवीन मेल न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। पाकिस्तान व भारत के बीच सीजफायर के बाद रविवार को तीनों सेनाओं के संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, वाइस एडमिरल एएन प्रमोद व एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के बारे में विस्तृत फुटेज सहित जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संघर्ष विराम का फैसला पाकिस्तान की पहल पर लिया गया है, लेकिन सशस्त्र बलों का ऑपरेशन ‘सिंदूर’ अभी जारी रहेगा। आगे की रणनीति तय करने के लिए सोमवार (12 मई) को 12:00 बजे दोनों देशों के डीजीएमओ (डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस) के बीच वार्ता होगी।

उन्होंने कहा कि संघर्ष विराम का उल्लंघन रोकने के लिए भारत ने रविवार की सुबह डीजीएमओ को एक और हॉटलाइन संदेश भेजा है। यदि आज रात या बाद में संघर्ष विराम का उल्लंघन दोहराया जाता है, तो हम इनका कड़ाई से जवाब देंगे। हमने तनाव बढ़ाने वाली कोई प्रतिक्रिया नहीं की, लेकिन यदि हमारी संप्रभुता व अखंडता पर हमला किया गया, तो इसका निर्णायक जवाब देंगे। सेना प्रमुख ने पाकिस्तान के किसी भी उल्लंघन के मामले में जवाबी कार्रवाई के लिए हमारे सेना कमांडर को पूर्ण अधिकार दिए हैं। उन्होंने बताया कि संघर्ष विराम का फैसला भले हो गया हो, लेकिन सशस्त्र बलों के ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के दौरान भारतीय सेनाओं को कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल हुई हैं। इस ऑपरेशन में 100 आतंकी ढेर किए गए हैं, जिनमें तीन बड़े आतंकी भी हैं। एलओसी (लाइन ऑफ कंट्रोल) पर गोलाबारी में करीब 40 पाकिस्तानी सैनिक मार गिराए गए। भारतीय वायु सेना ने हमला करके पाकिस्तान के कई एयरबेस और थल सेना प्रतिष्ठान तबाह किए हैं। भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना के 35 से 40 अफसरों-जवानों की मौत हुई है। बॉर्डर व एलओसी पर हुई पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी में हमारे 5 जवान शहीद हुए हैं।

शेष पेज 11 पर

सैटेलाइट इमेज में दिख रहे पाकिस्तान के तबाह एयरबेस

नई दिल्ली (आईएएनएस)। पाकिस्तान लगातार इस बात से इनकार कर रहा है कि भारत ने उसके सैन्य प्रतिष्ठानों और एयरबेसों पर सटीक हमले किए हैं, लेकिन उपग्रह से प्राप्त तस्वीरें उसके खोखले दावों की पोल खोल रही हैं। चीनी कंपनी मिजाजविजन द्वारा प्राप्त सैटेलाइट इमेज में पाकिस्तान के नूर खान एयरबेस पर हुए नुकसान को दिखाया गया है, जो इसकी सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक हवाई पट्टियों में से एक है। सैटेलाइट इमेज में साइट पर ध्वस्त बुनियादी ढांचे और ग्राउंडेड सपोर्ट व्हीकल दिख रहे हैं। रावलपिंडी में स्थित नूर खान एयरबेस, पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय के बहुत करीब है।

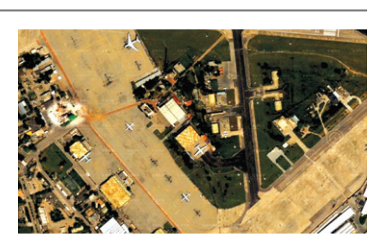

शेष पेज 11 पर

वायुसेना ने कहा, अब भी जारी है ‘ऑपरेशन सिंदूर’

भारत-पाकिस्तान के बीच युद्धविराम की घोषणा के बाद भारतीय वायु सेना (आईएएफ) का ‘ऑपरेशन सिंदूर’ को लेकर बयान सामने आया है। भारतीय वायु सेना ने बताया कि ‘ऑपरेशन सिंदूर’ अभी जारी है। भारतीय वायु सेना ने रविवार को अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया, भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ में अपने कार्यों को सटीक और पेशेवर ढंग से सफलतापूर्वक अंजाम दिया है।

शेष पेज 11 पर

सेना प्रमुख ने की सीमा की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा

पाकिस्तान के खिलाफ चल रहे संघर्ष विराम की घोषणा के बाद सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने रविवार को पाकिस्तान से लगी पश्चिमी सीमाओं के सेना कमांडरों के साथ सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने संघर्ष विराम और हवाई क्षेत्र के उल्लंघन पर सेना कमांडरों को जवाबी कार्रवाई के पूर्ण अधिकार दिए हैं। भारत-पाक संघर्ष विराम की घोषणा शनिवार शाम में हुई थी।

शेष पेज 11 पर

ट्रंप ने अब दिया कश्मीर मुद्दे पर समाधान का ऑफर

नई दिल्ली (हि.स.)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कश्मीर मुद्दे पर अब भारत और पाकिस्तान को सहयोग का प्रस्ताव दिया है। सोशल मीडिया ‘ट्रुथ’ पर रविवार को एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि वह दोनों देशों के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं, ताकि ‘हजार साल बाद भी सही’, कश्मीर पर कोई समाधान निकाला जा सके। ज्ञात हो कि कश्मीर मध्य पर भारत और पाकिस्तान के बीच का मुद्दा भारत की दृष्टि से हमेशा द्विपक्षीय रहा है। दूसरी ओर, यह मुद्दा 1947 में पाकिस्तान की अस्तित्व में आने के बाद का है, जिसे ट्रंप हजारों साल पुराना बता रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने शनिवार को सबसे पहले भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने पर बनी सहमति की जानकारी इसी सोशल मीडिया के माध्यम से दी थी। वहीं, आज फिर उनका एक बयान आया है। उन्होंने लिखा कि उन्हें भारत और पाकिस्तान के नेतृत्व पर गर्व है, जिन्होंने समझदारी और साहस दिखाया।

शेष पेज 11 पर

दीपिका ने महिला रिकर्व श्रेणी में जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली/शंघाई (आईएएनएस)

- पुरुष रिकर्व वर्ग में पार्थ सालुंखे को भी मिला कांस्य पदक
- भारत ने तीरंदाजी विश्व कप स्टेज-2 में 7 पदक जीते

अनुभवी तीरंदाज रांची की दीपिका कुमारी और पार्थ सालुंखे ने कांस्य पदक जीते और इसी के साथ भारत ने रविवार को तीरंदाजी विश्व कप स्टेज-2 में सात पदकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया। कांस्य पदक के लिए हुए तनावपूर्ण मुकाबले में दीपिका ने टोक्यो ओलंपिक टीम की स्वर्ण पदक विजेता कोरिया की कांग चाएयंग को 7-3 के स्कोर से हराया। उनकी जीत ने महिला रिकर्व श्रेणी में भारत का इस साल का पहला पदक और व्यक्तिगत विश्व कप में उनका 12वां पदक चिह्नित किया। उन्होंने दो बेहतरीन अंतिम सेट खेले, जिसमें उन्होंने परफेक्ट 30 और लगभग परफेक्ट 29 का स्कोर बनाया, जिससे जीत सुनिश्चित हुई। दीपिका महिला रिकर्व सेमीफाइनल में पहुंचने वाली एकमात्र गैर-कोरियाई थीं, जिन्होंने सेमीफाइनल में पेरिस ओलंपिक चैंपियन लिम सिह्योन से 1-7 से हारने के बाद कांस्य पदक जीतकर कोरियाई टीम को जीत से रोका। वहीं, मौजूदा अंडर-21 विश्व चैंपियन महाराष्ट्र के पार्थ सालुंखे ने पुरुष रिकर्व वर्ग में अपना पहला विश्व कप पदक जीता।

शेष पेज 11 पर

युद्धविराम पर बोले भाजपा सांसद

मुझे मोदी जी पर भरोसा है कि यह लड़ाई आखिरी होगी : निशिकांत

नवीन मेल न्यूज नेटवर्क

रांची/नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम की घोषणा पर झारखंड के गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा है कि युद्धविराम दुनिया के सामने पाकिस्तान को बेनकाब करने का एक जरिया मात्र है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर लिखा, यदि अखबार पर भरोसा किया जाए, तो भारत में पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद युद्ध माना जाएगा। मुझे पाकिस्तान के बारे में पता है कि आतंकवाद चलता रहेगा। मुझे मोदी जी पर भरोसा है कि यह लड़ाई आखिरी होगी। पूरा कश्मीर मुजफ्फराबाद तक हमारा होगा। सीजफायर दुनिया के सामने पाकिस्तान को बेनकाब करने का एक जरिया मात्र है, तब बात नहीं रण होगा, संघर्ष महाभीषण होगा। इससे पहले उन्होंने युद्धविराम उल्लंघन करने पर पाकिस्तान की आलोचना की थी।

उन्होंने अपने ‘एक्स’ हैंडल पर लिखा था, कुत्ते की दुम और पाकिस्तान में कोई अंतर नहीं है। ज्ञात हो कि तीन दिनों तक चले संघर्ष के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच शनिवार की शाम को युद्धविराम हुआ था।

शेष पेज 11 पर

इंस्टाग्राम पर भड़काऊ पोस्ट करने का आरोपी रांची का नाबालिग निरुद्ध

पुलिस ने संज्ञान लेते हुए त्वरित कार्रवाई की

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राजधानी में पुलिस ने रविवार को एक नाबालिग को सोशल मीडिया पर आतंकी संगठन का झंडा और भड़काऊ पोस्ट करने के आरोप में निरुद्ध किया। यह कार्रवाई रांची के भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री सीपी सिंह की शिकायत के आधार पर की गई। निरुद्ध नाबालिग से पूछताछ की गई और उसके बाद उसे बाल सुधार गृह भेज दिया गया। विधायक ने आपत्तिजनक पोस्ट की जानकारी देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर रांची पुलिस को टैग किया था और कार्रवाई की मांग की थी।

उन्होंने अपनी शिकायत में लिखा था, ... रांची निवासी ने अपने सोशल मीडिया पर जो तस्वीरें साझा की हैं, वे बेहद भड़काने वाली एवं राष्ट्रीय सुरक्षा व भारत की संप्रभुता से जुड़ी हैं। इंस्टाग्राम पर ‘गजवा-ए-हिंद’ का नारा, भारतीय सेना का अपमान और सबसे गंभीर, उसने वह झंडा साझा किया है, जो आईएसआईएस, तालिबान, अल-कायदा जैसे अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठनों की पहचान हैं। विधायक सीपी सिंह ने अपनी शिकायत में कहा कि यह न केवल खुला राष्ट्रद्रोह है, बल्कि एक आतंकवादी मानसिकता का स्पष्ट संकेत भी है। मामला केवल आरोपी का नहीं, बल्कि उस जहरीली विचारधारा को दर्शाता है, जो कुछ मौलानाओं और मदरसों के माध्यम से युवाओं के मन में भरा जा रहा है। उन्होंने रांची पुलिस से कहा कि पूरी गहराई से जांच हो कि कहीं वह किसी बड़े आतंकी नेटवर्क से तो नहीं जुड़ा हुआ है। ऐसी सोच, ऐसे इरादे और ऐसे लोगों को अगर आज सबक नहीं सिखाया गया, तो कल वे बड़ी घटना को अंजाम दे सकते हैं।

शेष पेज 11 पर

इंडिया

युद्धविराम की रणनीति पर सवाल उठाते देशभक्त और विरोधी

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

भारत एक भावुक देश है और यह इसकी ताकत भी है और कमजोरी भी। ताकत इसलिए कि देश पर जब संकट आता है तो सभी आपसी मतभेद भूलकर एक हो जाते हैं और कमजोरी इसलिए कि भावनात्मक मुद्दों पर लोगों को भड़काना भी आसान है । अभी सोशल मीडिया पर अनेक लोग जाने अनजाने पीएम मोदी के विरुद्ध अपमानजनक टिप्पणी कर रहे हैं और उनकी राय में भारत को पाकिस्तान पर भयंकर सैन्य कार्रवाई करनी चाहिए न कि युद्ध विराम। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना की कार्रवाई से बिलबिलाते पाकिस्तान ने परमाणु बम की डींगें हांकना छोड़ अधिकारियों के बीच सीधी बातचीत हुई जिसमें पाकिस्तान ने बिना किसी शर्त के सहमति जताई। युद्ध विराम ऐसे समय में हुआ है जब सशस्त्र बलों ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के तहत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर सहित कुल 9 आतंकी अड्डों पर सटीक हमला किया था। पाकिस्तान ने एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर मिसाइलों और ड्रोनों को लॉन्च किया जो कथित युद्ध विराम के बाद जारी है। भारतीय सेना की वायु रक्षा प्रणालियों ने इन हमलों को सफलतापूर्वक रोक दिया था। भारत ने युद्ध विराम पर वार्ता के बीच स्पष्ट किया है कि संघर्ष विराम समझौते के बावजूद सिंधु जल संधि स्थगित रहेगी। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के कारण अटारी में एकीकृत चेक-पोस्ट बंद रहेगी । पाकिस्तान से सभी आयातों पर प्रतिबंध जारी रहेगा, चाहे वह सीधे आयात हो या किसी अन्य देश के माध्यम से। इसके अलावा, पाकिस्तान के जहाजों को भारतीय बंदरगाहों में आने की अनुमति नहीं होगी और भारतीय जहाजों को पाकिस्तानी बंदरगाहों तक जाने की अनुमति नहीं होगी। यह एक बहुत ही सख्त कदम है जो दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को प्रभावित करेगा।भारत ने पाकिस्तान से आने वाली या पाकिस्तान से होकर जाने वाली उड़ानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद रखा गया है जिससे विदेशी विमान कंपनियों को

अपने मार्ग बदलने पड़े और राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में देश में प्रदर्शन करने वाले पाकिस्तानी अभिनेताओं और कलाकारों पर प्रतिबंध जारी रखने का निर्णय लिया है। यह कदम देश की सुरक्षा और सांस्कृतिक संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है। भारत में संचालित सभी ओटीटी प्लेटफॉर्म, मीडिया स्ट्रीमिंग सेवाएं और बिचौलियों को पाकिस्तानी मूल की वेब सीरीज, फिल्में, गाने, पॉडकास्ट और अन्य डिजिटल सामग्री को बंद करने का निर्देश दिया गया है। यह कदम डिजिटल माध्यम से पाकिस्तानी सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए है। पाकिस्तानी नागरिकों के लिए सभी प्रकार के वीजा पर रोक का निर्णय जारी रहेगा । पाकिस्तान के विभिन्न ठिकानों पर कार्रवाई को सेना की बड़ी विजय बताने वाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सह नेता प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी ने युद्ध विराम कि बात आते ही अपने पत्र में लिखा, ‘मैं विपक्ष के सर्वसम्मति से किए गए अनुरोध को दोहराता हूं कि संसद का विशेष सत्र तुरंत बुलाया जाए। लोगों और उनके प्रतिनिधियों के लिए पहलगाम आतंकवादी हमले, ‘ऑपरेशन सिंदूर’ और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से दोनों देशों के संघर्ष-विराम के लिए तैयार होने की घोषणा पर चर्चा करना अहम है। यह आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए हमारे सामूहिक संकल्प को प्रदर्शित करने का भी अवसर होगा और पहलगाम हमले, ‘ऑपरेशन सिंदूर’ और संघर्ष-विराम की घोषणा पहले वाशिंगटन और बाद में भारत व पाकिस्तान की सरकारों द्वारा किए जाने के मुद्दे पर चर्चा की जा सके।’ उरी और बालाकोट की सर्जिकल और एयर स्ट्राइक के समय सबूत मांगने की तरह इस बार विरोधी पार्टियां और कुछ कथित बुद्धिजीवी देश के बदले हुए मूड को देखकर सीधे तो नहीं पर युद्धविराम की मांग के बाद अब राजनीति के नए विवाद खोजने में लगे हैं जैसे राफेल की कीमत जिसपर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय बहुत पहले ही आ चुका था । सवाल उठता है कि क्या युद्ध विराम को कायरता समझा जाए और विपक्ष,पाकिस्तान की या विश्व समुदाय की मांग को अनसुना किया जाए ताकि भारत को लोग बहादुर समझें ? वर्षों से चल रहे रूस-यूक्रेन या अन्य देशों ने पहले के युद्ध से हासिल क्या किया क्या हम इतनी बर्बादी झेलने को तैयार हैं ? सोशल मीडिया के बयानवीरों ने इसे शादी विवाह की आतिशबाजी समझ रखा है या जैसा कुछ टीवी चैनलों या सोशल मीडिया में वीडियो गेम्स जिसे घर पर देखकर चर्चा करते हुए शायद हम अंदाजा नहीं कर सकते कि इससे कितनी जानमाल की बर्बादी होगी ? वैसे इसे भारत सरकार की कूटनीतिक विजय भी मान सकते हैं । शिमला समझौते के तुरंत बाद से लेकर 1971 से ही युद्ध विराम का आजतक लगातार उल्लंघन के रिकॉर्ड को देखकर कहा जा सकता है सेना शासित बिगडैल पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आएगा और आतंकी हमला करेगा ही तब विश्व समुदाय भी भारत को पाकिस्तान के टुकडे करने से रोक नहीं पाएगा क्योंकि मामला आत्मरक्षा का होगा ।

बहुत तेजी से बिक रही है कांके क्षेत्र की कृषि भूमि

ग्रामीणों ने भूमाफिया से बचाव की सरकार से लगाई गुहार

मनोज मिश्रा

● अनिल टाइगर की हत्या के बाद सामने नहीं आना चाहते ग्रामीण

रांची। 15 नवंबर 2000 ई को झारखंड राज्य अलग होने के बाद रांची के शहरीकरण का विस्तार तेजी से हुआ। राजधानी की सुविधाओं के मद्येनजर झारखंडवासियों के मन में राजधानी में अपना आशियाना बनाने की चाहत बढ़ी और लोगों ने जमीन खरीदकर बसना शुरू किया। वहीं दूसरी तरफ झारखंड को चारागाह के रूप में देखने वालों की गिद्ध नजर राज्य की जमीन पर पड़ी और गोरखधंधा का खेल शुरू हुआ जो अभी तक चल रहा है। जमीन के इस काले-कारोबार ने कितनों की मांग उजाड़ी, कितने बच्चों से उनका पिता छीना। मगर जमीन दलाली का खेल बदस्तूर जारी है और जमीन दलाल किसी भी हद तक जाकर जमीन खरीद-बिक्री करवाते आ रहे हैं। इस कारोबार में झारखंड राज्य के अलावे दूसरे राज्यों के भू-माफिया भी बड़े पैमाने पर सक्रिय हैं। ऐसा ही मामला कांके प्रखंड के पिठौरिया गांव में कुछ वर्षों से देखने को मिल रहा है जहां जमीन दलाल मालामाल हो रहे हैं और रैयत अपनी जमीन पाने के लिए गांव से लेकर अंचल कार्यालय और थाने तक धक्के खा रहे हैं।

कांके प्रखंड के पिठौरिया गांव में कृषि जमीन बहुत तेजी से बिक रहे हैं। ग्रामीणों ने भूमाफिया से अपनी जमीन बचाने की सरकार से गुहार लगाई है। अनिल टाइगर की हत्या के बाद ग्रामीण सामने नहीं आना चाहते हैं। नाम न छापने की सूरत में ग्रामीणों ने बताया कि वे अपनी खेतिहर जमीन को बेचना नहीं चाहते मगर भूमाफिया की दबिश से मजबूरी में औने-पौने दाम पर अपनी जमीन बेचने को मजबूर हैं। जमीन के रिकॉड ऑन-लाइन होने से जहां एक ओर सुविधाएं बढ़ी है वहीं दूसरी ओर भूमाफिया के हाथों में जमीन के दस्तावेज आसानी से प्राप्त हो रहे हैं।

इस रिकॉड के जरिए भू-माफिया खतियान और अन्य दस्तावेज लेकर किसी के भी जमीन पर मापी शुरू कर देते हैं। रैयतों के विरोध करने पर रैयतों के खिलाफ उनकी ही जाति के किसी अन्य को जो दूसरे स्थान का होता है रैयत का वंशज बताकर उसके हाथों जमीन बेचने की बात कहकर जमीन पर अपना दावा करता है।

जमीन खरीदने के लिए दूसरे हथकंडे भी अपनाए जाते हैं किशोरों को पैसे की चकाचौंध में डुबा कर, नशे का आदि बनाकर, घर में कलह कराकर, भाई से भाई को लड़ाकर, बेटी के ससुराल जाकर लालच देते हैं, उससे भी काम नहीं बने तो भांजा को भड़काकर जमीन पर दावा कराया जाता है, थाना पुलिस कोर्ट-कचहरी के मामलों में फंसाकर जमीन को विवादास्पद बनाकर उलझा दिया जाता है और दो लाख रूपए प्रति डिसमिल जमीन को बीस-तीस हजार रूपए प्रति डिसमिल में खरीद लिया जाता है।

वहीं बड़े भू-भाग में जमीन को हथियाने के लिए किनारे-किनारे की जमीन खरीदकर बीच वाले भू-भाग में प्रवेश का रास्ता बंद कर दिया जाता है, रास्ता नहीं मिलने के कारण रैयतों को अपनी जमीन मजबूरी में बेचना पड़ रहा है। एक तरफ सरकार कृषको के लिए बड़ी-बड़ी योजनाएं ला रही है वहीं दूसरी तरफ जमीन के दस्तावेज उलझे होने के कारण कृषक इन योजनओं से कोसों दूर नजर आ रहे हैं।

झारखंड कैडर के 4 आईपीएस आईजी रैंक के पैनल में शामिल

● केंद्र ने विभिन्न राज्यों के 65 आईपीएस अधिकारियों को आईजी रैंक में किया है इंपैनल

नवीन मेल डेस्क

रांची। झारखंड कैडर के चार आईपीएस अधिकारियों को केंद्र में आईजी रैंक के पैनल में शामिल किया गया है। इनमें वर्ष 2004 बैच के दो, वर्ष 2005 बैच के एक और वर्ष 2007 बैच के दो आईपीएस शामिल हैं।

जारी सूची के अनुसार, वर्ष 2004 बैच के आईपीएस में आईजी अभियान के पद पर पदस्थापित होमकर अमोल वेणुकांत, आईजी स्पेशल ब्रांच के पद पर पदस्थापित प्रभात कुमार और वर्ष 2005 बैच के आईपीएस कुलदीप द्विवेदी, जो अभी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं, उन्हें आईजी रैंक में इंपैनल किया गया है। इनके अलावा, झारखंड जगुआर आईजी के पद पर पदस्थापित वर्ष 2007 बैच के आईपीएस अधिकारी अनूप बिरथरे को भी आईजी रैंक में इंपैनल किया गया है। ज्ञात हो कि केंद्र सरकार की कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने देश भर से कुल 65 आईपीएस अधिकारियों के लिए आईजी और आईजी समानांतर पद पर इंपैनल करने का विचार किया था, जिसके बाद अलग-अलग राज्यों के 65 आईपीएस अधिकारी आईजी रैंक में इंपैनल हुए हैं। इनमें झारखंड कैडर के ये चारों आईपीएस अधिकारी भी शामिल हैं।

हेमंत के नेतृत्व में राज्य पारदर्शिता के साथ विकास कर रहा है : विनोद

नवीन मेल डेस्क

रांची। झामुमो के महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडेय ने कहा है कि बाबूलाल मरांडी अब झारखंड की राजनीति में अपनी प्रासंगिकता बचाने के लिए बेबुनियाद आरोपों का सहारा ले रहे हैं। डीजीपी पद पर नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर हेमंत सोरेन सरकार पर सवाल उठाने से पहले उन्हें अपनी पार्टी के अंदर झांककर देख लेना चाहिए।

पांडेय ने रविवार को कहा कि झारखंड में आज जिन मुद्दों पर मरांडी शोर मचा रहे हैं, वे उन्हीं के शासनकाल की देन हैं। तब के भ्रष्टाचार और नौकरशाही के खेल ने ही आज प्रशासनिक व्यवस्था को इस स्थिति में ला कर खड़ा किया है। लेकिन, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दमदार नेतृत्व में राज्य का सही दिशा में विकास हुआ है। आज हर वर्ग के चेहरे पर मुस्कान देखने को मिल रही है।

झामुमो प्रवक्ता ने कहा कि यह बयान हास्यास्पद है, क्या बाबूलाल खुद को इतना हताश और भ्रमित मान चुके हैं कि अब बिना किसी आधार के ऐसी बातें कह रहे हैं? अगर उनके पास कोई ठोस प्रमाण है, तो सामने लाएं। वरना, झूठ बोलकर जनता को गुमराह करने की साजिश बंद करें।

संविधान और सुप्रीम कोर्ट का हवाला देने से पहले मरांडी ये भी बताएं कि उन्होंने अपने शासनकाल में कितनी बार सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन किया था? कितने संवैधानिक पदों को अपने राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया था? हेमंत सोरेन सरकार पर उंगली उठाने से पहले बाबूलाल मरांडी को ये समझ लेना चाहिए कि जनता अब सब कुछ देख रही है। हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य विकास और पारदर्शिता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। और मरांडी जी, अगर आपको झारखंड की फिक्र है, तो झूठ फैलाने के बजाय रचनात्मक सुझाव दीजिए।

बाबूलाल ने विभिन्न मुद्दों पर की राज्य सरकार की आलोचना

● सोशल माडिया 'एक्स' पर लिखा, भारतीय सेना के पराक्रम को पूरी दुनिया कर रही सलाम

नवीन मेल डेस्क

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने रविवार को राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर निशाना साधा है। सोशल माडिया 'एक्स' के माध्यम से उन्होंने कहा, निर्लज्जता की भी एक हद होती है, पर हेमंत सोरेन सरकार ने तो उसे भी पार कर दिया है। झारखंड देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है, जहां बीते दस दिनों से डीजीपी का पद खाली है और जो 'डीजीपी' जैसे काम कर भी रहा है, वो बिना वेतन के सेवा दे रहा है। वाह मुख्यमंत्री जी, ये तो नया भारत निर्माण है, 'बिना वेतन, बिना संवैधानिक वैधता, सिर्फ भ्रष्टाचार के दम पर प्रशासन।'

उन्होंने लिखा है, अब क्यों न एक नई नीति ही बना दी जाए? धनबाद, हजारीबाग, रामगढ़, बोकारो जैसे कोयला वाले 'कमाऊ' इलाके समेत और बाकी के खनिज इलाकों में भी 'बिना वेतन, केवल कमीशन आधारित सेवा' के लिए 'रिटायर्ड और अनुभवी' लोगों से आवेदन मंगवाइए। जो काम डीजीपी साहब कर रहे हैं, वही मॉडल लागू कीजिए, जहां वेतन की जगह 'वसूली' हो और संविधान की जगह 'किचन कैबिनेट' के आदेश मान्य हों।

बाबूलाल ने लिखा है, दरअसल, ऐसा प्रतीत होता है कि राज्य सरकार ने न केवल संविधान के अनुच्छेद 312 को नकारा है, जो यूपीएससी को अधिकार देता है, बल्कि सुप्रीम कोर्ट के प्रकाश सिंह केस के निर्देशों को भी रद्दी की टोकरी में डाल दिया है।

मरांडी ने लिखा है, हेमंत सोरेन जी अब शायद खुद को सर्वोच्च न्यायालय से भी ऊपर मान बैठे हैं और प्रशासन को नीचे, बहुत नीचे गिरा दिया है। आज झारखंड वहां पहुंच चुका है, जहां जेपीएससी की हर कुर्सी बोली पर बिक रही है और यूपीएससी से चयनित अधिकारियों को भी 'रेट लिस्ट' से होकर गुजरना पड़ता है। हेमंत जी, आपने तो एक क्रांतिकारी प्रयोग कर डाला 'योग्यता नहीं, सुविधा शुल्क आधारित प्रशासन।'

बाबूलाल मरांडी ने लिखा है, जो परंपरा आपने शुरू की है, वो न सिर्फ सरकारी व्यवस्था की विश्वसनीयता का अंतिम संस्कार कर रही है, बल्कि आने वाले वर्षों में झारखंड के प्रशासनिक ढांचे के ताबूत में आखिरी कील साबित होगी।

वहीं, दूसरी ओर बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के बाद भारत ने पलटवार करते हुए महज कुछ ही घंटों में पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। हमारी सेना ने पाकिस्तान के 11 एयरबेस और कई आतंकी ठिकानों को सफलतापूर्वक निशाना बनाकर ध्वस्त किया। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को पूरी दुनिया सलाम कर रही है। भारत, आतंकवाद को मिट्टी में मिलाने के अपने संकल्प पर अडिग है।

खाद्यान्न का भंडारण एक साथ किए जाने को लेकर बैठक

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप भगत की अध्यक्षता में रविवार को समाहरणालय सभागार में सभी पणन पदाधिकारी, अनुभाजन क्षेत्र, सभी प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी, सभी सहायक गोदाम प्रबंधक, जिला परिवहन-सह-हथालन अभिकर्ता जीफेससी के साथ संबंधित कार्यो की समीक्षा रविवार को की गई।

बैठक में माह मई के आवंटित खाद्यान्न का शत प्रतिशत लाभुकों के बीच वितरण का निर्देश दिया गया। बैठक में माह जून और जुलाई के लिए आवंटित खाद्यान्न का एक साथ अग्रिम लाभुकों के बीच वितरण का निर्देश दिया गया।

उक्त आवंटित खाद्यान्न युद्ध स्तर पर भारतीय खाद्य निगम डीपो से प्राप्त कर अधिक से अधिक वाहनों का प्रयोग कर परिवहन-सह-हथालन अभिकर्ता को जल्द से जल्द जन वितरण प्रणाली की दुकानों तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया कि जिन जन वितरण प्रणाली दुकानदारों को खाद्यान्न प्राप्त हो चुका है। उसे शत प्रतिशत लाभुकों के बीच वितरण करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही कहा गया कि किसी भी अनियमितता के लिए संबंधित के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मोरहाबादी चौपाल में हुई 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा

कहा गया- हमने कड़ा संदेश दिया, भारत अब चुप नहीं बैठेगा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। 'ऑपरेशन सिंदूर', उसके बाद दुश्मन देश द्वारा आक्रमण, भारतीय सेना के शौर्य के सामने दुश्मनों के घुटने टेकना और शनिवार की शाम 05:00 बजे युद्धविराम रविवार को आयोजित मोरहाबादी की चौपाल में चर्चा का विषय रहा। चौपाल में कहा गया कि हाल ही में भारत सरकार द्वारा लिए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के निर्णय ने पूरे देश को एकजुट कर दिया। यह केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि उन भावनाओं की प्रतिध्वनि थी, जो हर भारतीय के मन में उस समय उमड़ पड़ी थी, जब हमारे देश पर हमला हुआ। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत हमारी सेना ने साहस और रणनीति के साथ दुश्मन के क्षेत्र में घुसकर एक कड़ा संदेश दिया कि भारत अब चुप नहीं बैठेगा।

चौपाल में कहा गया कि इस ऑपरेशन के जरिए भारत ने अपने शहीदों का सम्मान किया है। देशवासियों को न्याय का भरोसा दिलाया है और यह भी सिद्ध किया कि हमारी सैन्य क्षमता किसी से कम नहीं है। इस ऑपरेशन में कई रणनीतिक ठिकानों को नष्ट किया गया, जिससे दुश्मन को गहरा झटका लगा। कहा गया कि इस दृष्टिकोण से देखा जाए तो बदला एक हद तक पूरा हुआ।

शनिवार की शाम 5:00 बजे युद्धविराम की घोषणा हुई। यह फैसला कुछ लोगों के लिए राहत भरी थी, तो कुछ के लिए अधूरी संतुष्टि। युद्धविराम के तुरंत बाद भी पाकिस्तान द्वारा की गई हरकतें यह बताती हैं कि शांति की पहल को कमजोरी समझना उसकी पुरानी आदत है। ऐसे में यह आवश्यक है कि युद्धविराम केवल एक रणनीतिक विराम हो, न कि स्थायी समाधान मान लिया जाए।

चौपाल में चर्चा हुई कि एक बड़ा वर्ग यह मानता है कि युद्ध रुकना नहीं चाहिए था। उनका कहना है कि पाकिस्तान को पूरी तरह कुचल देना आवश्यक था, ताकि वह भविष्य में कोई दुस्साहस न कर सके। वहीं, दूसरी ओर कुछ लोग संतुष्ट हैं। उनका कहना है कि हमने अपनी ओर से जवाब दे दिया, शौर्य दिखाया, और अब शांति ही सर्वोत्तम मार्ग है।

जमीन विवाद मामले की जांच करने पहुंचीं एनसीएसटी सदस्य आशा लकड़ा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राजधानी के हिंदपीढ़ी इलाके में मुस्लिम समुदाय के लोगों पर आदिवासी जमीन को कब्जा करने की कोशिश का आरोप लगा है। जिसकी शिकायत राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग में की गई शिकायत मिलने पर राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग रेस हुई और आयोग की सदस्या आशा लकड़ा जांच के लिए मौके पर पहुंची। जहां पहुंच कर मामला कुछ और ही देखने को मिला. पुलिस सूत्रों के अनुसार जिस जमीन की लड़ाई चल रही है वह कुल 6 भाई है जिसमे 5 भाइयों ने अपनी अपनी जमीनों पर घर बना लिया लेकिन पांचों मिलकर एक को एक रूम बनाने नहीं दे रहे थे। वहीं मामले में हालात को समझते हुए आशा लकड़ा ने पीड़ित के पक्ष में फैसला किया। मौके पर हिंदपीढ़ी थाना प्रभारी सहित कोतवाली डीएसपी भी मौजूद हैं।

ईडी की जांच में जमीन पर दावे से संबंधित दस्तावेज फर्जी निकले

नवीन मेल संवाददाता

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में बोकारो की 133.64 एकड़ जमीन पर दावेदारी से संबंधित दस्तावेज फर्जी पायी गयी है। ईडी के अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सर्वे के दौरान जब्त किये गये दस्तावेज और अधिकारियों से हुई पूछताछ के दौरान पुरुलिया रजिस्ट्री कार्यालय से वर्ष 1933 में जारी डीड संख्या 191 को फर्जी पाया गया। इजहार हुसैन और अख्तर हुसैन ने इस जमीन पर अपने पूर्वजों द्वारा ब्रिटिश राज के दौरान नीलामी में खरीदे जाने का दावा किया गया था। इसमें से अब तक 74 एकड़ से अधिक जमीन बिक चुकी है। जिला प्रशासन की ओर से जारी जांच के दौरान भी पुरूलिया स्थित रजिस्ट्री कार्यालय में नीलामी से जुड़े दस्तावेज के नहीं होने की लिखित सूचना दी थी।

इजहार हुसैन ने बोकारो जिले के चास अंचल की जमीन पर अपना दावा पेश करने के लिए दो दस्तावेज का सहारा लिया था। इसमें पहला दस्तावेज पुरुलिया स्थित रजिस्ट्री कार्यालय से जारी डीड संख्या 191 और दूसरा दस्तावेज समीर महतो का वसीयतनामा था। पुरुलिया रजिस्ट्री कार्यालय से जारी सेल डीड संख्या 191 में इस बात का उल्लेख किया गया है कि समीर महतो ने यह तेतुलिया की 133.64 एकड़ जमीन वर्ष 1933 में नीलामी में खरीदी। वर्ष 2010 में समीर महतो के वसीयतनामा में इस बात का उल्लेख किया गया है कि समीर महतो ने अपने बेरोजगार पोता इजहार हुसैन और अख्तर हुसैन को नीलामी में खरीदी गयी 133.64 एकड़ जमीन देने का फैसला किया।

इजहार हुसैन ने इस दस्तावेज के सहारे जमीन पर अपना दावा पेश किया। चास के तत्कालीन अंचल अधिकारी निर्मल टोप्पो ने इसे स्वीकार करते हुए इजहार और अख्तर हुसैन के नाम पर म्यूटेशन कर दिया। इस गड़बड़ी के आरोप में निर्मल टोप्पो बर्खास्त हो चुके हैं। ईडी ने बोकारो जिले में हुई इस जमीन घोटाले की जांच के दौरान जमीन की खरीद बिक्री करने वालों के अलावा जमीन खरीदने के लिए फंडिंग करने वालों के ठिकानों पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान बांका के बीर अग्रवाल के ठिकाने से 1.30 करोड़ रुपये जब्त किये गये। राजबीर कंस्ट्रक्शन के निदेशक को जमीन खरीदने के लिए फंड उपलब्ध कराने की पुष्टि हुई।

वरिष्ठ पत्रकार चंदन मिश्र को मातृशोक

नवीन मेल संवाददाता

रांची। वरिष्ठ पत्रकार चंदन मिश्र की माता कमला देवी का शनिवार की रात रिम्स में निधन हो गया। वे 93 वर्ष की थीं और पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रही थीं। उनका इलाज रिम्स में चल रहा था, जहां रात 9 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। वे अपने पीछे चार पुत्र, दो पुत्रियों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनका अंतिम संस्कार रविवार को दिन में 11:00 बजे टाटीसिलवे के स्वर्णरेखा नदी तट स्थित मुक्तिधाम में किया गया, जिसमें पत्रकारिता और समाज सेवा से जुड़े लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट ने चलाया पक्षी बचाओ अभियान

नवीन मेल संवाददाता

रांची। समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से भीषण गर्मी को देखते हुए मोराबादी कुसुम विहार रोड नम्बर चार में पक्षियों की सुरक्षा के लिए 'पक्षी बचाओ अभियान' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रविवार को हुए कार्यक्रम में छोटे-छोटे बच्चे और उनके अभिभावकों से भीषण गर्मी में पक्षियों सहित अन्य बेजुबान प्राणियों को दाना-पानी देने की अपील की गई। मौके पर बच्चों एवं उनके अभिभावकों के बीच पक्षियों को गर्मी से राहत दिलाने के लिए सिकोरे बांटे गए। साथ ही साथ यह संकल्प दिलाया गया कि सभी अपने अपने घरों में सिकोरे रख कर पक्षियों को दाना-पानी देकर उनकी रक्षा करने में अपना योगदान देंगे। इस अवसर पर समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी आनंद केडिया, उमेश केडिया, स्मिता केडिया, रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी, लायंस क्लब ऑफ समर्पण कि अध्यक्ष सीमा सिंह सहित कई गणमान्य मौजूद रहे।

आर्यभट्ट सभागार में बिरसा मुंडा जयंती समारोह में बोले रघुवर दास

राज्य के आदिवासियों की संस्कृति पर चौतरफा हमला हो रहा है

नवीन मेल संवाददाता

रांची। आदिवासियों का धर्मांतरण रोकने के लिए पहली बार झारखंड में धर्मांतरण कानून बनाए। लेकिन इस अबुआ सरकार धर्मांतरण कानून की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। यह बातें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री सह पूर्व ओड़िसा के राज्यपाल रघुवर दास ने कही। वे रविवार को आर्यभट्ट सभागार में हुई बिरसा मुंडा जयंती समारोह हुई। आयोजन कलिंगा भारती फाउंडेशन, नई दिल्ली और भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने संयुक्त रूप से की। रघुवर ने कहा कि झारखंड के आदिवासियों की संस्कृति पर चौतरफा हमला हो रहा हैं, आज भी दो-दो टोपी एक समान वाले हावी है। उन्होंने कहा कि जिस तहर भगवान बिरसा ने अपने संस्कृति को बचाने के लिए उलगुलान शुरू किया। उसी तरह अब आदिवासी बुद्धिजीवियों को भी उलगुलान शुरू करने पर सोचना होगा। खुद को अबुआ राज का बबुआ राज का मुख्यमंत्री कहता है और यहां की संस्कृति आज इस राज में खतरे में है। क्योंकि यह सरकार सरना कोड की बात करती है, लेकिन इसी सरकार में लोग सरना स्थल बचाने के लिए सड़कों में उतरना पड़ रहा हैं। रघुवर ने कहा कि कोई राज्यपाल जैसे पद छोड़ना नहीं चाहते है, लेकिन मैंने झारखंड को बचाने के लिए इस पद को छोड़ दिया। आने वाले दिनों में जनजातियों के बीच चौपाल लगाकर उनकी समस्या सुनी जाएंगी। मैंने खुद मुख्यमंत्री रहते हुए मानकी-मुंडा के लिए सम्मान राशि के रूप में दो हजार रुपये देने शुरू किए थे, लेकिन इस सरकार इसे बंद करवा दिया। इस दौरान भगवान बिरसा मुंडा के परपोते सुखराम और बुधराम मुंडा को पूर्व मुख्यमंत्री के द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण समारोह के मुख्य संयोजक डॉ राजा राम महतो ने दी। जबकि मंच संचालन डॉ कमल बोस ने की। कार्यक्रम में विभिन्न जगहों से आए कलाकारों ने रंगारंग पारंपरिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। इसी क्रम में 150 लोगों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व कुलपति डॉ सत्यानारायण मुंडा, केरल के पुलिस के डीजे रहे डॉ संजीवपट जोशी, फाउंडेशन के अध्यक्ष अक्षयकुमार शमल ने भी विचार रखे।

धर्मांतरण कर जनजाति समाज को किया जा रहा है विखंडित : सीपी सिंह

विशिष्ट अतिथि के रूप में रांची के विधायक सीपी सिंह ने कहा कि धर्मांतरण कर आदिवासी समाज को विखंडित करने की साजिश हो रही है, यह धर्मांतरण सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य और गरीबी का फायदा उठाकर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड में जो जंगल बचा है, व आदिवासियों के कारण ही बचा है। इसी तरह धर्मांतरण होता रहा और विखंडित किया जाता रहा, तो एक दिन जल, जंगल-जमीन की रक्षा करने वाले समाप्त हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि यदि समाज के अंदर गड़बड़ी है तो आदिवासी बुद्धिजीवियों व समाज के लोगों को ही सुधारना होगा। साथ ही आदिवासी समाज से नशापान जैसी कुरीतियों को समाप्त करना होगा, तभी राष्ट्र को विकसित करने की दिशा में सहभागिता निभा सकते हैं।

वनवासी कल्याण केंद्र ने सरकार से की मांग, जल्द हो पेसा कानून लागू

रांची। वनवासी कल्याण केंद्र के राज्य संयोजक संदीप उरांव ने कहा कि जनजातीय समाज को ध्यान में रख कर झारखंड अलग राज्य बना है। उन्होंने कहा कि 1996 में एक कानून बना है। इसके तहत जनजाति सामाज के जल, जंगल और जमीन की रक्षा करने का अधिकार दिया है। उरांव रांची प्रेस क्लब में रविवार को प्रेस वार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इस कानून के तहत जनजाति समाज की सभ्यता और संस्कृति को ध्यान में रखकर विकास करना, उसके धार्मिक व्यवस्था के तहत शासन और प्रशासन का नियंत्रण करना है। लेकिन झारखंड में अब तक इस कानून को लागू नहीं किया गया है। वनवासी कल्याण केंद्र राज्य सरकार से मांग करती कि जल्द हो पेसा कानून लागू करें। उरांव ने कहा कि 2024 में कल्याण आश्रम ने पेसा कानून को लेकर एक ड्राफ्टिंग की गई थी।

नगड़ी के दलादली में टायर दुकान में लगी भीषण आग

● घंटों कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया गया काबू

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के नगड़ी क्षेत्र के दलादली टीओपी के पास रविवार को टायर दुकान में भीषण आग लग गई। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर आसपास के लोगों के सहयोग से आग बुझाने की कोशिश की। आग नहीं बुझता देख मामले की जानकारी अग्निशमन टीम को दी गई। घंटों कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। टायर दुकान में आग लगने से कितने का नुकसान हुआ है, इसका फिलहाल आकलन नहीं हुआ है। हालांकि, कयास लगाए जा रहे हैं कि लाखों का नुकसान हुआ है। आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी है।

आज की मातृशक्ति की प्रेरणा और ढाल कभी मां बनी थी

माताओं के दिए हौसले इन सफल लोगों के पंख बने

काजल मेहता। रांची। भारत पाकिस्तान के बीच अघोषित युद्ध में दो मातृशक्ति कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह से लेकर झारखंड के अनेक चर्चित महिला चेहरों के पीछे उनकी माताओं कि प्रेरणा समाज के तानों से बचने के लिए ढाल बनने जैसे कई उदाहरण हैं।

कर्नल सोफिया और विंग कमांडर की जननी ने बताई उनकी खास बातें

कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका सिंह की जननी जो अपनी बेटियों को बिना किसी स्वार्थ के देशसेवा में समर्थन दे रही हैं, उन्होंने अपनी बेटियों की बचपन की बाते बताई। कर्नल सोफिया कुरैशी की मां ने एक साक्षत्कार में उन्होंने कहा सोफिया पढाई लिखी के साथ साथ आर्मी में जाने का शौक बचपन से ही रहा है। उनकी मां ने कहा सोफिया के दादा जी और पिताजी दोनों ही आर्मी में थे जिन्हें देख कर सोफिया आज कर्नल है और मां बहनों के सिंदूर का बदला लिया। वहीं, व्योमिका सिंह की मां करूणा सिंह ने एक ने साक्षात्कार में बताया की व्योमिका का व्यवहार शुरु से अलग रहा। उसने कभी लड़कियों के खिलाफ या किसी भी बदसुलूकी को माफ़ नहीं किया। करूणा सिंह ने बताया की व्योमिका और उसके पापा ने मुझे नहीं बताया था की व्योमिका का चयन एयरफोर्स में हुआ है। उन्होंने बताया की व्योमिका को डर था कहीं मां जाने से मना ना कर दे। वहीं करूणा सिंह ने कहा व्योमिका पुरे देश की बेटी है। उन्होंने कहा लड़की लड़का कोई में कोई अंतर नहीं होता है सब सामान है जिंदगी की अड़चनों को पार करके मुकाम तक जाना है। व्योमिका ने जन्म के वक्त ही कई परेशानियों का सामना किया था इसलिए वह जन्म से ही योद्धा है।

आइपीएस सरोजिनी लकड़ा

सरोजिनी लकड़ा की मां

आइपीएस सरोजिनी लकड़ा ने बताया बचपन से हमारा परिवार आर्थिक परेशानियों से जूझता रहा। मेरी मां सबीना बेक ने बड़ी मुश्किलों के साथ घर चलाया और समाज की नकारात्मक गतिविधियों से बचाते हुए आगे बढने का रास्ता दिया। उन्होंने कहा मेरी मां पढ़ी लिखी हैं और अपने समाज की सबसे पहले महिला शिक्षिका भी रही हैं लेकिन समाज में उन्हें इस चीज को लेकर कड़ी संघर्ष का सामना करना पड़ा। जिस से हमारी मां ने हमें पहले ही तैयार कर दिया था और साए की तरह हमारी कठिनाइयों को टालती रही।

अनिता तिर्की

पारा थ्रो खिलाड़ी अनिता तिर्की ने कहा मां ने हमेशा मेरे लिए स्टैंड लिया। जो मुझे करना है उसे करने की आजादी दी। समाज की नकारात्मक बातों को नजरंदाज करके आगे बढ़ने के लिए कहा। अनीता ने कहा कई बार ऐसा लगता है की जिंदगी में अब कुछ बचा नहीं है ऐसे वक्त में मां की सबसे ज्यादा जरूरत पड़ती है और मां साथ होती भी है। इन हालत में मां के पास के जाती हूं और मां गुरु बन कर हमेशा समझाती रही हैं। मां ढाल बन कर आगे बढ़ना सिखाती है।

● पारा थ्रो खिलाड़ी अनिता तिर्की और उनकी मां

विद्या कुमारी

असम राइफल्स पदाधिकारी विद्या कुमारी ने कहा मेरी पूरी जिंदगी में हर काम के पीछे मां सहयोग रहा है। वहीं उन्होंने अपनी बहन अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज दीपिका के बारे में बताते हुए कहा हमारी मां ने हमेशा से समाज के लोगों की बातों और तानों से बचते बचाते चलना और संभलना सिखाया। उन्होंने कहा समाज तो समाज मां ने हमारे लिए परिवार से भी लड़ाई लड़ी है। विद्या ने कहा मां अक्सर कहती है ताने देने वालों को शब्दों में नहीं बल्कि सफल होकर जवाब देना है। उन्होंने कहा मां के आत्मविश्वाश से हमेशा हम दोनों बहनों को प्रेरणा मिली है।

● बाएं से असम राइफल्स पदाधिकारी विद्या, बीच में अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज दीपिका और उनकी मां गीता कुमारी

महिमा उरांव की मां

पारा थ्रो खिलाडी महिमा उरांव ने बताया की जबसे उन्होंने खेलना शुरू किया तबसे ही समाज की नकार्त्मकता ने रोकने की कई कोशिशे की लेकिन मेरी मां ने हमेशा मेरा साथ दिया। आदिवासी परिवार की बेटी होकर यहां तक पहुंचने का सफ़र इतना मुश्किलों से भरा था लेकिन इन मुश्किलों में मां के साथ के बिना नहीं हो पता। महिमा ने कहा परिवार और समाज से मेरी मां ने अक्सर यही कहा की मैंने जन्म दिया है मैं संभाल लुंगी।

असुंता लकड़ा की मां

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रह चुकी असुंता लकड़ा ने कहा कि मां ने कई कठिनाइयों का सामना किया है। खेती करने के साथ महुआ चुन कर घर की जिम्मेदारियों के साथ सैम सभी 8 भाई बहनों का ख्याल रखा करती थी। अंसुता ने बताया कि महुआ और धान से चावल निकल कर बेचा करती थी। इन्ही सब कामों को करके मेरी होकी का पहला होकी स्टिक ख़रीदा था। उन्होंने बताया की मां को मेरी फिक्र थी इसलिए वह शुरू में मेरे खेल के खिलाफ थी लेकिन जब उन्हें पता चला तो वह मेरे लिए समाज की हर स्थिति और परिस्थिति में ढाल बन गई।

अनिमेष राहुल मेहता की मां

फौज के जवान अनिमेष राहुल मेहता ने कहा मेरी मां को गर्व है की में देशसेवा कर रहा हूं लेकिन मां चाहती नहीं थी मुझे अपने आप से दूर करना इसलिए वो मेरे फौज में जाने के खिलाफ थी। जब मैंने ज्वाइन किया तो मां ने सब कुछ स्वीकार लिया। राहुल ने बताया कि मां का कहना है हर मां के लिए मुश्किल है अपने बेटे को किसी जंग में भेजना। वहीं राहुल ने बताया की महीनों के बाद घर आया था उसमे भी तुरंत ही बुलावा आ गया। जिस से मां काफी उदास है लेकिन उन्होंने यह भी कहा मां जानती है की हमारा काम देश की हर बहिन बेटी के सिंदूर की रक्षा करना है।

वार्ड 35 के इलाही नगर में है पेयजल की समस्या

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रांची सिटीजन फोरम की बैठक रविवार को वार्ड 35 अंतर्गत इलाही नगर, पुंदाग में अध्यक्ष दीपेश निराला की अध्यक्षता में हुई। इसमें उपस्थित स्थानीय लोगों ने फोरम के पदाधिकारियों को बताया कि वार्ड 35 के इलाही नगर क्षेत्र में पानी की भारी समस्या है और प्रतिदिन केवल एक टैंकर पानी निगम द्वारा आपूर्ति होता है। यह पानी भी साफ और स्वच्छ नहीं रहता है। शाम तक पानी स्टोर रखने पर पानी पीले रंग का हो जाता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां पर नाली का निर्माण पिछले वर्ष कराया गया था, जिसको संवेदक ने आधा-अधूरा छोड़ दिया है। इससे नाली का पानी सड़क पर बहता है। बताया कि इस क्षेत्र में कोई भी खेल का मैदान या पार्क नहीं है और ना ही कोई तालाब है। वर्ष 2022-23 में पाइपलाइन बिछाकर घरों में नल का कनेक्शन दे दिया गया, लेकिन अभी तक पानी की आपूर्ति शुरू नहीं की गई है। रांची सिटीजन फोरम के अधिकारियों ने उपस्थित लोगों को रांची नगर निगम का टोल फ्री नंबर और वार्ड 35 के सुपरवाइजर तथा सुपरवाइजर का नंबर दिया। रांची नगर निगम के प्रशासक को अवगत कराने के लिए पत्राचार का निर्णय लिया गया। बैठक में अध्यक्ष दीपेश निराला, वार्ड 7 के संयोजक अमरनाथ चौबे, वार्ड 3 के वार्ड समिति सदस्य संदीप कुमारआदि उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन रशीद अहमद ने किया।

महर्षि मेंहीं परमहंस की मनाई गई 141वीं जयंती

नवीन मेल संवाददाता। रांची

महर्षि मेहीं आश्रम, चुटिया, रांची में रविवार को महर्षि मेंहीं परमहंस जी महाराज के 141वीं जयंती समारोह के अवसर पर कार्यक्रम का आरंभ प्रभातफेरी के साथ हुआ। प्रातः 6:00 बजे से प्रातः 9:00 बजे तक प्रभातफेरी का आयोजन हुआ। इसके बाद पुष्पांजलि एवं प्रवचन के कार्यक्रम हुए। इस अवसर पर योगदा सत्संग, रामकृष्ण आश्रम तथा अन्य स्थानों से विभिन्न साधू-संतों का आगमन हुआ। इसके बाद भंडारे के प्रसाद का वितरण किया गया। इस मौके पर सिद्धपीठ महर्षि मेंही आश्रम कुप्पाघाट, भागलपुर से पूज्यपाद डॉ स्वामी निर्मानंद जी महाराज ने कहा- महर्षि मेंहीं महान समन्वयकारी संत थे। इनका जीवन राष्ट्र और समाज को सुंदर बनाने के लिए समर्पित था। उन्होंने सदैव समाजिक भेदभाव को मिटा सद्भावना और शांति का संदेश दिया। महर्षि मेंही परमहंस जी की शिक्षा आज भी समाज के लिए उपयोगी सिद्ध हो रही है। अद्वैत स्वरूप परम ज्ञानानंद आश्रम तुपुदाना के स्वामी चिदानंद मुनि ने कहा- महर्षि जी अद्वितीय संत थे। इन्होंने समाज को सुंदर ज्ञान दिए। इनकी शिक्षा से सामाजिक विषमताएं मिटती हैं। योगदा मठ के संन्यासी ने कहा- संत का जीवन संपूर्ण मानवता के प्रति समर्पित होता है। इस अवसर पर रामकृष्ण मिशन आश्रम मोरहाबादी, भारत सेवा संघ एवं अन्य आश्रमों से पधारे महापुरुषों ने महर्षि मेंही के ज्ञानोपदेश पर प्रकाश डाला।

एक्वा वर्ल्ड में हुआ विशेष कार्यक्रम का आयोजन

'भारत माता' को समर्पित रहा 'मदर्स डे'

● विजेताओं को एक्वा वर्ल्ड समूह की चेयरपर्सन डॉ विद्या झा ने किया पुरस्कृत

नवीन मेल संवाददाता रांची

मदर्स डे पर रविवार को एक्वा वर्ल्ड, मछली घर द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम भारत माता को समर्पित रहा। कार्यक्रम 'मां तुझे सलाम' की थीम पर आधारित था। कार्यक्रम की शुरुआत में मिक्स्ड एलिमेंट्स डांस ग्रुप द्वारा 'तेरी मिट्टी' और 'देश रंगीला' गीतों पर नृत्य पेश किया गया, जिसके कोरियोग्राफर डेविड थे। कार्यक्रम में हिस्सा लेने वालों में चंद्रकला, समृद्धि, तृप्ति, खुशी, आराध्या, शांभवी, वैष्णवी, जेम्स, अंशिका, सुहानी, सृष्टि, प्रज्ञा, दृष्टि प्रमुख थे। एक्वा वर्ल्ड में समर हॉलीडे श्रृंखला की शुरुआत आज मदर्स डे के कार्यक्रम से हो गई। इस अवसर पर अनेक सेल्फी प्वाइंट बनाए गए, जहां वायु सेना, नौसेना और थल सेना के पराक्रम को दिखाया गया। इसके अतिरिक्त एक सिग्नेचर बूथ भी बनाया गया है, जिसमें लोग 'वी स्टैंड विद भारत' की थीम पर हस्ताक्षर कर रहे थे।

आज मदर्स डे पर मम्मी और बच्चों ने भी जमकर आनंद उठाया। मम्मी और बच्चों ने रैंप पर चलकर मां के थीम वाली गीतों पर रैंपवॉक किया। आज अतिथि के रूप में दीपांजलि ग्रुप के निदेशक विपुल नायक, देव ज्योति नाहा, नीतू कुमारी, डेविड आदि मौजूद थे। सभी विजेताओं को एक्वा वर्ल्ड समूह की चेयरपर्सन डॉ विद्या झा ने पुरस्कृत किया। इस अवसर पर एक्वा वर्ल्ड समूह के चेयरपर्सन प्रतुल शाह देव, प्रद्युम, साहिल, सुचित्रा, लावण्या, सोनाक्षी, ज्योत्सना, रव्या, नेवा, रीवा आदि उपस्थित थे।

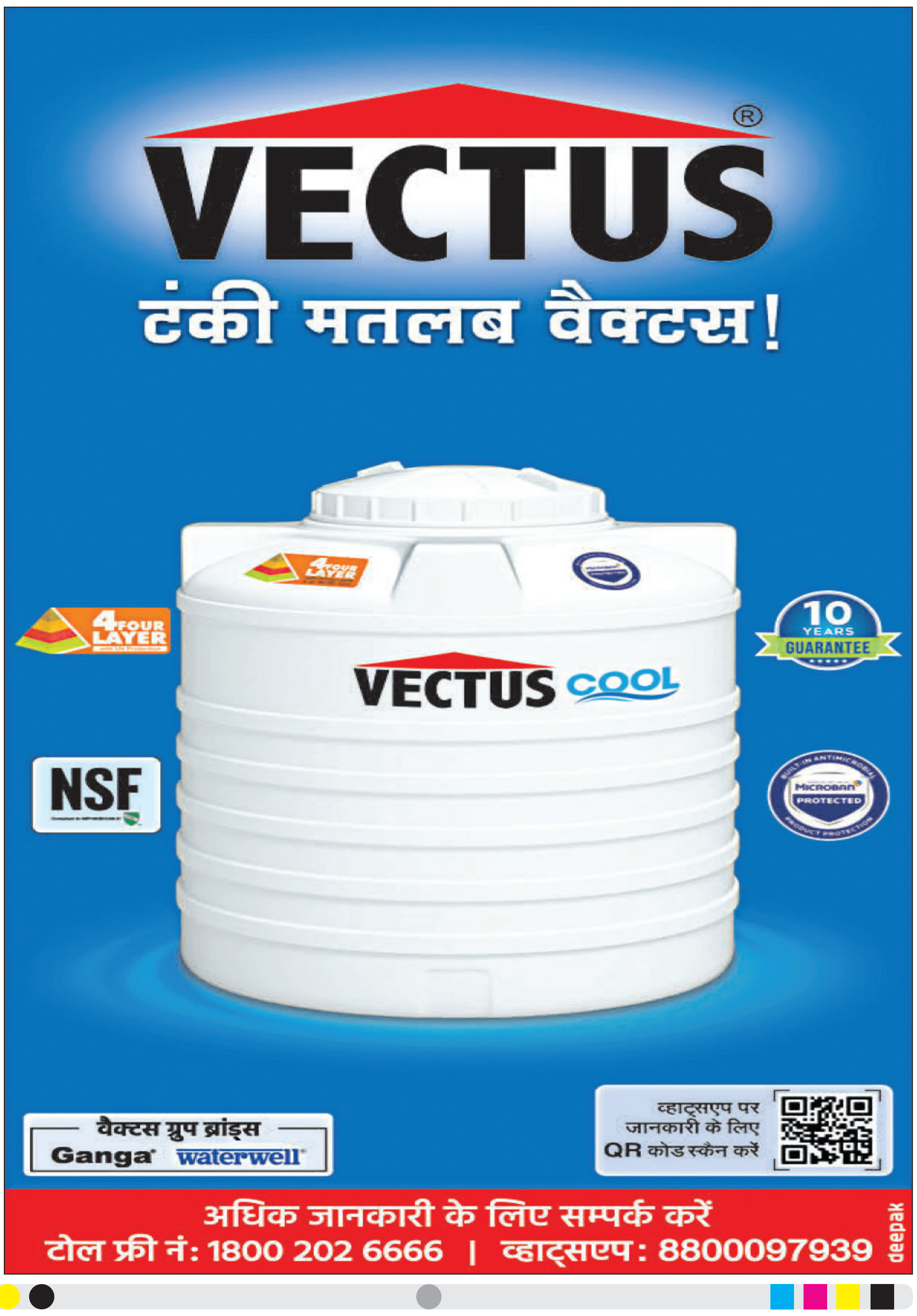

श्री राधा- कृष्ण मंदिर में अन्नपूर्णा महाप्रसाद का हुआ वितरण

नवीन मेल संवाददाता। रांची

श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग मे श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम में 206 वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। आज का श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारा महाप्रसाद संस्था की मीरा अडूकिया एवं उनके परिवार के सौजन्य से किया गया। अन्नपूर्णा महाप्रसाद का विधिवत भोग दोपहर 12:30 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडे द्वारा लगाई गई, तत्पश्चात मंदिर परिसर में उपस्थित 2 हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं के बीच महा प्रसाद का वितरण किया गया।

आज के महाप्रसाद में सूजी का हलवा, पुड़ी, पलाव, दाल,आलु चना का सब्जी,आलू चिप्स आदि का वितरण किया गया। तत्पश्चात दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक भजन-कीर्तन के कार्यक्रम में ट्रस्ट के भजन गायक मनीष सोनी ने मनमोहक सुमधुर भजनों की अमृत गंगा का रसपान कराते हुए श्रोताओं को खूब झुमाया। पूरा वातावरण को भक्तिमय बना दिया। तत्पश्चात सामूहिक रूप से महाआरती की गई। ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि संस्था द्वारा श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम श्री राधा कृष्ण मंदिर परिसर मे आज अन्नपूर्णा महाप्रसाद एवं भजन कीर्तन में आज सुबह से ही श्रद्धालुओं का भीड़ लगा रहा। तथा भगवान श्री राधा कृष्ण मंदिर मे तीन हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। इस अवसर पर-ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, सचिव मनोज चौधरी, निर्मल छावनिका पूरणमल सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल, सुनील पोद्दार, अंजनी अग्रवाल, विष्णु सोनी, ज्ञान प्रकाश शर्मा, पवन पोद्दार, विशाल जालान, विधा देवी अग्रवाल, मधु जाजोदिया, सुनीता अग्रवाल, संतोष देवी अग्रवाल, उर्मिला पाड़िया, चंद्रदीप साहू, हरीश कुमार, महेश वर्मा, धीरज गुप्ता, अशोक ठाकुर,सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष उपस्थित थे।

धूमधाम से मनाई गई महर्षि मेंही परमहंस महाराज की जयंती

खूंटी। महर्षि मेंही आश्रम मलियादा और शांतिपुरी मुरहू में महर्षि मेंही परमहंस जी महाराज की 141 वीं जयंती रविवार को धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत प्रभातफेरी से की गई। काफी संख्या में सत्संगियों ने भक्तिभाव से प्रातः काल में ही बंदगांव और मुरहू के मुख्य मार्गों पर प्रभातफेरी निकाली। साथ ही भारत माता की जय, सद्गुरु महाराज की जय, धर्म की जय हो, गौ माता की जय, मानव-मानव एक हैं सहित अन्य जयकारे लगा रहे थे। आश्रम पहुंचकर सद्गुरु महाराज के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की गई। स्तुति, प्रार्थना और ग्रंथ पाठ के पश्चात सत्संग कार्यक्रम में गुरुदेव के जीवन पर प्रकाश डाला गया स्वामी लक्ष्मणजी महाराज ने कहा कि गुरुदेव का अवतरण मानवता के कल्याण के लिए हुआ। सद्गुरु महाराज सभी प्राणियों को भगवान की संतान मानते थे। सभी की सेवा करने के लिए मनुष्य का जीवन है। उन्होंने कहा कि गुरुदेव का कहना है कि स्वावलंबी जीवन जीना चाहिए। साथ ही सदाचार और शाकाहार जीवन ईश्वर की भक्ति करते हुए जीना चाहिए। बुराइयों से सदैव दूर रहना चाहिए। परमात्मा को प्राप्त करने, जीवन में सुख पाने के लिए गुरु की बताये भक्ति मार्ग पर चलकर ही पूर्ण कल्याण हो सकता है।

सावित्रीबाई फुले की ममता, त्याग व समर्पण के मार्ग पर चलना होगा

खलारी। सावित्रीबाई फुले नारी शक्ति केंद्र के तत्वाधान में खलारी के साईं नगर बुकबुका में मदर्स-डे मनाया गया। अध्यक्षता अनिता गंझू ने की। उपस्थित महिलाओं ने सर्वप्रथम मां सावित्रीबाई फुले के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया। साथ ही भारत सेना की अधिकारी सोफिया कुरैशी और व्योमिका सिंह की सराहना कर उनके कुशल जीवन के लिए प्रार्थना किया गया। अनिता गंझू ने कहा कि हर भारतीय नारी को मां सावित्रीबाई फुले की ममता, त्याग व समर्पण के मार्ग पर चलना होगा, तभी भारत विश्व गुरु बन सकता है। कार्यक्रम का संचालन कर रही सरोज चौधरी ने कहा कि नारी केंद्र द्वारा सामाजिक न्याय व सामाजिक मूल्यों के लिए मिलकर काम करने के लिए हमेशा प्रयासरत रहेंगे। नारी समस्या के अलावा समाज की दूसरी समस्याओं को हल करने के लिए महिलाओं को पुरुष के साथ साझा प्रयास करना चाहिए। अंत में मदर्स-डे के अवसर पर आसपास के बच्चों के बीच मिठाईयां बांटी गई। इस अवसर पर नीलू विश्वकर्मा, कौशल्या देवी, माया देवी, वीणा देवी, रुबी देवी, माही प्रवीण, शारदा देवी आदि लोग उपस्थित थी।

मांडर के स्कूल में मदर्स डे कार्यक्रम का आयोजन

मांडर। अमेरिकन पब्लिक स्कूल में रविवार को मदर्स डे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। इस आयोजन का उद्देश्य माताओं के प्रति सम्मान और बच्चों में पारिवारिक मूल्यों की भावना को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित अभिभावकों और शिक्षकों ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन की सराहना की। मौके पर विद्यालय के निर्देशक नौशाद आलम, प्रिंसिपल जावेद अहमद, रेशम बाला समेत अन्य लोग मौजूद थे।

दो लाख रुपए मूल्य के ओएचई तार काट ले गए चोर

नवीन मेल संवाददाता। खलारी

खलारी अंचल क्षेत्र में कोयला साइडिंगों तक गए रेलवे लूपलाइन के कर्षण तार लोहा चोरों के निशाने पर हैं। रविवार को खलारी थाना क्षेत्र के मोहननगर के निकट केडीएच-डकरा रेलवे लूपलाइन में 6 पोल ओवर हेड इक्वीपमेंट तार (कर्षण तार) चोरों ने काट लिया। केडीएच-डकरा रेलवे लूपलाइन के पोल संख्या 1037 से 1043 के बीच कर्षण तार चोरी हुई है। रेलवे द्वारा चोरी गए तार की अनुमानित कीमत दो लाख रूपए बताई गई है।

एक दिन पूर्व ही मैकलुस्कीगंज-राजधर रेलवे लूपलाइन से ओएचई तार काटकर ले जाने की कोशिश की गई। इससे पूर्व भी मोहननगर के निकट ही केडीएच-डकरा रेलवे लूपलाइन में चोर कर्षण तार काट ले गए थे। दरअसल रेलवे लूप लाइन में केवल मालगाड़ियां ही आना जाना करती हैं। मालगाड़ियों का आवागमन भी साइडिंग में कोयला की उपलब्धता के अनुसार ही होता है। लोहा चोर मौका देखते ही कीमती कर्षण तार काट ले जाते हैं। कर्षण तार में 25 हजार वोल्ट करंट प्रवाहित रहता है, बावजूद इसके चोर तार काटने में सफल हो जाते हैं। रविवार को ही रेलवे द्वारा कर्षण तार नया लगा कर रेल यातायात चालू कर दिया गया। चोरी गए तार की प्राथमिकी सोमवार को दर्ज की जाएगी।

मारवाड़ी युवा मंच रांची शाखा ने कराया वॉटर पोलो 2.0 प्रतियोगिता का आयोजन

रांची। मारवाड़ी युवा मंच रांची शाखा द्वारा दिनांक 11 जून 2025 दिन रविवार को वर्धमान कंपाउंड स्थित एरिना स्पोर्ट्स मे वॉटर पोलो 2.0 प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे आये सभी वरिष्ठ एवं आमंत्रित सदस्यों का अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत एवं सम्मानित किया गया।प्रतियोगिता मे 6 टीम मे मंच के 36 सदस्यों ने भाग लिया। सभी खिलाड़ियों ने कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया एवं साथ ही खेल भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में टीम स्प्लैश स्क्वाड विजेता तथा टीम द फ्लोटेर्स उपविजेता रही। मंच के प्रवक्ता राघव जालान ने बताया के कार्यक्रम मे मुख्य रूप से मंच के अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष निकुंज पोद्दार, कोषाध्यक्ष गौरव काबरा, प्रांतीय अध्यक्ष विशाल पाड़िया, प्रांतीय महामंत्री दीपक गोयनका, प्रांतीय कोषाध्यक्ष विकाश झाझरिया, प्रांतीय सहायक मंत्री विकाश अग्रवाल, प्रांतीय मंडलीय उपाध्यक्ष आशीष अग्रवाल के साथ कई पूर्व अध्यक्ष एवं अन्य युवा सदस्यों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को सुसज्जित किया एवं सफल बनाया। यह कार्यक्रम शाखा के खेल कूद प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक गौरव विजय एवं हिमांशु चितलांगिया के संयुक्त प्रयास एवं परिश्रम से सफल हुआ।

जिप सदस्य ने चान्हो में किया नए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

चान्हो। प्रखंड के सोंस सरना टोली में रविवार को जिला परिषद सदस्य आदिल अज़ीम ने 100 केवीए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया। इस दौरान कहा कि पहले से गांव में लगा ट्रांसफार्मर खराब होने की जानकारी लोगों ने एक दिन पूर्व दी थी। इसके बाद विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर गांव में नया ट्रांसफार्मर लगवाने का आग्रह किया। समस्या को देखते हुए तत्काल नया ट्रांसफार्मर का अनुशंसा किया। इस क्षेत्र में अधिकतर गरीब ग्रामीण, किसान रहते हैं और ट्रांसफार्मर जल जाने से लोगों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था। अदिल अज़ीम ने कहा कि ट्रांसफॉर्मर लग जाने से ग्रामीणों को अब अंधेरे में रात बितानी नहीं पड़ेगी और इस भीषण गर्मी में राहत मिलेगी। मौके पर अजय महतो, इम्तियाज आलम, मो सईद, रंजीत उरांव, मंगरी उराव, नसरुल अंसारी काफी लोग उपस्थित थे।

कान का गेट तोड़कर चावल खा गए हाथी, दहशत

सरायकेला। चांडिल के दलमा वाइल्ड लाइफ सेंचुरी से पलायन कर आए जंगली हाथियों के झुंड ने चांडिल शहरी क्षेत्र में दहशत फैला दी है। एक विशाल ट्रस्कर हाथी ने रमेश चौधरी की दुकान का मुख्य गेट तोड़कर अंदर घुसकर दो बोरा चावल खा गए। यह पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों के अनुसार, बीते पांच वर्षों से दलमा गज परियोजना के जंगलों में भोजन और पानी की कमी के कारण हाथियों के झुंड लगातार ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों और अब शहरी इलाकों का रुख कर रहे हैं। शाम ढलते ही हाथियों के झुंड छोटे-छोटे समूहों में बंटकर गांवों और बाजारों में घुस आते हैं और घरों को नुकसान पहुंचाते हैं और अनाज खा जाते हैं। इस दौरान कई बार ग्रामीणों की जान भी खतरे में पड़ जाती है। चांडिल वन क्षेत्र के पदाधिकारी की ओर से हाथी को जंगल की ओर खदेड़ा जा रहा था, लेकिन वह रसूनिया जंगल होते हुए चांडिल शहरी क्षेत्र में पहुंच गया और रमेश चौधरी की दुकान में घुस गया। इससे पहले भी यह हाथी चांडिल स्टेशन बस्ती, बाजार और दुर्गा मंदिर इलाके में घुसकर उत्पात मचा चुका है। ग्रामीणों का आरोप है कि बार-बार शिकायत के बावजूद वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। मुआवजा राशि समय पर नहीं मिलती है, इससे गरीब किसान और मजदूरों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है।कि राज्य सरकार और वन विभाग केवल मौन दर्शक बने हुए हैं।

मॉब लांचिंग के तहत हत्याएं बदस्तूर जारी

बनना चाहिए मॉब लांचिंग पर कानून : वारिश

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राज्य अल्पसंख्यक आयोग झारखंड सरकार के सदस्य वारिस कुरैशी ने कहा कि झारखंड में मॉब लांचिंग के तहत हत्याएं बदस्तूर जारी है। सरकार के इतने कोशिशों के बाद भी इस राज्य में मॉब लांचिंग का कानून पास नहीं हुआ है। उसका परिणाम है कि अपराधियों के हौंसले बुलंद है और असामाजिक तत्वों की ऐसी घटनाओं में संलिप्तता बड़ी है। उसका एक कारण ये है कि इस संदर्भ में राज्य में प्रशासन का रोल एक समुदाय के प्रति

भेदभाव पूर्ण रवैया रहा है।उसका जीता जागता उदाहरण बोकारो जिला के नारायणपुर थानांतर्गत हुए मॉब लांचिंग के शिकार अब्दुल कलाम का है। बी एन एस की धारा 103(2) के तहत संबंधित थाना के थाना प्रभारी ने केस दर्ज नहीं किया है। उल्टे थाना प्रभारी ने बी एन एस की धारा 103(1) का केस दर्ज किया है ये सामान्य हत्या का केस है जबकि वीडियो में साफ दिख रहा है कि मृतक अब्दुल कलाम को कई लोगों ने पीट पीट कर बेहरमी से मार दिया। इसके जांच के लिए राज्य अल्पसंख्यक आयोग झारखंड सरकार की टीम जल्द ही घटना स्थल, मृतक का घर का दौरा करने के बाद बोकारो पुलिस प्रशासन से भी बैठक करेगी।

बच्चों में किया गया टीशर्ट का वितरण

रांची। मैया फाउंडेशन की निदेशक डॉ रंजना कुमारी ने बिशनपुर गुमला के 150 जनजातीय बच्चों के बीच टीशर्ट का वितरण किया। मैया फाउंडेशन महिलाओं और बच्चों के सशक्तिकरण के लिए कार्य करती है। जनजातीय बच्चों के मनोबल ऊंचा रहे और वे आगे बढ़ें, यह इस संस्था का उद्देश्य है। इस कार्यक्रम में डॉ रंजना कुमारी के अलावा विकास भारती के संयुक्त सचिव महेंद्र भगत, शिक्षा समन्वयक कुमकुम मैत्र, सीके शर्मा, रामकुमार चौधरी, योगेश राय आदि उपस्थित थे।

तालाब में नहाने गए युवक की डूबकर हुई मौत

पूर्वी सिंहभूम। परसुडीह थाना क्षेत्र के बावनगोड़ा में रविवार को एक हादसे में 45 वर्षीय युवक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान वीरेन महतो के रूप में की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वीरेन महतो तालाब में नहाने गया था। नहाने के दौरान ही वह गहराई में चला गया और डूबने लगा। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। काफी देर तक पानी में उसका कोई अता-पता नहीं चला। सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थानीय युवकों की मदद से तलाशी अभियान शुरू किया । देर शाम में वीरेन का शव तालाब से बरामद किया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया । घटना के समय जिला परिषद के उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा भी घटनास्थल पर मौजूद रहे।

सरना धर्म-संस्कृति के संरक्षण के लिए सरना धर्म कोड लागू हो: बंधन तिग्गा

खूंटी। मुरहू प्रखंड के डौगड़ा में 15वें स्थापना दिवस पर दो दिवसीय सरना धर्म प्रार्थना सभा रविवार को संपन्न हो गई। इस अवसर पर धर्मगुरु सोमा कंडीर, धर्मगुरु बगरय मुंडा और धर्मगुरु भैयाराम ओड़ेया की अगुवाई में अनुयायियों के साथ सरना स्थल में भगवान सिंङबोंगा का पूजा-पाठ कर सुख, शांति और खुशहाली की कामना की गई। समारोह में मुख्य अथिति धर्मगुरु बंधन तिग्गा और विशिष्ट अथिति ओडिशा के धर्मगुरु परमेश्वर सिंह मुंडारी शामिल हुए। इस अवसर पर धर्मगुरु बंधन तिग्गा ने कहा कि सरना प्रकृति पर आधारित मानव सभ्यता का प्रचीनतम धर्म है। यह सभी धर्मों का आधार और संरक्षक है। सरना धर्म की अपने धार्मिक विधि-विधान, बहुमूल्य जीवन शैली, दर्शन तथा आदर्श है जिसमें लाखों लोगों की धार्मिक आस्था है, परंतु राजनीतिक महत्वकांक्षा के कारण सरकारें सरना धर्म कोड और आदिवासी अधिकारों के प्रति उदासीन है। सरना धर्म कोड के अभाव में केवल सरना धार्मिक एवं सामाजिक एकता टूटी है बल्कि हम धर्मांतरण जैसी पीड़ा वर्षों से झेलने को मजबूर हैं। अतः हम सरकार से मांग करते हैं कि सरना समाज और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सरना धर्म कोड यथाशीघ्र लागू करें। विशिष्ट अतिथि परमेश्वर सिंह मुंडारी ने कहा कि सिंगबोंगा की स्तुति से मानव जीवन में भक्ति और श्रद्धा बढ़ती है। हमें जीवन को खुशहाली लाने के लिए हमेशा धर्म के रास्ते पर चलना चाहिए।

डॉक्टर और अस्पताल स्टाफ को फाउंडेशन ने किया सम्मानित

पश्चिम सिंहभूम। पश्चिम सिंहभूम(चाईबासा) में रविवार को अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस के अवसर पर चेंजिंग इंडिया फाउंडेशन की ओर से मातृत्व सेवा को समर्पित एक कार्यक्रम का आयोजन सदर अस्पताल में किया गया। इस दौरान फाउंडेशन के सदस्यों ने डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्यकर्मियों को पुष्पगुच्छ और मिठाई भेंटकर उनके योगदान के प्रति आभार प्रकट किया। फाउंडेशन ने कहा कि मातृत्व केवल एक जैविक प्रक्रिया नहीं, बल्कि सेवा, स्नेह और समर्पण का प्रतीक है। अस्पतालों में कार्यरत डॉक्टर और नर्स न केवल चिकित्सा सेवा देती हैं, बल्कि मां जैसी ममता और संवेदना के साथ गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की देखभाल करती हैं। उनका यह मानवीय पहलू उन्हें समाज में मातृशक्ति का प्रतिनिधि बनाता है।

पासुबेड़ा में 136 वर्षों से हो रही मां शीतला और ग्राम देव की पूजा संपन्न

पश्चिम सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के तांतनगर प्रखंड अंतर्गत पासुबेड़ा गांव में निषाद समाज की ओर से मां शीतला और ग्राम देव की 136वीं वार्षिक पूजा रविवार को परंपरा, आस्था और भव्यता के साथ सम्पन्न हुई। यह पूजा 136 वर्षों से लगातार चली आ रही है और गांव की धार्मिक-सांस्कृतिक पहचान बन चुकी है। इस तीन दिवसीय महोत्सव में प्राचीन शीतला मंडप में मां शीतला और ग्राम देव की विधिवत पूजा की गई। मान्यता है कि मां शीतला की कृपा से गांव में रोग, महामारी और अशांति से रक्षा होती है। आयोजन में दूर-दराज से श्रद्धालु पहुंचे और पूरे गांव में उल्लास का वातावरण बना रहा। पूजा के दौरान भीख मंगाई, माता का जागरण और विशेष पूजा-अर्चना जैसे पारंपरिक कार्यक्रम हुए। समापन दिवस पर भव्य भंडारे में श्रद्धालुओं के बीच शरबत, ठंडा पानी, चॉकलेट, खिचड़ी और प्रसाद वितरित किया गया। इस आयोजन में चंदू निषाद ने भोग और शरबत की व्यवस्था में विशेष भूमिका निभाई। पूजा को सफल बनाने में श्यामलाल निषाद, बांकु निषाद,द, पप्पू निषाद और सुरेश निषाद सहितअनेक युवाओं ने योगदान दिया।

मजदूरों से भरी पिकअप वैन पलटी, 45 लोग घायल

नवीन मेल संवाददाता। धनबाद

अवैध खदान में कोयले की कटाई करने जा रहे मजदूरों से भरी पिकअप वैन अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में 40 से 45 मजदूर घायल हो गए हैं। स्थानीय लोगों ने घायलों को तोपचांची सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। घायलों में से 12 मजदूरों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा है कि जिले के तोपचांची थाना क्षेत्र एनएच 19 लेदाटाड़ में मजदूरों से भरी पिकअप वैन अनियंत्रित होकर पलट गई। इस घटना में पिकअप वैन में सवार महिला-पुरुष सभी मजदूर घायल हो गए हैं।

स्थानीय लोग सभी को किसी तरह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तोपचांची लेकर पहुंचे। वहीं, पिकअप वैन ड्राइवर वाहन छोड़कर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि जिले के तोपचांची थाना क्षेत्र एनएच 19 लेदाटाड़ में मजदूरों से भरी पिकअप वैन अनियंत्रित होकर

पलट गई। इस घटना में पिकअप वैन में सवार महिला-पुरुष सभी मजदूर घायल हो गए हैं। स्थानीय लोग सभी को किसी तरह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तोपचांची लेकर पहुंचे। वहीं, पिकअप वैन ड्राइवर वाहन छोड़कर फरार हो गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पर्याप्त डॉक्टर नहीं होने के कारण सभी घायलों को तकलीफ उठानी पड़ी। एम्बुलेंस की कमी होने के कारण घायलों को बरामदे में 1 घंटे से अधिक इतंजार करना पड़ा। दो डॉक्टर किसी तरह से सभी घायलों को प्राथमिक इलाज किये। एम्बुलेंस आने पर सभी को एसएनएमएमसीएच रेफर कर दिया गया, जिसमें 12घायल मजदूरों की स्थिति गंभीर है।

वहीं, घायल मजदूर ने बताया कि सभी गिरिडीह जिले के अलग-अलग क्षेत्र से है। सभी अवैध कोयला खदानों में कोयला कटाई लदाई का काम करते हैं। प्रतिदिन एक दर्जन से अधिक पिकअप वैन अवैध खदानों में कोयला काटने वाले मजदूरों को लेकर आती हैं।

सड़क हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौत

पूर्वी सिंहभूम। साकची थाना क्षेत्र में रविवार को एक भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। हादसा हाथी घोड़ा मंदिर के पास की है। मिली जानकारी के अनुसार मानगो से सोनारी की ओर जा रहे बाइक सवार एक हाईवा वाहन को ओवरटेक कर रहे थे। ओवरटेक करते समय सामने डिवाइडर आ जाने से बाइक अनियंत्रित होकर सीधे उससे टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर साकची पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को आनन-फानन में एमजीएम अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान सोनारी निवासी सुखदेव प्रसाद और रोहित किरण के रूप में की गई है। हादसे की खबर मिलते

देवघर के बाबा बैद्यनाथ मंदिर में सेना के जवानों के लिए विशेष हवन

नवीन मेल संवाददाता। देवघर

देवघर के विश्वप्रसिद्ध बैद्यनाथ धाम मंदिर में तीर्थ पुरोहित चंद्रशेखर खवाड़े के नेतृत्व में रविवार को भारतीय सेना के लिए हवन का आयोजन किया गया। हवन के दौरान वीर सपूतों की शहादत को नमन करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। साथ ही सीमा पर तैनात जवानों के बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षा की कामना की गई। पंडा धर्म रक्षिणी सभा के वरिष्ठ सदस्य एवं उपाध्यक्ष चंद्रशेखर खवाड़े ने कहा कि बाबा धाम के सभी पुरोहित प्रतिदिन विश्व कल्याण और समाज में रह रहे लोगों की प्रगति की कामना करते हैं, लेकिन जिस तरह से बॉर्डर

पर तनाव देखने को मिल रहा है और हमारी सेना लगातार दुश्मनों को जवाब दे रही है, ऐसे में उन वीर जवानों की सुरक्षा एवं बेहतर स्वास्थ्य की कामना भगवान भोलेनाथ से करना आवश्यक है। इसके लिए पंडा धर्म रक्षिणी सभा और पुरोहितों के के जरिये बैद्यनाथ मंदिर में विशेष हवन का आयोजन किया गया। इसमें बाबा बैद्यनाथ के मनोकामना लिंग पर जलार्पण किया गया। साथ ही माता पार्वती मंदिर में भी सेना की सुरक्षा के लिए विशेष प्रार्थना भी की गई। उल्लेखनीय है कि देवघर के बाबा धाम के बारे में यह मान्यता है कि यहां पर जो भी भक्त दिल से प्रार्थना करते हैं, उनकी मनोकामना जरूर पूर्ण होती है।

संत जेवियर्स की तीसरी जीत, सुपर डिवीजन में जगह पक्की

पश्चिम सिंहभूम। पश्चिम सिंहभूम (चाईबासा) के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम में चल रही 14 वीं ज्ञानचंद जैन अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता में संत जेवियर्स इंग्लिश स्कूल ने जीत दर्ज की। रविवार को खेले गए ग्रुप-ए के अंतिम लीग मुकाबले में संत जेवियर्स इंग्लिश स्कूल ने पद्मावती जैन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर को रोमांचक मैच में तीन विकेट से हराकर सुपर डिवीजन में प्रवेश कर लिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सरस्वती शिशु विद्या मंदिर की टीम 17.4 ओवर में 70 रन पर ऑल आउट हो गई। आर्या राज (14) और निलेश कुमार दास (13) ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। संत जेवियर्स की ओर से गौरव कुमार पान ने घातक गेंदबाजी करते हुए चार रन देकर तीन विकेट चटकाए, जबकि चितेश सरकार ने भी तीन विकेट लिए।

करााटे चैंपियनशिप में स्कूल के विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़

रामगढ़ जिला जुडो-कराटे एसोसिएशन के तत्वाधान में पिछले रविवार को दो दिवसीय जिलास्तरीय चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था जिसमें राधा गोविंद के विद्यार्थियों का अच्छा प्रदर्शन रहा। पुनः रांची के खेलगांव स्टेडियम में 9 मई से 11 मई तक झारखंड स्टेट कराटे चैंपियनशिप का आयोजन झारखंड कराटे एसोसिएशन झारखंड द्वारा किया गया । इस प्रतियोगिता में राधा गोविन्द विद्यालय के 05 कराटे खिलाड़ियों ने भाग लिया । प्रतियोगिता में राधा गोविंद विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने कौशल का प्रदर्शन कर कुल 05 पदक जीतकर अपने विद्यालय का नाम रौशन किया। पदक जीतने वाले विद्यार्थियों में अभिरूप कुमाररजत पदक, विवेक कुमार कास्य पदक, अविरल कुमार कास्य पदक, दीपशिखा पावरिया रजत पदका एवं आदित्य मादर्श ने रजत पदक जीतकर विद्यालय का और अपने माता-पिता का नाम रोशन किया। विद्यालय प्रबंधन के चेयरमैन बी. एन. साह एवं प्राचार्य डॉक्टर सुजीत कुमार मोहंती ने बच्चों के प्रदर्शन पर उन्हें बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए भविष्य में और अच्छा प्रदर्शन करने की शुभकामना दी।

पेयजल, शौचालय व यात्री शेड के अभाव में परेशान हो रहे हैं यात्री

प्रशासन से व्यवस्थ की मांग

नवीन मेल संवाददाता। बरही

देश के प्रमुख मार्गों को जोड़ने वाला बरही चौक से प्रतिदिन सैकड़ों पैसेंजर गाडियां देश के विभिन्न हिस्सों के लिए रवाना होती है. जिससे हजारों की संख्या में महिला व पुरुष यात्रियों का प्रतिदिन आना जाना होता है. परंतु इस क्षेत्र में पेयजल, शौचालय व यात्री शेड जैसे समस्याओं से प्रतिदिन यात्रियों को दो चार होने पड़ रहे हैं. तपती धूप हो या कड़ाके की सर्दी अथवा मूसलाधार बारिश तीनों परिस्थितियों में यात्रियों को अपने आप को बचाने के लिए होटलों या गुमटियों का सहारा लेना पड़ता है. इस दौरान यात्रियों को कई बार दुकानदारों के कड़वे वचन भी सुनने पड़ते है. इससे आने जाने वाला हर एक यात्री परेशान है. चौक क्षेत्र में लगे हैंड पंप वर्षों से खराब पड़े है. चारो रोड में यात्री वाहन तो लगाते हैं, पर शौचालय नहीं है. जिससे आए दिन यात्रियों (विशेषकर महिला) को शौचालय की समस्या से जूझना पड़ता है. चिलचिलाती गर्मी में भी पेयजल की व्यवस्था नहीं होने से लोगों को मजबूरन बोतल बंद मंहगे पानी खरीदने पड़ते हैं. इसके समाधान के लिए स्थानीय शासन व प्रशासन ने कई बार आश्वासन दिया तो जरूर पर अब तक कोई सार्थक पहल नहीं हुई है.

'संजीवनी सेवा कुटीर' को हटाने का प्रयास दुर्भाग्यपूर्ण : विधायक

नवीन मेल संवाददाता। हज़ारीबाग़

शेख भिखारी मेडिकल अस्पताल परिसर में जनता की सेवा के लिए स्थापित संजीवनी सेवा कुटीर को लेकर प्रशासन द्वारा जारी भूमि अतिक्रमण नोटिस को स्थानीय विधायक प्रदीप प्रसाद ने जनहित के विरुद्ध और राजनीति से प्रेरित बताया है। श्री प्रसाद ने कहा, "संजीवनी सेवा कुटीर केवल एक भवन नहीं, बल्कि मेरे सेवा-संकल्प का प्रतीक है। इस कक्ष से निःस्वार्थ भाव से हजारों ज़रूरतमंदों को सहायता मिली है — चाहे वह रक्तदान की व्यवस्था हो, बीमार परिजनों की मदद हो, या जनसमस्याओं का समाधान।"उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह सेवा कक्ष किसी निजी स्वार्थ या प्रचार के लिए नहीं बना, बल्कि जनसरोकारों को केंद्र में रखकर स्थापित किया गया था, और इसे हज़ारीबाग़ की जनता का भरपूर समर्थन मिला है। श्री प्रसाद ने दो टूक कहा कि "यदि जनसेवा करना अतिक्रमण है, तो मैं इस 'अपराध' को बार-बार करूंगा। जब तक जनता का आशीर्वाद है, सेवा का यह सिलसिला कोई नहीं रोक सकता,"। उन्होंने प्रशासन से यह भी अपील की कि राजनीति से प्रेरित निर्णयों के बजाय जनता के हित को प्राथमिकता दी जाए। श्री प्रसाद ने कहा कि "यह लड़ाई किसी भवन की नहीं, जनता के सम्मान की है। हर पीड़ा को सुनना और हर ज़रूरतमंद के साथ खड़े रहना ही मेरा कर्तव्य है, और मैं इससे पीछे नहीं हटूंगा,"। आज अपने क्षेत्रों में जनता की सेवा के लिए हर समय खड़ा हूं और रहूंगा। क्योंकि जनता की सेवा करना हमारा दायित्व है। लोगों को करनी चाहिए।

इनरव्हील क्लब ने छात्राओं के स्वास्थ्य की जांच कराई

रामगढ़ । इनरव्हील क्लब रामगढ़ द्वारा राधा गोविंद स्कूल में थैलेसीमिया जांच शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में क्लास 9 और 10 की छात्राओं का करवाया गया. शिविर में मुख्य अतिथि प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ आकाश (हॉप हॉस्पिटल) द्वारा छात्राओं की जांच कर आवश्यक सलाह दी गई. साथ ही छात्राओं के बीच हीमोग्लोबिन की दवा भी वितरण किया गया. शिविर में 95 छात्राओं के स्वास्थ्य की जांच की गई. मौके पर पिंकी गांधी,मेघा बगड़िया,नीरू साहनी,नवलजीत कौर आदि मौजूद थे.

सेवानिवृत्त कर्मी के घर से नगद सहित 30 हजार के जेवर की चोरी

रामगढ़ । भुरकुंडा रिवरसाइड स्थित पुराना थाना कॉलोनी में चोरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। बीती रात सेवानिवृत्त सीसीएलकर्मी एमएम झा के आवास (1 सीआर-31) में चोरी की वारदात हुई। घटना के समय घर में कोई भी मौजूद नहीं था, जिसका फायदा उठाकर चोरों ने सामने के दरवाजे का ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया। चोरों ने बेडरूम और किचन को खंगालते हुए नगदी और लगभग 30 हजार रुपए के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। भुरकुंडा पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सुबीन तिवारी ने आजसू पार्टी से दिया इस्तीफा

रामगढ़। आजसू पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता सुबीन तिवारी ने पार्टी के इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने इस्तीफा पत्र में कहा कि व्यक्तिगत कारणों से पार्टी से इस्तीफा दिया हूं। उन्होंने कहा कि 2012 में आजसू पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी। उन्होंने कहा कि आजसू छात्र संघ के चितरपुर प्रखंड अध्यक्ष, विनोबा भावे विश्वविद्यालय (हजारीबाग) सचिव, आजसू छात्र संघ का रामगढ़ जिला सचिव व युवा मोर्चा का रामगढ़ जिला सह प्रभारी जैसे महत्वपूर्ण पदों पर काबिज रहा। आजसू पार्टी में रहते हुए मैंने पूरी निष्ठा और समर्पित भाव से पद की गरिमा को बनाए रखते हुए दायित्वों का निर्वाहन किया। आजसू पार्टी में रहते हुए मुझे विशेष सामाजिक, राजनीतिक पहचान और सम्मान मिला। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में निजी कारणों से अपने सांगठनिक दायित्व का निर्वाहन करने में असमर्थ हूं।

रामगढ़ नाट्य महोत्सव को लेकर कार्यशाला का शुभारंभ

रामगढ़। कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड सरकार के सौजन्य से रामगढ़ नाट्य महोत्सव 2025 का भव्य शुभारम्भ होटल शिवम इन, रामगढ़ में किया गया। कर्णधार सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था की ओर से नाट्य कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि रामगढ़ अंचलाधिकारी सुदीप एक्का, बतौर विशिष्ट अतिथि समाजसेवी सह प्रसिद्ध व्यवसायी कमल बगड़िया, कला प्रेमी विजय मेवाड़ ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक एवं कर्णाधार रामगढ़ के संस्थापक विक्रांत गुप्ता ने कहा कि महोत्सव का उद्देश्य प्रतिभाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करना है।

उपायुक्त ने केरेडारी प्रखंड का किया दौरा

जनहित से जुड़े कार्यों को जल्द करने का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग

उपायुक्त नैंसी सहाय ने 10 मई को केरेडारी प्रखंड का दौरा कर केरेडारी प्रखंड कार्यालय व अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के क्रम में अपर समाहर्ता संतोष कुमार सिंह मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने प्रखंड और अंचल कार्यालय के पदाधिकारियों कर्मियों से उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की जांच की और लंबित कार्यों को जनहित में बिना बिलंब निष्पादित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान रोकड़ पंजी, उपस्थिति पंजी,लॉग बुक , दाखिल खारिज के लंबित मामले, कोल कंपनी से संबंधित राजस्व संबंधित मामले, प्रखंड कार्यालय से संबंधित मनरेगा, जे.एस.एल.पी के कार्य, प्रधानमंत्री आवास योजना, अबुआ आवास योजना, सर्वजन पेंशन योजना, मईया सम्मान योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया और जनहित में कार्य करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान रोकड़ पंजी विधिवत संधारित नहीं पाए जाने पर नाराजगी भी व्यक्त की और तुरंत रोकड़ पंजी, उपस्थिति पंजी को अद्यतन करने के निर्देश दिए। प्रखंड मुख्यालय में आगंतुक के लिए पेयजल उपलब्ध नहीं रहने पर भी नाराज दिखी और तुरंत पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने कहा कि प्रखंड व अंचल कार्यालय में प्रखंडवासी अपनी समस्याओं और योजनाओं के लाभ को लेकर आते है, इस बाबत उनके साथ सहयोगात्मक रवैया अपनाए और प्राथमिकता के आधार पर उनकी समस्याओं को सुनें।

29 मई से गौरिया देवी मंडप में प्रारंभ होगा नौ दिवसीय श्री शतचंडी महायज्ञ

बरही। आगामी 29 मई से जून के बीच देवी मंडप गौरिया में श्री श्री 1008 शतचंडी महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है. उक्त निर्णय रविवार को देवी मंडप परिसर में पूर्व मुखिया मनोज कुमार की अध्यक्षता में आहूत बैठक में लिया गया. बैठक में गौरिया, वितकिला, धोबियाटांड़ व रोहनियाटांड़ के सैकड़ो ग्रामीण शामिल हुए. महायज्ञ आयोजन पर मतैकता बनाते हुए सर्वसम्मति से महायज्ञ समिति गठित किया गया. जिसमे पूर्व मुखिया को अध्यक्ष, रामचंद्र विश्वकर्मा को सचिव, प्रकाश पंडित को कोषाध्यक्ष, मनोज विश्वकर्मा को उप सचिव, राजेश कुमार वर्मा को उप कोषाध्यक्ष, डॉ विशेश्वर कुमार को संरक्षक, प्रकाश विश्वकर्मा को उपसंरक्षक, संजय कुमार वर्मा, रवि यादव (धोबियाटांड़), बबलू ठाकुर, राजदेव यादव, धनु महतो, कैलाश यादव (वितकिला), विनोद यादव (वितकिला), शिवकुमार राणा, सुरेंद्र कुमार, विजय कुमार (धोबियाटांड़), आदि को निगरानी समिति का सदस्य मनोनित किया गया. उपस्थित लोगों ने सर्वसम्मति से 13 मई को भूमि पूजन व ध्वजारोहण कार्यक्रम सुनिश्चित किया, जिसमे सभी अधिकाधिक लोगो की उपस्थिति का निर्णय लिया गया. इस दौरान यज्ञ पूर्णाहुति तक चारो गांव में मांसाहार व मदिरापान अथवा खरीद- बिक्री करनेवालों से 5001 रुपए आर्थिक दंड लिए जायेगे. बैठक में मनोज कुमार वर्मा, भूलन पासवान, जितेंद्र रजक, सनोज चंद्रवंशी, ललन चंद्रवंशी, उदय सिंह, निर्भय सिंह, रामकृपाल चंद्रवंशी, आशीष पासवान, विनोद भुईयां, सुनील राणा, सतीश पंडित, राजेश कुमार वर्मा (रोहनियाटांड़), करण भुइया (निचितपुर), गुलाब पंडित, कारू कुम्हार , दिलीप कुमार वर्मा (कॉमेडी), संजय राणा, बंटू (नीचे टोला), अजय यादव ,सनी विश्वकर्मा प्रसादी राणा सहित सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित थे.

जेएलकेएम लोगों के हित में करती है कार्य : रमेश कुमार

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़

झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो ने रविवार को कहा कि चंदनक्यारी के माणिक रजवार जेएलकेएम पदाधिकारी का हजारीबाग जिला के चरही में एक व्यक्ति के साथ पैसा का लेनेदेन की समस्या को लेकर दोनों पक्षों के साथ रामगढ़ में आवश्यक मीटिंग किया गया। बताया ये सब का मामला लगभग चार पांच साल पुराना है, जल्द ही इस केस को भी शार्ट आउट कर लिया जाएगा। माणिक रजवार ने कहा कि प्रदेश मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो तथा जेएलकेएम साथियों के अथक प्रयास से ही मेरा काम हो रहा है। काम बहुत हद तक आसान हो गया है। बाकी का पैसा भी बहुत जल्द वापस करने की दिशा में पहल कि जायेगी। रमेश कुमार महतो ने कहा कि आम लोगो के हित में मैं पूरी कोशिश करूंगा कि आपके साथ न्याय हो और हमारी टीम के सहयोग से आपके हक अधिकार के लिए हमेश जेएलकेएम परिवार आपके साथ खड़ी है ।मौके पर मुख्य रूप से सुभाष महतो केंद्रीय मंत्री, राजाराम महतो केंद्रीय महामंत्री युवा मोर्चा, प्रदेश मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो, जेएलकेएम पदाधिकारी माणिक रजवार, सतेंद्र महतो आदि उपस्थित थे।

टाटीझरिया में श्री पंचमुखी हनुमान प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ को लेकर हुआ ध्वजारोहण

दारू। टाटीझरिया में आयोजित श्री पंचमुखी हनुमान प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ को लेकर रविवार को नवनिर्मित मंदिर प्रांगण में ध्वजारोहण किया गया। महायज्ञ को लेकर ध्वजारोहण का कार्यक्रम यज्ञाचार्य मंटू कश्यप के वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच संपन्न हुआ। यजमान के रूप में अधीरचंद्र तिवारी, उनकी पत्नी मीनू तिवारी शामिल हुए। महायज्ञ समिति के अध्यक्ष मुखिया सुरेश यादव ने बताया कि 21 मई से महायज्ञ प्रारंभ होगा। 23 मई 2025 को समापन होना है। इस दौरान 21 मई को कलश यात्रा, यज्ञ मंडप प्रवेश, पंचांग पूजन, 22 मई को अरणीमंथन, जलाधिवास, अन्नाधिवास, मूर्ति का नगर भ्रमण, 23 मई 2025 को श्री विग्रह प्राण प्रतिष्ठा और विशाल भंडारे का कार्यक्रम होगा।

विद्युत समस्याओं से विधायक ने विद्युत अधीक्षण अभियंता को कराया अवगत, शीघ्र समाधान की मांग की

बरही। स्थानीय विधायक मनोज कुमार यादव ने विद्युत अधीक्षण अभियंता अशोक उपाध्याय से मुलाकात कर क्षेत्र के विद्युत समस्याओं से अवगत कराया. उन्होंने अनियमित विद्युतापूर्ति व जले ट्रांसफार्मर को क्षमतानुसार उपलब्ध करवाने का सुझाव दिया. उन्होंने कहा कि कम क्षमता के कारण ही ट्रांसफार्मर जल्द जल जा रहे हैं. उन्होंने बताया कि बरही प्रखंड के डपोक पंचायत के अड़वरिया टोला के जले हुए 25 केवीए ट्रांसफार्मर को 63 केवीए उपलब्ध करवाने, रसोइया धमना पंचायत के पुरहारा मोड़ व संजय ठाकुर के घर के पास के 25 केवीए के जले हुए ट्रांसफॉर्मर, कोल्हुआकला के यादव टोला व ठाकुर टोला में जले हुए 100 केवीए के जले ट्रांसफार्मर को शीघ्र बदलने का सुझाव दिया है. विधायक श्री यादव ने पदमा प्रखंड के पिंडारकोन स्टैंड टोला के जले हुए 25 केवीए ट्रांसफॉर्मर को 63 केवीए में बदले जाने की आवश्यकता पर जोर दिया. इसके साथ ही चौपारण प्रखंड के बारा पंचायत के बहेरा ग्राम में 100 केवीए के स्थान पर 25 केवीए के ट्रांसफॉर्मर से बिजली आपूर्ति होने की जानकारी देते हुए उसे बदलने का सुझाव दिया. अंत में विधायक ने अधिक्षण अभियंता से क्षेत्र में बिजली की समस्या को दुरुस्त कर नियमित आपूर्ति व क्षमतानुसार ट्रांसफार्मर उपलब्ध करवाने की बात कसी जिससे क्षेत्रवासियों को बिजली संकट से राहत मिल सके.

पूज्य मुनि श्री 108 समता सागर जी का हुआ मंगल प्रवेश

महिलाओं ने चुनड़ी की साड़ी पहनकर भक्ति की अनुपम छटा बिखेरी

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग

। शंका समाधान प्रणेता पूज्य मुनि श्री 108 प्रमाण सागर जी महाराज की जन्मभूमि धर्मनगरी हजारीबाग को यह अनुपम सौभाग्य प्राप्त हुआ कि संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य, निर्व्यापक मुनि श्री 108 समता सागर जी महाराज ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश नगर में संपन्न हुआ। प्रातः 6:30 बजे नमन विद्या स्कूल से मंगल यात्रा प्रारंभ हुई। विशेश्वर नर्सिंग होम के पास नगर प्रवेश गाजे-बाजे के साथ हुआ, जो पेट्रोल पंप चौक से होते हुए बंगाली कॉलोनी मार्ग से बड़ा बाजार जैन मंदिर पहुंची, जहां मुनिश्री ने प्रथम दर्शन एवं वंदना की। दर्शन के पश्चात ससंघ बड़म बाजार की ओर प्रस्थान कर गया। नगर के दोनों मंदिरों के बाहर एवं भीतर महिला समाज द्वारा रंगोली से आकर्षक सजावट की गई। बच्चों द्वारा जैन ध्वज लेकर, तथा महिलाओं द्वारा रंगीन स्वागत मशाल, धुएं और रंग-बिरंगी फुलझड़ियों के साथ स्वागत किया गया। मार्ग में जगह-जगह आरती और पाद प्रक्षालन द्वारा गुरुदेव का आदरपूर्वक स्वागत किया गया। महिलाओं ने चुनड़ी की साड़ी पहनकर भक्ति की अनुपम छटा बिखेरी। प्रवेश यात्रा के दौरान काफी संख्या में पुरुष, महिलाएं एवं बच्चों ने श्रद्धा और उल्लासपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम की शुरुआत में मुनि श्री के मुखारबिंद द्वारा शांति धारा का कार्यक्रम हुआ उसके उपरांत संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के चित्र के अनावरण से हुआ, जिसे समाज के अध्यक्ष, महामंत्री एवं कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा सम्पन्न किया गया। इसके उपरांत दीप प्रज्वलन बाहर से पधारे मुनिभक्त अतिथिजनों द्वारा किया गया। महिला समाज की महिलाओं द्वारा मुनिश्री को शास्त्र भेंट अर्पित किया गया। जैन पंचायत के पदाधिकारियों एवं आगंतुक अतिथियों ने मुनिश्री के चरणों में श्रीफल अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। तत्पश्चात मंगलाचरण भक्ति नृत्य की प्रस्तुति आरवी बड़जात्या, रिद्धि छाबड़ा एवं नायरा पाटोदी द्वारा की गई, जिसने सभी श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। मंच संचालन विजय लुहाड़िया द्वारा किया गया।

प्रातः 8:30 बजे बड़म बाजार मंदिर में मुनिश्री के प्रवचन और तत्पश्चात आहारचर्या सम्पन्न हुई।

साधु कुटिया शिव मंदिर में सुविधाओं का अभाव

गिद्दी। बसरिया गांव स्थित दामोदर और मरनगढ़ा नदी के संगम स्थल पर प्राचीन साधु कुटिया शिव मंदिर में सुविधाओं का घोर अभाव है। जिसके कारण इस मंदिर के भक्त श्रद्धालुओं को काफी परेशानी उठाना पड़ता है। सावन के महीना में गिद्दी, रेलीगढ़ा, बसरिया और आस पास के सैकड़ो महिला पुरुष भक्त श्रद्धालु इस मंदिर में जल चढ़ाने आते हैं। उन्हें कीचड़ युक्त पगडंडीनुमा रास्ते से गुजर कर नाला पार करते हुए मंदिर आना जाना पड़ता है। मकर संक्रांति के अवसर पर भी यहां मेला लगता है। जहां गिद्दी, रेलीगढ़ा, बसरिया सहित आस पास के दर्जनों गांव के लोग पहुंचते हैं। हिन्दुस्तान के बोले रामगढ़ की टीम से ग्रामीणों ने अपनी समस्या साझा की। हजारीबाग जिला के गिद्दी रेलीगढ़ा से बिल्कुल सटा बसरिया गांव स्थित दामोदर और मरनगढ़ा नदी के संगम स्थल पर साधु कुटिया का प्राचीन शिव मंदिर उपेक्षा का शिकार है।

स्कूल में धूमधाम से मनाया गया मातृ दिवस

भगवान से ऊपर होता है मां का स्थान : आईपी भारती

नवीन मेल संवाददाता। बरकट्ठा

प्रखंड क्षेत्र के गंगपाचो स्थित डिवाइन पब्लिक स्कूल में रविवार को मातृ दिवस धूमधाम से मनाया गया।इस अवसर पर विद्यालय निर्देशक आईपी भारती ने कहा कि मां और बच्चे का रिश्ता बहुत ही खास होता है। मदर्स डे के दिन हम अपनी मां के प्रति अपना प्यार, सम्मान और आभार प्रकट करते हैं। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि मां का जीवन हमारे लिए कितनी मेहनत और त्याग से भरा हुआ होता है।कहा कि मदर्स डे हर साल में महीने के दूसरे रविवार को मनाया जाता है। इस साल मदर्स डे को आज अर्थात् 11 मई को सेलिब्रेट किया जा रहा है।मां हमारे जीवन की सबसे पहली गुरु होती हैं। उनका स्थान भगवान से भी ऊपर होता है। वह हमें सिर्फ जन्म ही नहीं देतीं, बल्कि वह हमें संस्कार, प्रेम और आत्मविश्वास से भी भरती हैं। मां अपने बच्चों के लिए सब कुछ त्याग देती हैं और बच्चों की खुशी के लिए दिन-रात मेहनत करती हैं।वहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक अमय कुमार अमृत ने कहा आज का दिन हमारे जीवन में एक बहुत विशेष दिन है, जिसे हम मातृ दिवस या मदर्स डे के रूप में मनाते हैं। इस दौरान बच्चों ने अपनी-अपनी मां की पूजा कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया ।कार्यक्रम को सफल बनाने में राधा ,दीक्षा मानती अनिल, पूनम ,संजय रामनंदन आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मदर्स डे पर भरत फ्रूट्स वेजिटेबल्स कंपनी ने सिमडेगा वृद्ध आश्रम में बांटे फल

सिमडेगा। मदर्स डे के अवसर पर भरत फ्रूट्स वेजिटेबल्स कंपनी की ओर से सिमडेगा स्थित वृद्ध आश्रम में फल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर आश्रम में रह रहे बुजुर्गों के बीच सेब, केले, संतरा वितरण किया गया।कंपनी के कर्मचारियों ने व्यक्तिगत रूप से बुजुर्गों को फल भेंट किए और कुछ समय उनके साथ बिताया। आयोजन का उद्देश्य मातृत्व और वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान को मदर्स डे के माध्यम से विशेष रूप से दर्शाना था।आश्रम प्रशासन ने इस पहल की सराहना की और कहा कि इस तरह के सामाजिक प्रयास बुजुर्गों को सम्मान और अपनापन का एहसास कराते हैं। कार्यक्रम के दौरान बुजुर्गों के चेहरे पर खुशी और संतोष की झलक देखने को मिली।भारत फ्रूट्स वेजिटेबल्स कंपनी द्वारा यह पहल सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत की गई, जिससे समाज में सेवा भावना को भी बल मिला। इस मौके पर अजय झा सहित भरत फ्रूट्स वेजिटेबल्स कंपनी के सदस्य उपस्थित रहे।

मजदूरों के शोषण के खिलाफ झारखंड मजदूर संघ की बैठक

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। रविवार को अल्बर्ट एक्का स्टेडियम में झारखंड मजदूर संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता लाल मोहन नायक ने की, जिसमें झारखंड मजदूर संघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं मजदूर नेता राजेश सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में बड़ी संख्या में मजदूरों ने भाग लिया और अपनी समस्याओं को खुलकर रखा।मजदूरों ने आरोप लगाया कि बंगाली और स्थानीय ठेकेदार उन्हें काम पर ले तो जाते हैं, लेकिन सरकारी निर्धारित मजदूरी दर नहीं देते। विशेष रूप से बानो प्रखंड के एकलव्य विद्यालय में ठेकेदार नीरज सिंह द्वारा मजदूरों को 250 प्रतिदिन की दर पर काम कराया जा रहा है, जो न्यूनतम मजदूरी से कम है। मजदूरों ने बताया कि इस संबंध में कई बार श्रम पदाधिकारी को लिखित शिकायत दी गई है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।मजदूरों ने जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन पर भी उदासीनता का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जिले में भवन निर्माण, विशेष प्रमंडल या कल्याण विभाग सभी जगह ठेकेदार मनमानी कर रहे हैं और गरीब मजदूरों का शोषण कर रहे हैं।राजेश सिंह ने मजदूरों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि जिला प्रशासन को कड़ा जवाब दिया जाए। उन्होंने ऐलान किया कि जल्द ही उपायुक्त कार्यालय के समक्ष एक विशाल धरना-प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें जिले भर के मजदूर शामिल होंगे। यह धरना शांतिपूर्ण होगा और मजदूरी दर में वृद्धि तथा ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जाएगी।बैठक में मजदूर भाई-बहन समिति का गठन भी किया गया। एवीएन प्रभारी के रूप में विमल नायक, मुख्य संरक्षक रामजी यादव, अध्यक्ष याशिन शेख, महिला अध्यक्ष सरिता बारला, उपाध्यक्ष प्रेम मीना, सचिव सुनील कश्यप को जिम्मेदारी सौंपी गई।

सिमडेगा में प्रतिबंधित मवेशी की हत्या पुलिस का ग्रामीणों ने किया विरोध

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सदर थाना क्षेत्र के खूंटीटोली हाता टोली गांव में रविवार को प्रतिबंधित मवेशी की हत्या की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के पहुंचते ही आरोपित पति-पत्नी घर छोड़कर फरार हो गए। घटनास्थल पर पुलिस को भारी मात्रा में मवेशियों के अवशेष बरामद हुए। इसी दौरान पुलिस कार्रवाई के विरोध में ग्रामीण महिलाएं इकट्ठा हो गईं और पुलिस के साथ बहस करने लगीं। स्थिति तब और बिगड़ गई जब महिलाओं ने पुलिस द्वारा जब्त किए गए मांस की थैली को जबरन छीन लिया।घटना की गंभीरता को देखते हुए मौके पर मौजूद एएसआई शिवनाथ यादव ने थाने को सूचना दी, जिसके बाद भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित कर कार्रवाई शुरू की गई। पुलिस ने बचे हुए मांस के अवशेषों को इकट्ठा कर प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी को बुलाया, जिन्होंने सैंपल जांच के लिए लिया और अवशेषों को एक गड्ढा खोदकर दफना दिया।इस मामले में सिमडेगा सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपी एवनेजर सुरीन, तेलेस्फोर कुल्लू और एक नाबालिग के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार, सलडेगा टोंगरीटोली निवासी नाबालिग और उसके मामा तेलेस्फोर कुल्लू ने रविवार सुबह खूंटीटोली हाता टोली से प्रतिबंधित मांस खरीदा था। बाद में जब आसपास के युवाओं को इसकी जानकारी मिली, तो उन्होंने नाबालिग से पूछताछ की, जिसके बाद खूंटीटोली में लगातार हो रही प्रतिबंधित मवेशी की बिक्री का खुलासा हुआ।सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और छापेमारी की, जहां ग्रामीणों द्वारा पुलिस का विरोध भी किया गया। मौके पर मौजूद सब-इंस्पेक्टर अरविंद कुमार ने बताया कि प्रतिबंधित मवेशी की हत्या के मामले में पशु क्रूरता अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है और मुख्य आरोपी एवनेजर सुरीन की गिरफ्तारी के लिए छानबीन जारी है।

सड़क दुर्घटना में 73 वर्षीय वृद्ध की हुई मौत

कोलेबिरा। कोलेबिरा थाना क्षेत्र अंतर्गत लरबा गांव के समीप रविवार दोपहर 2:00 बजे सड़क दुर्घटना में सिमडेगा जिले के केरसई प्रखंड अंतर्गत गुलडा कटहलटोली निवासी 73 वर्षीय एंथोनी चेलक चेला की मौत हो गई वह अपनी बेटी पोनिका चेलक चेला के साथ इलाज कराने रांची गए थे. रांची से लौट के क्रम में जैसे ही वे लोग लरबा गांव के समीप पहुंचे विपरीत दिशा से जा रही एक दूसरे कर से उनकी कार टकरा गई फल स्वरुप कार चालक ने कर से अपना नियंत्रण खो बैठा और कार सड़क के किनारे एक बरगद पेड़ को जोरदार ठोकर मार कर पलट गई. जिसके चलते एंथोनी चेलकचेला गंभीर रूप से घायल हो गए उन्हें तत्काल परिजन के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोलेबिरा लाया गया जहां पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिए. वही कार में सवार अन्य यात्री को किसी प्रकार की कोई चोट नहीं आई. इधर घटना के बाद दूसरा कार को चालक घटनास्थल से लेकर फरार हो गया।

बिजली समस्या को लेकर सांसद प्रतिनिधि अजीत कंडुलना ने अभियंता से की मुलाकात

नवीन मेल संवाददाता

बानो। बानो प्रखंड में लंबे समय से चल रही बिजली आपूर्ति की समस्या को लेकर शनिवार को सांसद प्रतिनिधि सह कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अजीत कंडुलना ने विद्युत कार्यपालक अभियंता से मुलाकात की। उन्होंने पूर्व में भेजी गई बानो प्रखंड की वस्तुस्थिति रिपोर्ट के आधार पर क्षेत्रीय विकास कार्यों की अद्यतन जानकारी प्राप्त की।बैठक के दौरान हाथी प्रभावित क्षेत्रों में खराब पड़े ट्रांसफार्मरों की सूची और उनके मरम्मत या बदलाव की प्रक्रिया पर विशेष रूप से चर्चा की गई। अजीत कंडुलना ने बताया कि इन क्षेत्रों में महीनों से बिजली बाधित है, जिससे ग्रामीणों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।उन्होंने संबंधित विभाग से आग्रह किया कि ट्रांसफार्मरों की मरम्मत और बदलाव की प्रक्रिया में तत्परता लाई जाए ताकि जनजीवन सामान्य हो सके। उन्होंने कहा कि बिजली की बहाली केवल सुविधा का विषय नहीं, बल्कि सुरक्षा के लिहाज से भी अत्यंत जरूरी है, विशेषकर उन इलाकों में जहाँ हाथी अक्सर सक्रिय रहते हैं।इस दौरान प्रखंड महासचिव अभिषेक बागे और हर्षित सांगा भी उपस्थित थे।

सिमडेगा में भीषण गर्मी से जनजीवन प्रभावित, चौक-चौराहों पर गन्ना जूस से बुझाई जा रही प्यास

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सिमडेगा में इन दिनों भीषण गर्मी का प्रकोप लोगों की दिनचर्या को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। तापमान में लगातार हो रही वृद्धि से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों जैसे महावीर चौक, बस स्टैंड, झूलन सिंह चौक, प्रिंस चौक और नीचे बाजार समेत अन्य इलाके दोपहर में पूरी तरह वीरान नजर आते हैं। चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं के कारण लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं।गर्मी से राहत पाने के लिए लोग गन्ने के जूस, शिकंजी, लस्सी और अन्य शीतल पेयों का सहारा ले रहे हैं। सड़कों के किनारे लगे ठेले और दुकानों पर दिनभर लोगों की भीड़ देखी जा रही है। दुकानदारों की मानें तो पिछले कुछ दिनों में शीतल पेयों की बिक्री में काफी इजाफा हुआ है। खासकर गन्ने के जूस की मांग सबसे अधिक हो रही है, जो प्यास बुझाने के साथ-साथ शरीर को ठंडक भी प्रदान करता है।दोपहर के समय बाजारों में सन्नाटा पसरा रहता है, जबकि शाम होते-होते कुछ हलचल नजर आती है। लोग देर शाम खरीदारी और अन्य कार्यों के लिए बाहर निकल रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने भी लोगों से अपील की है कि वे धूप में निकलने से बचें, हल्के और सूती कपड़े पहनें, तथा भरपूर मात्रा में पानी और तरल पदार्थों का सेवन करें।सिमडेगा में गर्मी का यह असर फिलहाल कम होता नहीं दिख रहा, जिससे लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है।

लचरागढ़ आरसी पवित्र चर्च में पुरोहित अभिषेक कार्यक्रम आयोजित, दो नए पुरोहितों का स्वागत

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। लचरागढ़ स्थित आरसी पवित्र चर्च में रविवार को भव्य पुरोहित अभिषेक समारोह का आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर उपायाजक नीरज कंडुलना और जोन डांग का पुरोहित अभिषेक विधिवत रूप से संपन्न हुआ। अभिषेक संस्कार रांची धर्मप्रांत के आर्चबिशप विसेंट आइंद और हजारीबाग धर्मप्रांत के आर्चबिशप आनंद जोजो द्वारा संपन्न कराया गया।विशेष मिस्सा अनुष्ठान में रांची व हजारीबाग धर्मप्रांत से आए दर्जनों पुरोहितों ने भाग लिया और नव अभिषिक्त पुरोहितों को आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम में दोनों परिवारों ने अपने पुत्रों को औपचारिक रूप से कलीसिया को समर्पित किया। इस शुभ अवसर पर बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनमें संत वियान्नी, संत अन्ना, डोमनिक कॉलेज और मोंटफोर्ट स्कूल के छात्र शामिल थे।नव नियुक्त पुरोहित नीरज कंडुलना और जोन डांग ने भावुक होकर सभी गुरुजनों, माता-पिता और सहयोगियों का आभार प्रकट किया। उन्होंने प्रभु यीशु के दिखाए मार्ग पर चलने और मानव सेवा को अपना उद्देश्य बताया।रांची धर्मप्रांत के बिशप विसेंट आइंद ने अपने संबोधन में कहा, "पुरोहित का जीवन जनकल्याण के लिए होता है। वे समाज में शांति, भाईचारा और न्याय की स्थापना में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।" वहीं हजारीबाग धर्मप्रांत के बिशप आनंद जोजो ने उपस्थित जनसमुदाय से आग्रह किया कि वे प्रभु यीशु की शिक्षाओं को आत्मसात करें और समाज की सेवा में योगदान दें।कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में मसीही विश्वासी, चर्च के फादर, धर्मबहनें, कैथोलिक समाज के पदाधिकारी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। संचालन रोशन टिड़ु ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन फादर क्लेमेंट लकड़ा ने प्रस्तुत किया।

बानो : सीएनआई चर्च सोडा नवाटोली में मातृ दिवस धूमधाम से मनाया गया

बानो । सीएनआई चर्च सोडा नवाटोली में शनिवार को मातृ दिवस हर्षोल्लास और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विशेष आराधना और पवित्र प्रभुभोज का अनुष्ठान चर्च के पादरी मुकुट कंडुलना द्वारा संपन्न किया गया।पादरी कंडुलना ने अपने संदेश में कहा कि "जगत में आने का एकमात्र माध्यम मां होती है, जबकि संसार से जाने के अनेक कारण हो सकते हैं। इसलिए मां को कभी भी तिरस्कार न करें, बल्कि उनका सम्मान और आदर जीवनभर किया जाना चाहिए।"कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने अपनी माताओं को माला पहनाकर उनका स्वागत किया और उनके प्रति प्रेम और आभार व्यक्त किया। इस भावपूर्ण क्षण ने उपस्थित जनों को गहराई से भावुक कर दिया।इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य बीरजो कंडुलना, चर्च प्रचारक इपिल हेमरोम, असिबा कंडुलना सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे। कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय युवाओं और महिला मंडली के सहयोग से किया गया, जिसमें भजन, प्रार्थना और सामूहिक भोज की भी व्यवस्था की गई थी।

कोचेडेगा में बनने वाले शहीद चौक के निर्माण स्थल में परिवर्तन की मांग

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। कोचेडेगा गांव में शहीद विजय सोरेंग के नाम पर बनने वाले चौक के स्थल परिवर्तन की मांग स्थानीय ग्रामीणों ने की है। ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत मद के द्वारा जिस स्थल पर चौक निर्माण कराया जा रहा है, वहीं वर्ष 2008 से ही श्रीरामरेखा चौक बना हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि श्रीरामरेखा चौक के नाम से बोर्ड और बजरंगी पताका लगा हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार वर्ष 2008 में ग्रामसभा में पारित होने के बाद ब्राह्मलीन श्री 1008 श्री रामरेखाबाबा की मूर्ति में चौक का निर्माण किया गया था। ग्रामीणों ने जिले के सांसद, विधायक सहित वरीय अधिकारियों से आग्रह करते हुए कहा है कि शहीद के नाम पर भव्य चौक का निर्माण होना चाहिए।उन्होंने चौक निर्माण के प्रस्तावित स्थल में परिवर्तन करते हुए वर्तमान चौक से कुछ दूरी या गांव के अन्य जगह चौक निर्माण की मांग की है ताकि श्रीरामरेखा चौक और शहीद चौक दोनों का सम्मान बना रहे। ग्रामीणों ने डीसी और एसपी को आवेदन देकर लोगों की भावनाओं के अनुरूप स्थल परिवर्तन करते हुए भव्य शहीद चौक आयोजित करने की मांग की है।

मिर्च की खेती कर देवंती बनीं आत्मनिर्भरता की मिसाल, दूसरे राज्यों तक पहुंची उपज

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सिमडेगा जिले के केरसई प्रखंड अंतर्गत बासेन बथान टोली की देवंती देवी आज ग्रामीण महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता और मेहनत की प्रतीक बन गई हैं। एक समय था जब वे सिर्फ एक गृहिणी थीं और खेती-बाड़ी में अपने पति सत्यनारायण दास का सहयोग भर करती थीं। लेकिन वर्ष 2017 में जब गांव में अंजली आजीविका स्वयं सहायता समूह का गठन हुआ, तो उन्होंने सदस्य के रूप में इसमें भागीदारी की। यहीं से उनके जीवन में नया मोड़ आया।समूह में जुड़ने के बाद उन्होंने नियमित बचत और बैठकों में भाग लिया। समूह के माध्यम से जेएसएलपीएस द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उन्होंने भाग लिया और कृषि से संबंधित तकनीकी जानकारी प्राप्त की। वर्ष 2022 में एफटीसी (फार्मर्स ट्रेनिंग सेंटर) के नेतृत्व में गांव में मिर्चा की खेती का डेमो आयोजित हुआ, जिसमें उन्होंने गहराई से प्रशिक्षण लिया और 20 डिसमिल जमीन पर मिर्च की खेती शुरू की।पहले ही साल में लाभ देखकर उनका उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ा। वर्ष 2025 में उन्होंने अंजली समूह से 50,000 रुपये का ऋण लेकर 1 एकड़ भूमि पर मिर्च की खेती की। उन्होंने अपनी उपज को स्थानीय बाजार के अलावा ओडिशा और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में थोक दर पर बेचना शुरू किया। वर्तमान में वे 60 रुपये प्रति किलो की दर से मिर्च बेच रही हैं और अब तक 45,000 रुपये की कमाई कर चुकी हैं। अनुमान है कि इस सीजन में वे करीब 1.20 लाख रुपये का लाभ कमा लेंगी।देवंती देवी कहती हैं कि जेएसएलपीएस और समूह की बदौलत ही उनके जीवन में यह बदलाव आया है। पहले परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी, लेकिन अब खेती से हुई आय से बच्चों की पढ़ाई, घरेलू खर्च और भविष्य की योजनाओं को साकार करना संभव हो पाया है। उन्होंने अपने खेतों में सिंचाई की सुविधा बढ़ाई है और अगली फसल में और अधिक क्षेत्र में मिर्च के साथ-साथ टमाटर और अन्य सब्जियों की खेती का भी इरादा रखती हैं।देवंती देवी की कहानी यह साबित करती है कि अगर सही मार्गदर्शन, मेहनत और अवसर मिलें तो ग्रामीण महिलाएं भी आत्मनिर्भर बन सकती हैं और दूसरों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन सकती हैं। आज वे न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हैं, बल्कि अपने गांव की अन्य महिलाओं को भी समूह से जुड़ने और खेती के जरिए आजीविका बढ़ाने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

हर घर नल योजना की पोल खुली नल तो पहुंचे लेकिन जल नहीं

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। जल जीवन मिशन के तहत करोड़ों रुपए की लागत से हर घर नल योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति की व्यवस्था की जा रही है, लेकिन सिमडेगा सदर प्रखंड के बंगारू पंचायत अंतर्गत खूंटी टोली एवं हाताटोली बस्ती में यह योजना कागजों तक ही सिमटकर रह गई है। यहां जल मीनार तो बना दिया गया है लेकिन उसके ऊपर अब तक पानी की टंकी नहीं लगाई गई है। इसके साथ ही गांव के किसी भी घर में पाइपलाइन के जरिए पानी नहीं पहुंचा है।गर्मी के इस भीषण दौर में ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। खासकर महिलाओं को दूर-दूर से पानी ढोकर लाना पड़ रहा है। गांव की महिलाओं ने बताया कि कई बार इसकी शिकायत पंचायत स्तर से लेकर जिला प्रशासन तक की गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।स्थानीय निवासी बस्ती के विकास को लेकर अब निराश हो चुके हैं। उनका कहना है कि जब योजना शुरू हुई थी, तब उम्मीद थी कि हर घर में नल से पानी आएगा, लेकिन आज तक पानी की एक बूंद तक नसीब नहीं हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है और अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।गांव के लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द जल मीनार पर टंकी लगाने और घर-घर पानी पहुंचाने की मांग की है ताकि उन्हें इस गंभीर समस्या से राहत मिल सके।

न्यूज बॉक्स

16 वर्षीय युवती ने पेड़ से लटककर की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

बानो। बानो थाना क्षेत्र के जलडेगा अंतर्गत टोगरीटोली गांव में शनिवार को एक 16 वर्षीय किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान निकिता सुरीन के रूप में हुई है। घटना की जानकारी ग्रामीणों को सुबह मिली, जब उन्होंने युवती को गांव के पास एक पेड़ से लटका देखा। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना बानो थाना पुलिस को दी।सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सोनू कुमार पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह आत्महत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। निकिता ने अपने ही घर के पास स्थित पेड़ पर फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।पुलिस के अनुसार मृतका की उम्र मात्र 16 वर्ष थी और वह अपने परिवार के साथ गांव में ही रहती थी। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है। साथ ही परिजनों से पूछताछ की जा रही है ताकि घटना के पीछे के कारणों का खुलासा हो सके।

शादी समारोह में शामिल होकर विधायक ने नवविवाहित जोड़े को दिया आशीर्वाद

ठेठईटांगर। कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी ने ठेठईटांगर प्रखंड के ताराबोगा गांव में आयोजित विवाह समारोह में शामिल हुए। यह शुभ अवसर पूर्व प्रखंड अध्यक्ष जॉन कुल्लू की सुपुत्री अंशु कुल्लू और प्रतीक कुजूर के विवाह का था।विधायक कोनगाड़ी ने नवविवाहित जोड़े को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखद और समृद्ध वैवाहिक जीवन के लिए आशीर्वाद दिया। उन्होंने वर-वधू के परिजनों से मिलकर उन्हें भी इस मंगल अवसर पर शुभकामनाएं प्रेषित कीं।विवाह समारोह में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों की उपस्थिति भी देखने को मिली। मौके पर जिला विधायक प्रतिनिधि रावेल लकड़ा, प्रखंड प्रमुख बिपिन पंकज मिंज, प्रखंड अध्यक्ष अशफाक आलम, प्रखंड विधायक प्रतिनिधि मोहम्मद कारू, मोहम्मद वाहिद और राजेश डुंगडुंग सहित कई अन्य स्थानीय लोग मौजूद थे।

मोटरसाइकिल दुर्घटना में युवक गिरकर हुआ घायल

कोलेबिरा। मोटरसाइकिल से गिरकर 30 वर्षीय व्यक्ति हुआ घायल. मिली जानकारी के अनुसार कोलेबिरा थाना क्षेत्र अंतर्गत सनबोथा ग्राम निवासी किस वर्षीय राजू सिंह अपने मोटरसाइकिल से कोलेबिरा आ रहा था. इसी क्रम में मोटरसाइकिल से अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर पड़ा जिसके कारण उसके सर में गंभीर चोट आई जिसे स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया. जहां पर घायल राजू का चिकित्सकों के द्वारा प्राथमिक इलाज किया जा रहा है।

हज यात्रियों के लिए हुआ तरबियति शिविर का आयोजन

सिमडेगा। ईदगाह मुहल्ला स्थित नूर मैरेज हॉल में शनिवार को हज पर जाने वाले जिले के 18 जायरीनों का तरबियति शिविर लगा। इसमें राज्य हज कमेटी के हाजी कैशर ने बताया कि इस बार हज यात्रा पर जाने के लिए किए जाने वाले कार्यों एवं तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने जायरीनों को सफर के दौरान ले जाने वाले दस्तावेजों की भी जानकारी दी गई। इस बार हज यात्रा पर जाने वालों में मो फारूक, आशिया फारूक, मोहम्मद असलम अंसारी, नेमा खातून, मोहम्मद मंजर हुसैन, नर्गिस परवीन, मोहम्मद सुफियान परवेज, जुलैखा परवीन, मोहम्मद इस्तियाक पप्पू, नूरजहां खातून, अलाउद्दीन अशरफ, शादाब अली, शहजाद अली, निकहत महमूद, मोहम्मद अनिस, रोशन आरा, शाहजहां खान, अनवरी खातून शामिल है।इधर शिविर में कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी भी उपस्थित हुए। विधायक ने सभी जायरीनों को शुभकामनाएं देते हुए मुल्क में अमन व शांति के लिए दुआ करने की अपील की। मौके पर मौलाना मोहम्मद रहमानी, मो खुबैब, हाजी तौहीद आलम, हाजी जावेद सहित कई लोग उपस्थित थे।

बोखाटोली के समीप सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत

कोलेबिरा। कोलेबिरा में हुआ हसा से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार देर शाम 16 वर्षीय एडविन टेटे पिता जोसेफ टेटे अपने मोटरसाइकिल से कोलेबिरा से अपने घर कालोटोली जा रहा था इसी क्रम में अज्ञात वाहन ने उसे बोखा टोली के समीप टक्कर मार दी जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई.सूचना मिलने पर कोलेबिरा पुलिस घटनास्थल पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया और रविवार को अंत्यपरीक्षण के लिए सिमडेगा भेज दिया.इस संबंध में कोलेबिरा थाना में कांड संख्या 39/25 धारा 281/106(1) BNS के तहत मामला दर्ज किया गया।

कोलेबिरा में 13 मई को मनाया जाएगा ओहदार बहादुर सिंह की मूर्ति स्थापना दिवस

कोलेबिरा। कोलेबिरा स्थित रण बहादुर सिंह चौक पर स्थापित ओहदार बहादुर सिंह की मूर्ति का स्थापना दिवस आगामी 13 मई, मंगलवार को समारोहपूर्वक मनाया जाएगा। यह जानकारी भोक्ता समाज विकास संघ के प्रतिनिधि अमरनाथ सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम समाज की एकता, सम्मान और प्रेरणा का प्रतीक है। अमरनाथ सिंह ने सभी समाज के लोगों से इस अवसर पर बढ़-चढ़कर भाग लेने और कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। आयोजन को गरिमामय बनाने के लिए समाज के कई वरिष्ठ जनों एवं युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

दो टेम्पू के बीच आमने - सामने हुई टक्कर, 14 गंभीर रूप से घायल

शादी समारोह में शामिल होने जा रहा था परिवार

नवीन मेल संवाददाता। गिरिडीह

रांची-दुमका मुख्य मार्ग स्थित बिरनी प्रखण्ड के जितकुंडी पुल के पास रविवार की सुबह दो टेम्पू के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई.टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टेम्पू के परखच्चे उड़ गए. इस हादसे में चालक,दो मासूम समेत 14 लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए. नन-फानन में स्थानीय लोगों ने सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जिसका उपचार डॉ पीके अग्रवाल ने किया तथा गम्भीर स्थिति देखते हुए सदर अस्पताल गिरिडीह रेफर कर दिया गया । जिसमें एक महिला एवं एक पुरुष की स्थिति नाजुक बताई जा रही है । घायलों में 18 वर्षीय पूर्णिमा देवी,19 वर्षीय प्रेरणा कुमारी,55 वर्षीय लालपरी देवी,35 वर्षीय सोनी देवी,40 वर्षीय मंजू देवी,55 वर्षीय गायत्री देवी,30 वर्षीय रवि कुमार,30 वर्षीय खुशबू देवी,32 वर्षीय रंजीत कुमार,4 वर्षीय रुद्राक्ष कुमार,8 वर्षीय अंश कुमार,19 वर्षीय करीना कुमारी सभी धनबाद के झरिया निवासी बताए जा रहे हैं.वहीं टेम्पो चालक बिरनी के बटलोहिया निवासी 30 वर्षीय प्रेमचंद यादव एवं गिरिडीह के 40 वर्षीय संजय डोम के रूप में हुई है ।मिली जानकारी के अनुसार एक ही परिवार के 12 लोग झरिया से अपनी बेटी के घर बिरनी के बिराजपुर शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे । वहीं गिरिडीह निवासी संजय डोम टेम्पो में सवार होकर राजधनवार की ओर जा रहे थे. इसी दौरान यह घटना घटी.घटना की सूचना पाकर बिरनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची.पुलिस ने दोनों टेम्पो को कब्जे में लेकर बिरनी थाना ले गई साथ ही अग्रेतर कार्रवाई में जुटी हुई है । इधर पुलिस का कहना है कि अभी इसका इलाज हो रहा इनलोगों से बयान लेने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। अभी लोगों उस अवस्था में नहीं है।

कृषि मेला में तीन किसानों के बीच सोलर पंपसेट का वितरण

दुमका। दुमका जिले के काठीकुंड प्रखंड मुख्यालय परिसर में शुक्रवार को प्रखंड स्तरीय किसान मेला का आयोजन किया गया. इसमें तीन किसानों के बीच सोलर पंपसेट का वितरण किया गया. किसान लालचंद पाल, नूतन देवी व शिवरातिया देवी को 2 एचपी क्षमता का सोलर पंपसेट दिया गया. मुख्य अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष जॉयस बेसरा ने कहा कि किसानों की उन्नति के बिना क्षेत्र का समुचित विकास संभव नहीं है. सोलर पंपसेट से किसानों को सिंचाई की सुविधा मिलेगी, जिससे उत्पादन में वृद्धि होगी. सांसद प्रतिनिधि जॉन सोरेन व प्रखंड प्रमुख बिमला नीपू सोरेन ने भी विचार रखे. कृषि विज्ञान केंद्र के सह निदेशक डॉ एके साहा ने किसानों को फसलों के बेहतर उत्पादन के लिए विभिन्न तरीकों की जानकारी दी. कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों में शरीफा की खेती कर अच्छी कमाई की जा सकती है.

गिरिडीह में अलग-अलग घटनाओं में चार की मौत

बेटी का कन्यादान कर घर नहीं लौट सका पिता

नवीन मेल संवाददाता। गिरिडीह, जमुआ

जिले के देवरी थाना क्षेत्र के नेकपुरा गांव के पास हुए सड़क दुर्घटना में बजगुंदा मिस्त्री टोला निवासी अवधकिशोर राणा (45 वर्ष) की मौत हो गई. अवधकिशोर अपनी बेटी का कन्यादान कर वापस घर लौट रहे थे. इस घटना के बाद देवरी थाना क्षेत्र के बजगुंदा मिस्त्री टोला और जमुआ प्रखंड के पोबी गांव में शादी की खुशी मातम में तब्दील हो गई है. घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक अवधकिशोर राणा की बेटी पिंकी कुमारी की शादी जमुआ प्रखंड के पोबी गांव में काढ़उ रस्म (विवाह से पहले कन्या ससुराल चली जाती है और फिर वहीं पर सभी कार्यक्रम होते हैं और विवाह होता है) से हुई थी. शनिवार की रात में अवधकिशोर शादी में भाग लेने के लिए रिश्तेदारों के साथ पोबी गांव गए थे. शादी संपन्न होने के बाद रविवार की सुबह में वह अपनी पल्सर बाइक से घर लौट रहे थे. इसी क्रम में नेकपुरा गांव के समीप बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई. घटना में गंभीर रूप से घायल अवधकिशोर राणा को बेहोशी हालत में जलखरियोडीह स्थित अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच कर उन्हें मृत घोषित कर दिया. देवरी पुलिस ने इस घटना की पुष्टि की है. उधर, पीरटांड़ थाना क्षेत्र के पालगंज निवासी भोला मल्हार की मौत करंट लगने से हो गई है. परिजनों ने बताया कि घर में बिल्ली घुस गई थी, जिसे भगाने के लिए कच्चा बस का डंडा लेकर भोला दौड़ा और बांस बिजली की नंगी तार में जा सटी. इस दौरान करंट के तेज झटके से भोला वहीं अचेत होकर गिर गया. फिर उसे सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने जांच कर उसे मृत घोषित कर दिया है. वहीं तीसरी घटना डुमरी की थी है. यहां एक 12 वर्षीय बालक की मौत बराकर नदी में डूबने से हो गई है. मृतक बालक सुनील यादव बिरनी थाना क्षेत्र के निश्चितपूरा गांव का रहने वाले था. घरवालों ने बताया कि सुनील की बहन की शादी डुमरी के नुरंगो में हुई है. शनिवार को ही सुनील की बहन विदा होकर नुरंगो आई थी.

यूथ विंग के संरक्षक ने निभाया मातृत्व का अद्भुत सम्मान

मां और गौ माता की सेवा कर शांति मिलती है : चन्द्रप्रकाश

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग

मातृ दिवस का अवसर शहर के समाजसेवी हजारीबाग यूथ विंग के संरक्षक चंद्रप्रकाश जैन ने इस दिन को एक विशेष भाव से मनाकर समाज के समक्ष एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने दिन की शुरुआत अपनी जन्मदाता मां सुधारानी जैन की सेवा और आशीर्वाद लेकर की। इसके बाद वे अपनी माता के साथ ही शहर से लगभग सात किलोमीटर दूर कोलकाता पिंजरापोल सोसाइटी द्वारा संचालित हजारीबाग गौशाला पहुंचे,जहां उन्होंने गौ माता की सेवा की। गौशाला परिसर में चंद्रप्रकाश जैन ने गौ माता को गुड़, चोकर, हरा चारा एवं पोषक सामग्री अर्पित कर प्रेमपूर्वक उन्हें भोजन कराया। उनकी माता सुधारानी जैन ने भी इस सेवा कार्य में सहभागी बनकर पूज्य गौ माता की सेवा की। इस अवसर पर गौशाला के कर्मचारियों एवं उपस्थित श्रद्धालुओं ने भी सेवा में भाग लिया और इस कार्य को मातृ शक्ति के सम्मान का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। चंद्रप्रकाश जैन ने भावुक होकर कहा मैं अपने जीवन में दो माताओं को सर्वोच्च मानता हूं एक जन्म देने वाली मां, जिन्होंने मुझे पाल-पोसकर इस योग्य बनाया, और दूसरी गौ माता, जो हमारे संपूर्ण जीवन चक्र का पोषण करती हैं। आज मातृ दिवस पर इन दोनों माताओं की सेवा कर मैं स्वयं को धन्य मानता हूं। मैं प्रतिदिन इन्हें प्रणाम कर अपने दिन की शुरुआत करता हूं। यही मेरी साधना है, यही मेरी संस्कृति है। उन्होंने यह भी कहा कि आज की पीढ़ी को भी अपनी संस्कृति, परंपरा और मातृ शक्ति के महत्व को समझना चाहिए। यदि हम अपने जीवन में माता, गौ माता, गुरु और देश को आदर देना सीख जाएं, तो जीवन स्वयं ही सार्थक हो जाता है।

लइयो तितिरमरवा में सुरजही पूजा का आयोजन

केदला। लइयो पंचायत के तितिरमरवा गांव में रजवार परिवार के वंशजो ने रविवार को सुरजही पूजा का आयोजन किया। सुरजही पूजा को लेकर 24 घंटे तक निर्जला अवस्था में रह कर गांव के सैकड़ो महिला-पुरुषों ने रविवार को भगवान सूर्य महाराज को अर्घ्य देकर पूजा किया। नियमतः यह पूजा पांच वर्ष होने के बाद ही होती है। लेकिन तितिरमरवा गांव के पूजारी संतोष रजवार और महरु रजवार ने बताया कि हमलोग 12 वर्ष पर इस पूजा को करते हैं। मौके पर आचार्य राकेश पांडेय ने बताया कि सुरजही पूजा जिसे सूरज आही (सूरज है) पूजा भी कहा जाता है। यह पूजा सूर्य देव को समर्पित है और उनकी कृपा प्राप्त करने के लिए की जाती है। जब ग्रामीणों की अपनी मनतें पूरा होती है तो लोग इस पूजा को करते हैं। पूजा करने वाले भक्त सूर्य देव की स्तुति करते हैं और उनसे अपनी इच्छाएं पूरी करने का अनुरोध करते हैं। ऐसी मान्यता है कि सुरजही पूजा एक प्राचीन परंपरा है और यह झारखंड में सदियों से मनाई जा रही है। यह पूजा सूर्य देव के प्रति श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक है। पूजा में सूर्य देव को जल, फूल, और अन्य सामग्री अर्पित की जाती है। मौके पर ग्रामीणों ने बताया कि यह पूजा क्षेत्र में सुख-समृद्धि और गांव, समाज और विश्व कल्याण के लिए किया जाता है। पूजा के पश्चात सफेद बकरे की बलि दी गई। पूजा में क्षेत्र के लइयो, जितराटोंगरी, हुरदाग सहित आस पास से हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे।

गौ माता के पानी पीने के लिए कामधेनु सेवा परिषद ने टब का वितरण किया

रामगढ़। कामधेनु सेवा ने भीषण गर्मी को ध्यान में रखकर 11 मई को गौमाता के पानी पीने के लिए टब का वितरण तिरंगा चौक और थाना चौक स्थित खटाल में किया . टब का वितरण करते हुए अध्यक्ष धीरज परासर ने कहा की संगठन आगे भी गौ सेवा का कार्य करती रहेगी. मौके पर माणिक चंद जैन ,डॉ उदय श्रीवास्तव,वरुण बगाड़िया ,निलिन्द बब्बू ,पवन ,निखिल , दीपक अग्रवाल, विक्की ,अजित, धनञ्जय ,आकाश ,रचना कुमारी ,निधि कौर ,पूनम ,विद्या कुमारी आदि उपस्थित थे.

कोडरमा से लड़की देखने तिसरी आ रहा था परिवार, ट्रक ने मार दी टक्कर,4 घायल

तिसरी। तिसरी थाना क्षेत्र अंतर्गत गांवा - तिसरी मुख्य पथ पर रविवार की शाम ट्रक के धक्के से एक बाईक पर सवार चार लोग घायल हो गए. बाईक सवार चारो व्यक्ति कोडरमा जिले के रहने वाले हैं. वे लड़की देखने के लिए गुमगी आ रहे थे. घटना की सूचना पर तिसरी पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को पुलिस वाहन से ही अस्पताल पहुंचाया. जहाँ चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया, वही एक बच्चे को बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया. बताया गया कि कोडरमा जिले के ढाब थाना क्षेत्र के बंगा खलार - असनातरी के रहने वाले मनोज राय उनकी पत्नी पार्वती देवी अपने 11वर्षीय पुत्र राजेंद्र कुमार और भतीजी सजनी कुमारी के साथ विवाह के लिए लड़की देखने बाईक से तिसरी के गुमगी आ रहा था.इसके अलावे एक अन्य बाईक पर भी कुछ लोग थे. वहीं सिंघो मोड पर दूसरी ओर से आ रहे एक ट्रक ने टक्कर मार दी. जिसमें बाईक पर सवार चारो लोग घायल हो गए. इलाज के पश्चात 11 वर्षीय राजेंद्र कुमार को रेफर कर दिया गया है, उसके पैर में फ्रेक्चर होने की बात बताई जा रही है. फ़िलहाल तिसरी पुलिस ट्रक को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है.

अवैध निकासी की जांच करने सोनुआ बीआरसी पहुंचे डीईओ

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के सोनुआ बीआरसी की लेखापाल सह कंप्यूटर ऑपरेटर रोमा चक्रवर्ती द्वारा 6 लाख 24 हजार रुपए की अवैध निकासी की जांच करने शनिवार को जिला शिक्षा पदाधिकारी टोनी प्रेमराज टोप्पो के नेतृत्व में जिला की टीम बीआरसी पहुंची. टीम ने इस मामले में लेखापाल से हर बिंदु पर पूछताछ की. सोनुआ बीआरसी पहुंची टीम ने लेखापाल द्वारा बीआरसी के बीपीओ राजीव सिन्हा व एमडीएम ऑपरेटर आशीष प्रमाणिक के खिलाफ की गई शिकायत की भी जांच की. तीनों कर्मियों को कड़ी फटकार भी लगाई. टीम बीआरसी कार्यालय में विभिन्न मद में हुए भुगतान से सम्बन्धित रजिस्टर को भी साथ लेते गई. डीईओ ने कहा कि फिलहाल अवैध निकासी के आरोप की जांच की गई है. हालांकि, शिकायतकर्ता के अनुपस्थित रहने के कारण कई बिंदु पर जानकारी नहीं मिल पाई.सोनुआ बीआरसी के लेखापाल द्वारा अवैध निकासी व दबाव देकर शिक्षकों से अपने करीबी वेंडर से सामग्री की खरीदारी कराने की यह पहली घटना नहीं है. इससे पूर्व भी इस तरह के आरोप बीआरसी के लेखापाल पर लगते रहे हैं. शिकायतकर्ता द्वारा डीसी के नाम दिए गए पत्र डीईओ पर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं. लेकिन इस मामले की जांच का आदेश स्वयं डीईओ द्वारा निकाला गया है. डीईओ स्वयं मामले की जांच करने अधिकारियों के साथ सोनुवा बीआरसी पहुंचे थे. इससे यह चर्चा का विषय बना हुआ कि जिस पर आरोप लगा है, वही मामले की जांच कर रहा है. ऐसे में जांच पर अभी से सवाल उठने लगे हैं.

मदर्स डे पर बच्चों ने बनाया मां के नाम कार्ड

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़

मदर्स डे परवरिश एडुकेयर स्कूल, कुंदरियाबांध कुजू में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें स्कूली बच्चों ने उत्साह पूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का उम्दा प्रदर्शन किया। विद्यालय प्रबंधक ने पीजी नर्सरी से लेकर वर्ग 9वीं तक के बच्चों के लिए मदर्स डे संबंधित चित्रांकन कार्ड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे कक्षा पीजी नर्सरी, एलकेजी और यूकेजी के बच्चों ने भी अपनी मां के लिए ब्रौच कार्ड बनाया। जबकि कक्षा एक से लेकर चार के विद्यार्थियों ने अपनी मां के लिए अपने हाथों से कार्ड बनाया और कक्षा पांच से लेकर नौ तक के बच्चों ने मदर्स डे संबंधित पोस्टर बनाया। वहीं, विद्यालय प्रबंधन ने सफल बच्चों को सम्मानित किया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक शैलेंद्र कुमार व प्रबंध निदेशक विकास कुमार सिंह ने मदर्स डे पर बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि माँ ही हमारी पहली शिक्षक, दोस्त और सबसे बड़ा शुभचिंतक है। वो हमारी हर मुस्कान के पीछे रहकर हर आंसू को चुपचाप अपनी ममता से पोंछ देती है। मदर्स डे ही एक ऐसा दिन जो पूरी तरह से मां को समर्पित है। लेकिन क्या एक दिन मां के लिए काफी है शायद नहीं मां के लिए तो हर दिन हर पल समर्पित होनी चाहिए। इधर, विद्यालय की समन्वयक रश्मि कुजूर ने मौजूद माताओं को मदर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए बच्चों को मदर्स डे का महत्वों से अवगत कराया। कहा कि मां ही एक ऐसा शब्द है, इसके महत्व के विषय में जितनी भी बात की जाए कम है। हम मां के बिना अपने जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकती है। यही कारण है कि मां को ईश्वर का रूप माना गया है। एक मां अपने बच्चों से सबसे अधिक प्रेम करती है। मां ही शिक्षक से लेकर पालनकर्ता जैसी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाती है। हमें अपने जीवन में मां की महत्व को समझते हुए सदैव मां को खुश रखने की कोशिश करना चाहिए हमें अपनी मां को प्यार और सम्मान करना चाहिए।मौके पर विद्यालय की शिक्षिका कंचन प्रसाद, रजनी कुमारी, शानू साव, नंदनी झा, अर्चना कुमारी, संगीता कुमारी, आकांक्षा मिश्रा, अंजलि ओझा, प्रियंका यादव, शांति कुमारी, पूजा कुमारी,पूजा सिंह, चंचला सिंह, हर्षिता गुप्ता, नीति सोनी उपस्थित थे ।

अंडर 17 बालिक वर्ग में शकीला तो लड़कों में देवव्रत प्रथम

धनबाद। गोविंदपुर प्रखंड संसाधन केंद्र में प्रखंड स्तरीय कैरम प्रतियोगिता आयोजित की गई. इसमें प्रखंड के सभी प्लस तू व हाई स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया. अंडर 17 एकल बालिका वर्ग में शकीला खातून प्रथम व अंशिका कुमारी द्वितीय रही, जबकि बालक वर्ग में देवव्रत गोप प्रथम विजय कुमार द्वितीय रहे, वहीं, अंडर-19 बालिका में राखी कुमारी प्रथम व बालक वर्ग में सोनू कुमार मुंडा प्रथम व जाहिद अंसारी द्वितीय रहे. इसी प्रकार अंडर 17 बालक युगल में जगदीश मंडल व खेमलाल मंडल विजेता तथा सुमित कुमार दास व पंकज मालाकार उपविजेता बना। नदीम अंसारी व निसार अंसारी विजेता तथा दीपक कुमार व आशुतोष शर्मा उपविजेता बना।

राहुल दुबे गिरोह के चार अपराधी गिरफ्तार

रामगढ़। रामगढ़ पुलिस ने राहुल दुबे गैंग के 4 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के संदर्भ में पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर जानकारी दी। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक ने बताया 12 अप्रैल को रात लगभग 11:30 बजे सिरका परियोजना स्थित कांटा घर के समीप एक खड़े हाईवा संख्या जेएच 24 जे 6878 को अज्ञात अपराधियों ने आग लगाने और फायरिंग कर दहशत फैलाने का प्रयास किया था। घटना के संबंध में रामगढ़ थाना कांड संख्या 101/2025 दर्ज किया गया था। इस घटना के चार दिन के बाद पतरातू रेलवे साईडिंग में भी अज्ञात अपराधी ने रंगदारी वसूलने और दहशत फैलाने की नीयत से हवाई फायरिंग की थी।इस संबंध में पतरातू थाना कांड संख्या 97/25 दर्ज किया गया था। दोनों कांडों के उद्भेदन के लिए एएसपी गौरव गोस्वामी के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया था। 9 मई को गुप्त सूचना के आधार पर देर रात एएसपी गौरव गोस्वामी ने साधु कुटिया जंगल में किसी बड़ी घटना करने की योजना बना रहे राहुल दुबे गैंग के अपराधी सनी सिंह उर्फ सौरभ कुमार सिंह गिरफ्तार किया गया। एएसपी सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पतरातु के कड़ाई से पूछताछ करने पर गिरफ्तार सनी सिंह ने खुद को राहुल दुबे गैंग का सक्रिय सदस्य बताया।

स्क्रैप व्यवसायी से रंगदारी मांगने के मामले में 3 गिरफ्तार

जमशेदपुर। जमशेदपुर पुलिस ने स्क्रैप व्यवसायी उमेशचंद्र जायसवाल से रंगदारी मांगने व उनके गोदाम पर फायरिंग करने के मामले का उद्भेदन कर लिया है. मामले में पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है. इनमें शंकोसाई रोड नं-4 खड़ियाबस्ती निवासी रूपेश दुबे उर्फ राहुल, हिलव्यू कॉलोनी रोड नंबर-4 ए निवासी शांतनु कुमार व रिपीट कॉलोनी, सिदो-कान्हू स्कूल के पास रहने वाला नंदलाल सिंह उर्फ बंटी शामिल हैं. उमेशचंद्र जायसवाल शंकोसाई रोड नंबर-4 स्थित आराध्या इंटरप्राइजेज के संचालक हैं. पूर्वी सिंहभूम के एसएसपी किशोर कौशल ने पत्रकारों को बताया कि गिरफ्तार रूपेश दुबे ने गत आठ अप्रैल को रंगदारी के लिए स्क्रैप कारोबारी के गोदाम में फायरिंग की थी. रूपेश पूर्व में स्क्रैप कारोबारी के गोदाम में काम करता था. फायरिंग करने के बाद उसने पिस्तौल शांतनु कुमार को रखने को दिया था. रूपेश की गिरफ्तारी के बाद शांतनु के घर से फायरिंग में प्रयुक्त पिस्तौल और चार गोली पुलिस ने बरामद की.

धार्मिक स्थलों की घेराबंदी और सौंदर्यीकरण कराने की मांग

नवीन मेल संवाददाता। डुमरी

जिप सदस्या सुनीता कुमारी ने बीडीओ डुमरी को पत्र सौंप कर विभिन्न पंचायतों में स्थित धार्मिक स्थलों की घेराबंदी और सौंदर्यीकरण कराने की मांग की है।जिप सदस्या ने मटियोबेड़ा दुर्गा मंडप की घेराबंदी कराने,मटियोबेड़ा शिव मंदिर की सौन्दर्यीकरण कराने,मधवाडीह हनुमान मंदिर की घेराबंदी कराने,नाथडीह सुरंगी पहाड़ी मंदिर की सौन्दर्यीकरण कराने,तेलियाटुण्डा शिव मंदिर की सौन्दर्यीकरण कराने,चरकीटोंगरी हनुमान मंदिर की सौन्दर्यीकरण एवं घेराबंदी कराने,लक्ष्मणटुण्डा दुर्गा मंदिर की घेराबंदी एवं सौन्दर्गीकरण कराने,सीताराम ठाकुरबाड़ी लक्ष्मणटुंडा की सौन्दर्याकरण एवं घेराबंदी कराने, लक्ष्मणटुंडा पुरानी दुर्गा मंदिर की घेराबंदी कराने,लक्ष्मणटुण्डा बजरंगटांड़ की सौन्दर्यीकरण एवं घेराबंदी कराने,रांगामाटी मनोकामना धाम मंदिर की सौन्दर्गीकरण एवं पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने, डुगडुगिया हनुमान मंदिर की सौन्दर्यीकरण एवं पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने,रांगामाटी यादव टोला हनुमान मंदिर की घेराबंदी,सौन्दर्याकरण एवं पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने,गट्टीगढ़ा हनुमान मंदिर की घेराबंदी एवं पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने,इसरी बाजार दक्षिणी,पहाड़ी शिव मंदिर की घेराबंदी एवं सौन्दर्याकरण कराने,अरगाघाट स्थित सूर्य मंदिर की सौन्दर्याकरण,घेराबंदी,पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने, पंजाबी टोला हनुमान मंदिर की घेराबंदी,सौन्दर्थीकरण एवं पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने,इसरी राधा कृष्ण ठाकुरबाड़ी की सौन्दर्याकरण कराने,पारसनाथ स्टेशन के पीछे शिव मंदिर की सौन्दर्यीकरण कराने,इसरी के हटियाटांड़ दुर्गा मंदिर की सौन्दर्यीकरण कराने,बस स्टैण्ड हनुमान मंदिर की घेराबंदी एवं सौन्दर्यीकरण कराने,दुधपनिया की शमशान घाट की घेराबंदी,शेड निर्माण एवं पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने, मधगोपाली शमशान घाट में शेड निर्माण व घेराबंदी कराने,घुटवाली की शमशान घाट में शेड निर्माण एवं पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने,जामतारा पुल के पस श्मशान घाट,शेड निर्माण,घेराबंदी एवं पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने,जामतारा जमुनिया नदी में श्मशान घाट में शेड निर्माण,घेराबंदी एवं पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने,जामतारा पिपराडीह के श्मशान घाट में घेराबंदी एवं पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने,इसरी दक्षिणी की जमुनिया नदी के श्मशान घाट में शेड निर्माण एवं घेराबंदी,पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने,इसरी दक्षिणी स्थित मुक्तिधाम की घेराबंदी,शेड निर्माण एवं पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने,गट्टीगढ़ा की श्मशान घाट में शेड निर्माण, घेराबंदी एवं पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने, बजरंगटांड़ के पास श्मशान घाट में सौन्दर्गीकरण एवं पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है। बगजोगरा शमशान घाट की घेराबंदी,शेड निर्माण एवं पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने,तेलियाटुण्डा करमादाह शमशान घाट की घेराबंदी एवं पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने,महरामहुआ शमशान घाट की घेराबंदी, शेड निर्माण में पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने एवं मटियोबेड़ा श्मशान घाट की घेराबंदी, सौन्दर्गीकरण एवं पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है।

मित्रता हो तो श्री कृष्ण और सुदामा जैसी : त्रिदेव शास्त्री

धनबाद। गोविंदपुर के गोसाईंडीह में चल रही श्रीमद्भागवत कथा का समापह हो गया. कथा के अंतिम दिन कथा व्यास त्रिदेव शास्त्री ने मित्रता का मर्म समझाया. कहा कि मित्रता अगर देखनी हो तो श्री कृष्णा और सुदामा की देखें. एक महाराजा और दूसरा दरिद्र ब्राह्मण. दोनों की मित्रता अंतरात्मा से थी. लेकिन आज लोगों में दोस्ती कामर्शियल हो गई है. लेन-देन हो, व्यापार चलता हो तो मित्रता है, अन्यथा नहीं. व्यापार और लेन-देन छुटते ही मित्रता समाप्त हो जाती है. उन्होंने कहा कि सुदामा पोटली में चावल बांधकर श्री कृष्ण से मिलने द्वारिका गए थे. सुदामा को देखते ही श्री कृष्ण ने उनकी स्थिति जान ली थी. सुदामा जब वापस लौटने लगे, तो बार-बार कहा कि अब मैं जा रहा हूं. उन्हें लगा कि श्री कृष्ण जाते वक्त कुछ दे देंगे, पर इसके पहले ही श्री कृष्ण ने उनकी झोपड़ी को महल में बदल दिया था. जब सुदामा अपने घर पहुंचे तो झोपड़ी ढूंढने लगे, परंतु वह झोपड़ी थी ही नहीं.

सांसद पहुंचे क्रिकेट स्टेडियम, निरीक्षण कर लिया जायजा

स्टेडियम के वॉकिंग ट्रैक पर सोलर लाइट शीघ्र स्थापित करने का लिया निर्णय

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग

शहर के साकेतपुरी स्थित स्व. संजय सिंह क्रिकेट स्टेडियम का हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद सह हजारीबाग जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष मनीष जायसवाल ने संघ के सदस्यों के साथ निरीक्षण कर जायजा लिया। स्टेडियम के आस-पास के महिलाओं और बुजुर्गों के सुबह- शाम टहलने के लिए स्टेडियम के वॉकिंग ट्रैक पर शीघ्र ही सोलर लाइट स्थापित करने का निर्णय लिया जाएगा। एचडीसीए के निजी मद से यह कार्य किया जाएगा ताकि वॉकिंग ट्रैक की रोशनी बेहतर हो और यहां टलने वालों को सहूलियत हो। इस स्टेडियम को क्रिकेटरों के अनुरूप उन्नत क्रिकेट स्टेडियम के तौर पर विकसित किया गया है। ग्राउंड की हरियाली देखते ही बनती है और यहां नाइट टूर्नामेंट के लिए फ्लड लाइट भी अधिष्ठापित किया गया है। ग्राउंड का पवेलियन भी आकर्षक बनाया गया है। यहां राज्यस्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट का भी आयोजन हो रहा है। निरीक्षण के दौरान सांसद सह हजारीबाग जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष मनीष जायसवाल के साथ विशेषरूप से उनके हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, हजारीबाग जिला क्रिकेट संघ के सचिव राजेश तिवारी उर्फ बंटी, आशीष चौधरी, जयप्रकाश, मनोहर सिंह, विकास चौधरी, प्रमोद कुमार, सुविधा सिन्हा, सागरमय सरकार, खुर्शीद अलाम, अभिषेक जोशी, प्रवीण राय, रंजीत सिन्हा सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें ।

सुप्रभात

विचार प्रवाह

मानसिक दैनंदिनी रखना अच्छी बात है। रात में सोने से पहले थोड़ी देर के लिए बैठो और उस दिन पर पुनर्विचार करो। देखो कि तुम क्या बनते जा रहे हो। क्या तुम अपने जीवन के प्रवाह से प्रसन्न हो? यदि नहीं, तो इसे बदल डालो। **- श्री श्री परमहंस योगानंद**

संपादकीय

युद्ध रोकने की रणनीति

कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल, 2025 को पर्यटकों पर किए गए आतंकवादी हमले के जवाब में एक प्रभावी और निवारक प्रतिक्रिया जरूरी थी। सवाल यह था कि आखिर यह प्रतिक्रिया किस स्तर की होनी चाहिए? पूरे देश की ओर से 'बदला' और बड़े पैमाने पर प्रतिशोध का आह्वान किया गया। बहुत कम ही लोगों को इस बात का अहसास हुआ कि पहलगाम आतंकी हमले का जवाब भारत और पाकिस्तान के बीच पूर्ण युद्ध नहीं हो सकता। रूस-यूक्रेन युद्ध के शुरुआती दिनों में प्रधानमंत्री मोदी ने हस्तक्षेप करते हुए 16 सितंबर, 2022 को रूसी राष्ट्रपति पुतिन से कहा था, "यह युद्ध का युग नहीं है"। इन शब्दों ने जहां प्रधानमंत्री मोदी को पूरे विश्व में सराहना दिलाई, वहीं, भारत में उन्हें एक राजनेता और शांति कायम करने वाले नेता के रूप में प्रशंसा दिलाई। दुनिया के कई देशों ने पीएम की बातों को याद करते हुए निजी तौर पर भारत को सलाह भी दी। युद्ध शुरू न करने के और भी कारण थे पहला, रूस-यूक्रेन संघर्ष या इस्राइल-हमास संघर्ष के विपरीत, भारत-पाकिस्तान टकराव में खास बात यह थी कि दोनों पक्ष परमाणु शक्ति संपन्न थे। दूसरा, दुनिया युद्ध के प्रति असहिष्णु हो गई है। वर्तमान में चल रहे दो बड़े युद्धों में अब तक यूक्रेन में 13,000 और गाजा में 50,000 लोगों की जानें जा चुकी हैं। इसके अलावा रूस और इस्राइल में भी सैकड़ों लोग मारे गए हैं। ऐसे में दो परमाणु शक्तियों के बीच एक और बड़ा युद्ध विश्व की स्थिरता और अर्थव्यवस्था को विनाश के कगार पर ले आता। प्रधानमंत्री मोदी ने इन बाधाओं को महसूस करते हुए बुद्धिमानी से चुनिंदा लक्ष्यों तक सीमित और संतुलित सैन्य प्रतिक्रिया को चुना। मंगलवार, 7 मई 2025 को भारतीय सेना ने नौ लक्ष्यों (पाकिस्तान में 4 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 5) पर मिसाइल और ड्रोन दागे तथा आतंकवादी ठिकानों के बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया। यह पैमाने और समय दोनों के लिहाज से जानबूझकर किया गया सीमित अभियान था और इसने अपने उद्देश्य में सफलता भी हासिल की। यह आतंकवाद से पीड़ित एक देश की वैध प्रतिक्रिया थी। भारत ने जवाबी कार्रवाई में नागरिक बस्तियों या संपत्तियों को निशाना नहीं बनाया और न ही इसका लक्ष्य पाकिस्तान का सैन्य ढांचा था। यह तो माना ही जा रहा था कि पाकिस्तान इस पर प्रतिक्रिया देगा, सो पाकिस्तान ने सेना के जनरलों और आईएसआई के प्रभाव में आकर नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार गोलीबारी की। अगर पाकिस्तान ने बड़े पैमाने पर युद्ध शुरू कर दिया होता, तो उसे ओआईसी समेत कई देशों का कोपभाजन बनना पड़ता। हालांकि, यह मान लेना बेवकूफी होगी कि पाकिस्तानी सेना के प्रमुख आने वाले दिनों में और भी आक्रामक तरीके से जवाबी कार्रवाई नहीं करेंगे। इसके अलावा, यह मान लेना भी गलत होगा कि 7 मई को आतंकवादी ठिकानों पर किए गए हमले के बाद तीनों संगठन - द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ), लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) खत्म हो गए। उनका नेतृत्व अभी भी बरकरार है और पहले भी उन्होंने यह दिखाया है कि वे मारे गए नेताओं के स्थान पर नए नेताओं को सामने लाने में सक्षम हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि पाकिस्तान में ऐसे युवा भी हैं, जो भारत में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए भर्ती होने, प्रशिक्षित होने और प्रेरित होने के लिए तैयार हैं, जिसमें आत्मघाती बनना तक शामिल है।

दुनिया के कई देशों ने पीएम की बातों को याद करते हुए निजी तौर पर भारत को सलाह भी दी।

हर एक व्यक्ति नदी का एक द्वीप है!

हर व्यक्ति एक संपूर्ण इकाई है। हर कोई जीवन का अन्तिम दर्शन अपने जीवन से पाता है। वह किसी के सीख से सबक नहीं लेता है, बल्कि वह सीखता है- उन वेदनाओं में जो मांजती है, पीड़ा जो व्यस्क बनाती है, और धीरे-धीरे एक मुक्कमल आदमी बना देती है। समाज का अंग होते हुए भी हम उसी समाज की तीव्रगामी धाराओं, भंवरों और तरंगो के बीच अपने भीतर एक द्वीप की तरह लगातार बनते, बिगड़ते और फिर बनते रहते है। इस तरह हर व्यक्ति नदी के एक द्वीप की तरह है। जहां जीवन कभी-कभी तो सुंदर और खुशियों से भरा होता है, लेकिन उसकी सुंदरता ज्यादा समय तक नहीं रह पाती। हर समय उस द्वीप को खतरा बना रहता है, डूबने का। हम सबका जीवन भी ज्ञान, विचार, सीख और शब्दों की नदी में प्रवाहित होता रहता है। कब इस द्वीप का किनारा टूट जाए, पता नहीं होता है। ऐसे में जीवन खुद निरंतर बहते रहना है और उस बहाव के साथ खुद को जोड़कर बस आनंद में रहना है।

उत्कृष्टता की ओर आरोहण करने में अज्ञेय का साहित्य सर्वोपरि है। वह मनोवैज्ञानिक की भांति मानवीय चेतना के उदात्त भावों को उजागर करते हैं। व्यक्ति के चित्त पर चोट करते हैं और चिंतन को एक नये क्षितिज की ओर ले जाते हैं। उनका उपन्यास " नदी के द्वीप " हिंदी साहित्य के कुछेक बेहतरीन बौद्धिक दर्शन पर आधारित किताब है, जिसमें उन्होंने व्यक्ति के विकसित आत्म को निरुपित करने की सफल कोशिश की है। उनके उपन्यास " शेखर एक जीवनी "की संरचना और शिल्प विकासीशील व्यक्ति और उसकी व्यवस्थाओं के इर्द गिर्द रहीं, जबकि "नदी के द्वीप "का शिल्प आंतरिक रूप से विकसित व्यक्तियों के इर्द-गिर्द बुनी गई है। समाज के जिस अल्पसंख्यक हिस्से से इस उपन्यास के पात्रों का सम्बन्ध है, वह अपनी संवेदना की गहराई के चलते आज भी समाज की मुख्यधारा में नहीं है ! 'नदी के द्वीप' के चारों पत्र मानव-अनुभूति के उस संवेदना-प्रवण वर्ग की ईमानदार अभिव्यक्ति करते हैं ! 'इसके सामाजिक संसार के संबंध में खुद अज्ञेय कहते है कि-दर्द से मंजकर व्यक्तित्व का स्वतंत्र विकास, ऐसी स्वतंत्रता की उद्भावना जो दूसरे को भी स्वतंत्र करती हो! हिंदी साहित्य में कुछेक रचनाएं कालजयी और विश्व के उत्कृष्ट सृजन में स्थान रखते हैं, उनमें यह उपन्यास! 'नदी के द्वीप' निश्चित रहेगा। इसे चार प्रमुख किरदारों भुवन, गौरा, रेखा और चन्द्रमाधव के जीवन को केंद्र पर रख कर लिखा गया है। यह एक प्रेम कहानी है जहाँ रेखा और गौरा भुवन से प्यार करते हैं और उसके जीवनशैली से बहुत हद तक प्रभावित होते हैं। दोनों ही के जीवन में उसका आगमन बहुत अलग तरह से होता है। रेखा से उसकी मुलाकात उसके मित्र चन्द्रमाधव के माध्यम से होती है जो मूलतः एक पत्रकार होता है और साहित्य जगत से जुड़ा होता है। वहीं भुवन कॉस्मिक रश्मियों पर शोध करने वाला देश का उभरता हुआ एक वैज्ञानिक होता है। गौरा से उसका पुराना परिचय रहता है। भुवन एक मास्टर के रूप में बचपन से उसे हिडिम्बा के नाम से चिढ़ाया करता है तथा जीवन के मुश्किल क्षणों में उसका मार्गदर्शन करता रहता है। चन्द्रमाधव स्वभाव से कुटिल होता है और रेखा से प्रेम कर बैठता है परंतु रेखा को भुवन की और आकर्षित होते देख उसके सीने पर साँप लौटने लगते हैं और वो खुद को महान बताने के प्रयास में जो भी कदम उठाता है वो सब पैतरे उसपर ही भारी पड़ते हैं।

अज्ञेय के इस उपन्यास को पढ़ते हुए विश्व विख्यात उपन्यासकार फ्योदोर दोस्तोवास्की के उपन्यास " ब्रदर्स कार्मोझोव " का स्मरण हो आया। इसमें भी चार पात्रों के इर्द गिर्द कथाएं घूमती हैं। दोस्तोवास्की चार भाईयों की अंतर्कथाओं के माध्यम से बेइंतहा प्यार, कत्ल और आध्यात्मिक खोज की यात्रा कराते हैं। यहां अर्थपूर्ण है कि खुद दोस्तोवास्की अपना नाम फ्योदोर कर्मोझोव और उसके चार पुत्र को देते है। इसमें सबसे छोटा उपन्यास का नायक है। मनुष्य और उसकी समस्याओं के प्रति उनकी अंतदृष्टि किसी मनोचिकित्सक से बेहतरीन है। अज्ञेय भी अपने उपन्यास में एक लेखक से ज्यादा मनोवैज्ञानिक के रूप में समसामयिक एवं भविष्य का मानसचिंतन करते हैं। " ब्रदर्स कार्मोझोव " में एक पात्र कहता है कि यदि ईश्वर होगा, तो मैं अपना टिकट वापस कर दूंगा। तुने मुझसे पूछे बैगर मुझे इस धरती पर क्यों भेजा ? इसी प्रकार अज्ञेय के उपन्यास में चित्त के उलझन और ज्ञान की पहेलियों के कई छोटे-छोटे द्वीप हैं। उस प्रवाह से घिरे हुए भी, उससे कटे हुए भी। भूमि से बँधे और स्थिर भी, पर प्रवाह में सर्वदा असहाय भी...। एक पात्र एक जगह कहता है कि तुमने एक ही बार वेदना में मुझे जना था, माँ । पर मैं बार बार अपने को जनता हूँ, और मरता हूँ। पुनः जनता हूँ और पुनः मरता हूँ और फिर जनता हूँ, क्योंकि वेदना में मैं अपनी ही माँ हूँ। मानवीय संबंधों के उलझे जाल को प्रकट करने के लिए फ्योदोर दोस्तोवास्की को 936 पन्नें खर्च करने पड़े, जबकि अज्ञेय को 310 पन्नों में उकेरना पड़ा। क्या अज्ञेय के इस उपन्यास पर फ्योदोर दोस्तोवास्की के उपन्यास का प्रभाव था ? कहना कठिन है, लेकिन दो उपन्यास कालजयी है।

आज की बात

डॉ मयंक मुरारी

अज्ञेय की दृष्टि तत्कालीन घटनाओं से ज्यादा व्यक्ति की आंतरिक चिंतन धारा और मानसिक उथल-पुथल पर अधिक होती है। वह खोजते है कि आदमी अपने अंदर से एक सदी में भी कहां बदला है ? अज्ञेय से लगाव इसलिए है क्योंकि वह घटनाओं के बारे में उतना नहीं लिखते। वह अंतर मन के बारे में लिखते हैं। वह कहते है कि आनंद अनुभूति में नहीं है, किसी भी अनुभूति में नहीं, आनंद मन की एक प्रवृति है, जो सभी अनुभूतियों के बीच बनी रह सकती है। जब भुवन रेखा के सामने शादी का प्रस्ताव रखता है तो वो बेबाक होकर अपनी राय रखती है और बोलती है कि यह घटना परिमामस्वारूप हुई है ना कि कारणस्वरूप अगर आप मेरे साथ रात ना गुजारते तो शायद आप ये मांग ना रखते ।मुझे आपसे बस प्रेम चाहिए। इस उपन्यास में कोई केंद्रीय पात्र नहीं है, बल्कि नदी के द्वीप में चारों किरदारों की भूमिका, उनका जीवन चरित्र परिस्थितियों के अनुकूल किया गया है। किसी एक को प्रधान मान कर उसे महान बताने की चेष्ठा नहीं की गई है और पाठकों को ये सुविधा दी गयी है कि वो हर किरदार का अपने विवेक के अनुरूप आँकलन कर सकें। इस कहानी के संवाद बहुत गहरे, जटिल और सभ्य तरीके से पेश किए गए हैं। कुछ संवाद भावविभोर कर रख देते हैं तो कुछ संवाद दर्शन की गूढ़ विचार है।

अपने इस उपन्यास के माध्यम से अज्ञेय ने प्रेम कहानी की धारा को बदल दिया। प्रेम कहानी के साथ साथ सामाजिक मुद्दे और मनोवैज्ञानिक स्तर पर ये उपन्यास बहुत अहम सवाल खड़ा करता है और सोचने पर विवश करता है। एक जगह वर्णन है कि-असल में सब सिद्धान्त क्षतिपूरक होते हैं। आप जो हैं, जैसे हैं, उससे ठीक उल्टा सिद्धान्त गढ़ कर उसका प्रचार करते फिरते हैं। इससे एक तो हम अपने लिए एक सन्तुलन स्थापित कर लेते हैं, दूसरे औरों को गलत लीक पर डाल देते हैं, ताकि खुद को ठीक-ठीक कोई पकड़ न पा सके। यह जीवन की सच्चाई है, जिसे मानते सभी है लेकिन स्वीकार कोई बिरला ही कर पाता है। रेखा और भुवन दोनों ही इसके सश्क्त उदाहरण हैं, जो लोगों को अपने मन में चल रही बातों से अवगत कराना पसंद नहीं करते हैं और हर बार एक नई थ्योरी को जन्म देकर लोगों को मन के भीतर झाँकने वाले द्वार से भटकाते रहते हैं। रेखा को हम "गुनाओं का देवता" के पम्मी से भी जोड़ कर देख सकते हैं और दोनों किरदारों की समानता और विचार सशक्त नारी का एक बेजोड़ नमूना दिखा जायेंगे। रेखा शुरू से अंत तक किस्मत की मारी स्त्री तो है किंतु टूटी हुई और दुर्लभ स्त्री नहीं है। वह बताती है कि प्रेम ऐसी भावना है कि जिस पर हर एक का निजी अधिकार और अनुभव होता है। अनवरत चलने वाली प्रक्रिया है प्रेम। आदर्शों को परे धकेलते हुए। जीवन प्रेम में होने का पर्याय है। फिर प्रेम देह से हो या देह की स्मृति से।

इस किताब के बारे में दार्शनिक ओशो ने कहा कि यह उपन्यास उन लोगों के लिए है जो ध्यान करना चाहते हैं। यह ध्यानी का उपन्यास है। टॉल्स्टॉय या चेखक द्वारा लिखे गए किसी भी अन्य उपन्यास की तुलना इससे नहीं की जात सकती है। इसलिए यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह हिंदी में लिखा गया है। ओशो का कहना तब सही लगता है जब इस किताब को पढ़ते हुए हम मानवीय अभिव्यक्ति की दिव्य ऊंचाई पर पहुंच जाते हैं, जब एक बार भुवन रूकते हैं और अपनी प्रेमिका के शरीर को अपनी बांहों में लेने के उस सबसे प्रतीक्षित क्षण से ठीक पहले ये शब्द कहते हैं- चलो ऐसा न करें... चलो अछूते की सुंदरता को वैसे ही रहने दें और इसे खराब न करें। इस किताब का नाम 'नदी के द्वीप' बहुत समीचीन प्रतीत होता है। पात्र एक दूसरे को देखते हैं, बात करते हैं, लेकिन कभी मिलते नहीं है। इससे उनके बीच के दिव्य प्रेम अक्षुण्ण रहती है।

(यह आलेख साहित्यकार अज्ञेय के उपन्यास "नदी के द्वीप" पर आधारित है।)

युद्धरत आम आदमी मांग रहा हिसाब

पाकिस्तान एक बार फिर अपने नापाक इरादों को लेकर बेनकाब हो गया है। आतंकी संगठन उसकी गोद में पल रहे हैं, और वह खुद को मासूम दिखाने की कोशिश में वैश्विक मंचों पर दोगलापन ओढ़े हुए है। हाल की घटनाओं में निर्दोष पर्यटकों पर हुए हमले ने न केवल भारत को झकझोर दिया है, बल्कि एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि आतंकवाद पाकिस्तान की सरकारी नीति बन चुका है। घटनाओं की श्रृंखला में जम्मू-कश्मीर में हुए ताजा आतंकी हमले में मासूम पर्यटकों की निर्मम हत्या हुई। न कोई वर्दी थी, न कोई बंदूक केवल भारत से प्रेम लेकर वह धरती देखने आए थे। लेकिन पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद ने उनकी सांसें छीन लीं। उनके पीछे रोती मांएं, टूटती मांगें, बेसहारा बच्चे और सुन्न पिता रह गए। सरकार ने तुरंत 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया और अब भारतीय सेना जवाब दे रही है, उसी भाषा में जिसमें पाकिस्तान समझता है। मगर इस पूरे परिदृश्य में जो सबसे ज्यादा घायल है, वह है भारत का आम आदमी। वह जो रोज रोटी के लिए मेहनत करता है, अब देश की रक्षा की कीमत भी चुका रहा है। वह जानना चाहता है, आखिर ये सिलसिला कब रुकेगा? क्यों आतंक की जड़ें खत्म नहीं हो रहीं? आखिर कितनी और चिताएं जलेंगी? कितने और शव तिरंगे में लिपटेंगे? भारत का मुसलमान भी इस युद्ध में दोहरी पीड़ा झेल रहा है। एक ओर वह भारत का वफादार नागरिक है जिसने गंगा-जमुनी तहज़ीब को जिया है, और देश की हर लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर साथ दिया है। दूसरी ओर, पाकिस्तान उसकी धार्मिक पहचान का गलत इस्तेमाल कर उसे शक की नजरों में लाने की साजिश कर रहा है। यह खतरनाक है। आतंक का कोई धर्म नहीं होता, और न ही कोई मजहब मानवता की हत्या का समर्थन करता है। पाकिस्तान की सोच अब भी 1947 में अटकी हुई है। वहां की फौज, वहां के कट्टरपंथी नेता और आईएसआई, सभी इस्लाम के नाम पर नफरत का कारोबार चला रहे हैं। वे भारत को अस्थिर करने के लिए हर दिन कोई नई साजिश रचते हैं। लेकिन भारत अब 21वीं सदी का भारत है, जो संयम भी रखता है और जरूरत पड़ने पर "सर्जिकल स्ट्राइक" और बालाकोट की तरह हमला भी करता है। घर में घुसकर मारता है। दुनिया के नक्शे पर भारत ने यह साबित कर दिया है कि आतंकवाद के खिलाफ उसकी नीति "जीरो टॉलरेंस" की है। लेकिन सिर्फ सैनिक कार्रवाई काफी नहीं हमें एक बड़ी रणनीतिक, वैचारिक और कूटनीतिक लड़ाई भी लड़नी होगी। और इसमें सबसे बड़ी भूमिका है देश के नागरिकों की। भारत का आम आदमी अब चुप नहीं है। वह सवाल कर रहा है।

आपकी बात

डॉ. दीपक प्रसाद
रंगकर्मी, निर्देशक
सहायक आचार्य

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

"ऑपरेशन सिंदूर : संघर्ष विराम में ही छुपा हुआ है कल्पना से भी बड़ी सजा का रहस्य"

पहलगाम में हुए कायराना हमले और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जारी तनातनी के बीच भारत पाकिस्तान के बीच विगत दस मई को संघर्ष विराम की अनपेक्षित सूचना आ गई। इस सूचना के सार्वजनिक होते ही भारत के आम लोगों में स्पष्ट तौर पर नाराजगी देखने को मिली। इसको लेकर कहीं से प्रदर्शन वगैरह के समाचार तो नहीं आए परन्तु सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लोगों की भरपूर नाराजगी दर्ज की गई। इस नाराजगी के अपने कारण हैं जबकि संघर्ष विराम की यह सूचना "कल्पना से भी बड़ी सजा देने" वाली घोषणा के बिल्कुल उलट था और ऐसा पहली बार हुआ जब भारत के बजाय अमेरिका की तरफ से ऐसी कोई घोषणा सामने आई। अमेरिकी राष्ट्रपति की घोषणा के बाद भारत ने भी इसपर सहमति जता दी जबकि विगत तीन दिनों चली आ रही लड़ाई में भारतीय सेना के द्वारा बढ़त हासिल करने के बावजूद संघर्ष विराम को लेकर अपनाए गए इस तरीके पर सवाल उठ रहे थे। संघर्ष विराम की यह घोषणा पाकिस्तान के लिए भी थे और समाचार यह आया कि पाकिस्तान की गुहार के बाद ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दोनों देशों के बीच सहमति बनाने की यह कोशिश की है। अब सच्चाई कुछ भी हो, इस संघर्ष विराम के लिए दस मई के शाम पाँच बजे की डेडलाइन तय की गई थी। निर्धारित समय पर यह लागू भी हो गया और एक बार यह लगने लगा कि भारतीय संकल्प पूरा होने के पहले ही भारत अब विश्राम के लिए बाध्य होने वाला है। लेकिन नहीं, पटकथा की कहानी अभी बाकी थी और महज चार पाँच घंटों बाद ही बुरी तरह से पीटे जाने के बावजूद पाकिस्तान ने फिर से हमले शुरू कर दिये। संघर्ष विराम के निर्धारित संकल्प के विरुद्ध जाकर किए जा रहे इस हरकत ने सबको न केवल आश्चर्य में डाल दिया बल्कि भारतीय हुक्मरानों के लिए अपनी साख बचाए रखने की एक बड़ी चुनौती सामने रख दी। ऐसा इसलिए कि पहलगाम घटना के बाद का यह पूरा कालखंड बहुत संवेदनशील रहा है। उल्लेखनीय है कि इस तरह की परिस्थितियों के कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं और इस संदर्भ में तुरंत किसी प्रकार का कोई निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है। प्रसंगवश पहला विषय तो यह है कि संघर्षविराम के पहले से ही पाकिस्तान-चीन गठजोड़ की बातें सार्वजनिक पटल पर हैं। इन दोनों देशों के सहसंबंध के अनेकों कारण हो सकते हैं परंतु पहला कारण तो यही है कि आर्थिक मोर्चे पर आज भारत व चीन न केवल परस्पर प्रतियोगी हैं बल्कि यह चीन की एक बड़ी चिंता का कारण बना हुआ है। ऐसे में निरंतर आगे की ओर बढ़ते भारतीय अर्थव्यवस्था से भयभीत चीन के पास किसी छद्म युद्ध के माध्यम से भारतीय अश्वमेध के घोड़े को रोकने के लिए पाकिस्तान से अच्छा टूलकिट शायद ही मिल पाता। नतीजा सामने है और पाकिस्तान की राजनैतिक महत्वाकांक्षा के विरुद्ध वहाँ के लिए शक्तिशाली समझे जाने वाले सेना ने चीन के भरोसे संघर्ष विराम की उपेक्षा का निर्णय लेकर फिर से गोलीबारी शुरू कर दी। इस लड़ाई के दीर्घकालीन नतीजे क्या होंगे यह भविष्य के गर्भ में छिपा हुआ विषय है परन्तु तात्कालिक स्तर पर अवधारणा यही बन रही है कि पाकिस्तान में जारी सत्ता संघर्ष, राजनैतिक नेतृत्व के बौनेपन और चीन की शह पर नाचने की उसकी फितरत के कारण ही उसने इस तरह के आत्मघाती कदम को अंगीकार कर लिया है। इस अवधारणा के और भी कारण हो सकते हैं जबकि जमीनी हकीकत यही है कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में कोई किसी का हमदर्द नहीं होता। इसी तरह इतिहास इस बात का गवाह रहा है कि चीन कभी भी किसी के लिए भरोसेमंद साथी नहीं रहा है। ऐसे में चीन के भरोसे ताल ठोक रहे जनरल मुनीर के साथ क्या कुछ होनेवाला है, इसकी भविष्यवाणी करनी अभी जल्दबाजी होगी। आब समाचार है कि संघर्ष विराम के बावजूद भारत व पाकिस्तान के दरम्यान सोमवार को डायरेक्टर जनरल (मिलीट्री ऑपरेशंस) स्तर की बातचीत फिर से शुरू हो रही है। तय एजेंडे के अनुसार यह बैठक दोनों देशों के सैनिक-गतिविधियों तक ही सीमित रहेगी और इस बातचीत में भविष्य के लिए द्विपक्षीय मंच की संभावना भी नजर आ रही है। इधर पेंच यह है कि इसके एजेंडे में कहीं भी सिंधु जल-संधि को निष्क्रिय करने संबंधी भारतीय घोषणा की कोई चर्चा ही नहीं है।

देश की बात

केदारनाथ दास

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

फेसबुक वॉल से

एक्स से

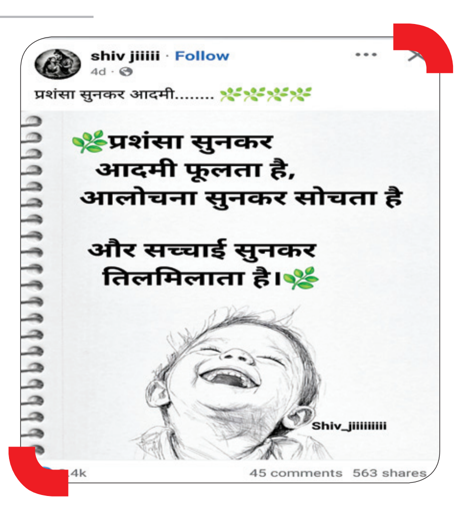

आज का दोहा

कहता था वह शेर है, भौं भौं किया हमेश।
धांय धांय का देश अब, हाय हाय का देश।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

लिंगभेद व विकास की अवधारणा

लैंगिक(जेंडर) विकास की अवधारणा प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा, आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक भागीदारी के साथ सशक्त बनाने के बारे में है। यह सोचना होगा कि लिंग विकास प्रक्रियाओं को कैसे प्रभावित करता है? यह विकास प्रक्रिया कैसे सभी लिंगों को सशक्त बनाती है और समानता को बढ़ावा देती है। 1970 में समाज निर्माण में महिलाओं की भूमिका पर जोर देने के लिए विकास में महिलाओं (डब्ल्यूआईडी,उमेन ईनडेवलपमेंट) की अवधारणा बनाई गई थी। फिर 1980 के दशक में, पुरुषों और महिलाओं के बीच सामाजिक संबंधों पर जोर देने के लिए लिंग और विकास (जीएडी,जेंडरएनडडेवलपमेंट) की एक अलग अवधारणा उभरी। इसका उद्देश्य समान शक्ति और स्थिति का हस्तांतरण करना था। इसलिए देश के विकास में पुरुष और महिला दोनों का योगदान है। जब हम लिंग(जेंडर) के बारे में बात करते हैं तो हम आम तौर पर लैंगिक समानता के बारे में सोचते हैं जो सभी व्यक्तियों के लिए समान अवसर चाहे वाहकी भी जाति, लिंग, या शिक्षा के स्तर का हो उसे सभी संसाधनों की सुविधा मिलनी चाहिए। लैंगिक समानता का अर्थ सभी को उनकी आवश्यकता और इच्छा के अनुसार समान अवसर देना है। लिंग केवल पुरुष और महिला ही नहीं बल्कि ट्रांसजेंडर जैसे अन्य लिंग भी होते हैं जिन्हे तृतीय लिंग (थर्ड जेंडर) कहा जाता है। इसे सुप्रीम कोर्ट से मान्यता भी प्राप्त है। हमें समझना होगा की लैंगिक (जेंडर) और यौनिक (सेक्स) पहचान अलग होती है। अमेरिका जहां आज अलग लिंग को मान्यता देने से इनकार करता है, वहीं भारत इसके विपरीत अलग लिंग को बदावा दे रहा है। अक्टूबर 2024 में बिहार ने पुलिस बल में तीन ट्रांसजेंडरों को नियुक्त करने वाला भारत का पहला राज्य बनकर ऐतिहासिक मिसाल कायम की है। जीएडी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमें उन सामाजिक मानदंडों और शक्ति संरचनाओं का विश्लेषण करने में मदद करता है जो पुरुषों और महिलाओं को प्रभावित करते हैं। निश्चित रूप से, महिलाएं और अन्य लिंग, पुरुषों की तुलना में अधिक दबे हुए और गरीब हैं। लिंग और विकास की अवधारणा पदानुक्रमित और मातृसत्तात्मक संरचनाओंको नहीं मानती या उसे बरखास्त करती है। जीएडी महिलाओं की उत्पादक और प्रजनन सेवाओं के बारे में बात करता है। महिला की प्रजनन सेवाओं की उपेक्षा करके केवल उसकी उत्पादक सेवाओं को ही ध्यान में रखा जाता है। इसलिए जीएडी इस बात पर जोर देता है कि महिलाओं की प्रजनन सेवाओं को मान्यता दी जानी चाहिए। लिंग और विकास महिलाओं को केवल विकास प्राप्तकर्ता के बजाय परिवर्तन के प्रतिनिधि के रूप में देखता है। जीएडी का कहना है कि महिलाएं अपनी जाति, संस्कृति और औपनिवेशिक इतिहास के आधार पर अलग-अलग तरह से उत्पीड़न का अनुभव करती हैं। इसमें कहा गया है कि दुनिया भर में सभी महिलाओं को एक जैसी स्थिति का सामना नहीं करना पड़ता है। यह उनके समाज और संस्कृति पर निर्भर करता है। लेकिन कुल मिलाकर महिलाएं खुद को दबा हुआ महसूस करती हैं। यह राजनीतिकरण, समाजीकरण और आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी के बारे में बात करता है। महिलाएं न केवल घरेलू गतिविधियों में बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी योगदान देती हैं। यह महिलाओं और अन्य लिंगों के कानूनी अधिकारों और स्वतंत्रता के बारे में बात करता है।दशकों बाद भी समाज पितृसत्तात्मक है। केवल लिंग को मुख्यधारा में लाने से महिलाओं का विकास सुनिश्चित नहीं होगा। लैंगिक भेदभाव के प्रति लोगों की मानसिकता बदलनी होगी। झारखंड सरकार ने महिलाओं को बढ़ावा देने और सशक्त बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। "मुख्यमंत्री राज्य निराश्रित महिला सम्मान पेंशन योजना"। यह योजना झारखंड सरकार के महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा शुरू की गई है। यह एक प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना है। तो लाभ सीधे लाभार्थी के खाते में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। जिन महिलाओं के पति की मृत्यु हो गई हो, जिन महिलाओं को उनके पतियों ने छोड़ दिया हो या 45 वर्ष से अधिक उम्र की एकल महिलाएं हों, उन्हें 1000 रुपये दिए जाएंगे। महिला सशक्तिकरण के लिए झारखंड सरकार द्वारा कई अन्य योजनाएं चलाई जा रही हैं जैसे "मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना", "विधवा पुनर्विवाह प्रोत्साहन योजना" और "उदयोगिनी" योजना , जो समाज में परिवर्तन लाने का प्रयास है।

अलग बात

ले कर्नल अभिषेक कुमार
आयुध अधिकारी
भारतीय सेना

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर में नारियल, माला और प्रसाद चढ़ाने पर प्रतिबंध

मुंबई (आईएएनएस)

मुंबई के प्रभादेवी इलाके स्थित प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की। मंदिर प्रबंधन ने सुरक्षा कारणों से 11 मई से मंदिर में नारियल, माला और प्रसाद चढ़ाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। इस निर्णय का मुख्य उद्देश्य मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना है। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए यह कदम उठाया गया है, ताकि किसी भी संभावित खतरे को रोका जा सके। सिद्धिविनायक मंदिर गणपति बप्पा के भक्तों के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र है, रोजाना हजारों श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। यहां भक्त अपनी मनोकामनाओं के लिए बप्पा के दर्शन करने आते हैं। लेकिन अब, मंदिर में प्रवेश करने वाले श्रद्धालुओं को बिना किसी हार-माला, नारियल या प्रसाद के दर्शन करने होंगे। मंदिर प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के लिए लिया गया है। मंदिर परिसर में भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा जांच को और प्रभावी बनाने के लिए यह कदम जरूरी था। मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं ने इस फैसले का खुले दिल से स्वागत किया है। कई भक्तों का कहना है कि भगवान के दर्शन के लिए केवल साफ मन और सच्ची श्रद्धा की आवश्यकता होती है। एक श्रद्धालु ने कहा, "बप्पा के सामने मन की शुद्धता ही सबसे बड़ी भेंट है। सुरक्षा के लिए मंदिर प्रशासन का यह फैसला स्वागत योग्य है।

"सुरक्षा पहले: सिद्धिविनायक में नए नियमों के बीच श्रद्धालुओं की आस्था अडिग"

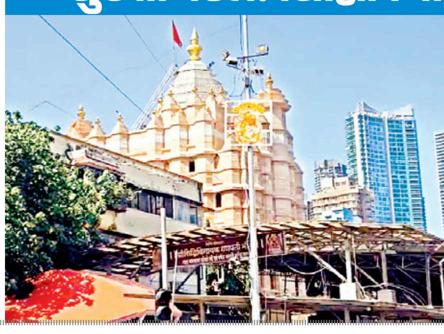

श्रद्धालु सुनीता शर्मा ने बताया, "हमें बप्पा के दर्शन से ही सुकून मिलता है। अगर सुरक्षा के लिए यह नियम बनाया गया है, तो हम इसका सम्मान करते हैं। मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे इस नए नियम का पालन करें और मंदिर परिसर में किसी भी प्रकार की असुविधा से बचें। इसके साथ ही, मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाई गई है और प्रवेश द्वार पर कड़ी जांच की जा रही है। यह निर्णय न केवल सिद्धिविनायक मंदिर की सुरक्षा को सुनिश्चित करेगा, बल्कि अन्य धार्मिक स्थलों के लिए भी एक उदाहरण प्रस्तुत कर सकता है। सिद्धिविनायक मंदिर में बप्पा के दर्शन के लिए अब भी भक्तों का उत्साह कम नहीं हुआ है और वे इस बदलाव के साथ अपनी आस्था को और मजबूत कर रहे हैं।

भारतीय सेना पर लोगों को गर्व है व देश के नेतृत्व पर भरोसा है

पटना (आईएएनएस)

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बाद सीजफायर की घोषणा को लेकर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि भारत के लोगों को अपनी सेना पर गर्व है जिसने अपने शौर्य को एक बार दिखा दिया।

उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भारत के लोगों को अपने नेतृत्व पर भरोसा है। भारतीय सेना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश का सिर ऊंचा किया है। हम गर्व से कहते हैं कि हम हिंदुस्तानी हैं। कांग्रेस नेता और पूर्व गृह मंत्री पी. चिदंबरम के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की तारीफ किए जाने पर उन्होंने कहा कि यह समय ऐसा है, जो देश के खिलाफ बोलेगा, जनता उसे स्वीकार नहीं करेगी। चिदंबरम ने जो कहा है, देश का मिजाज वैसा ही है। विपक्ष द्वारा 'ऑपरेशन सिंदूर' पर संसद का विशेष सत्र बुलाने पर भाजपा नेता गिरिराज सिंह ने कहा कि देश की जनता ने जो मांग की उसको प्रधानमंत्री ने पूरा कर दिया है। आतंकी हमले को देश के खिलाफ हमला बताए जाने की शर्तों को लेकर उन्होंने कहा कि इससे बड़ी बात कुछ हो भी नहीं सकती है। कुछ लोग प्रधानमंत्री के खिलाफ कहते रहेंगे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की सेवा करते रहेंगे।

बता दें कि पिछले महीने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के बाद देश आक्रोशित था। इस घटना के बाद देशभर में बदले और बड़ी सैन्य कार्रवाई की मांग उठने लगी।

अरुण साव बोले- सिंदूर सिर्फ रंग नहीं, भारत की आत्मा है

रायपुर (आईएएनएस)

भारत-पाक के बीच तीन दिनों तक चले लंबे संघर्ष के बाद शनिवार को सीजफायर की घोषणा हुई। सीजफायर पर कांग्रेस के सवालों पर छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार और हमारी सेना ने पूरी दुनिया को दिखाया कि भारत में सिंदूर की क्या कीमत होती है।

रविवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन सिंदूर की बड़ी जीत यह है कि अब पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी हमलों को युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और भारत उसी के अनुसार सैन्य कार्रवाई के साथ जवाब देने के लिए स्वतंत्र होगा। यह भारत के लिए एक बड़ी जीत है और देश के पक्ष में एक महत्वपूर्ण निर्णय है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने कई ऐतिहासिक फैसले लिए। सिंधु जल संधि निलंबित की गई। पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा निरस्त किया गया। ऑपरेशन सिंदूर को जिस प्रकार से अंजाम दिया गया। यह हमारी बहुत बड़ी जीत है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान के अंदर 100 किलोमीटर जाकर उसके 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया। सेना के इस ऑपरेशन में 100 से अधिक आतंकी मारे गए।

पीएम मोदी ने की उच्च स्तरीय बैठक

रक्षा मंत्री और एनएसए समेत तीनों सेनाओं के प्रमुख रहे मौजूद

नई दिल्ली (आईएएनएस)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने आवास पर शीर्ष रक्षा अधिकारियों के साथ एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुख मौजूद रहे। यह बैठक पाकिस्तान के साथ सीमा पर तनावपूर्ण शांति के बीच हुई, जहां फिलहाल संघर्ष विराम के उल्लंघन की कोई नई घटना सामने नहीं आई है। दरअसल, शनिवार को पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया, लेकिन रात में शांति रही। इससे पहले, पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का पालन करने को लेकर प्रतिबद्धता जताई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को संघर्ष विराम की घोषणा की थी और नई दिल्ली ने कहा कि भारत और पाकिस्तान ने गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बना ली है।

इस बीच, विदेश मंत्री जयशंकर ने स्पष्ट तौर पर कहा कि भारत आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ दृढ़ और अडिग रुख बनाए रखा है और ऐसा करना जारी रखेगा। हालांकि, पाकिस्तान ने भारत के कड़े जवाब के बाद अमेरिका से शांति की मध्यस्थता की मांग की थी। इसके बाद उसने भी संघर्ष विराम की घोषणा की, लेकिन बाद में फिर से उल्लंघन किया। भारत ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइल भेजना बंद कर दिया। भारत ने स्पष्ट रूप से कहा कि श्रीनगर, गुजरात के कुछ हिस्सों और राजस्थान के बाड़मेर सहित जम्मू और कश्मीर के विभिन्न स्थानों पर पाकिस्तानी ड्रोन देखे गए, जिसके बाद उन्हें रोका गया। इतना ही नहीं, कई सीमावर्ती क्षेत्रों में फिर से ब्लैकआउट करना पड़ा। भारत ने कहा कि पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया है और भारतीय सशस्त्र बल इसका उचित और कड़ा जवाब दे रहे हैं। शनिवार देर रात प्रेस ब्रीफिंग में विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा कि भारत ने इन उल्लंघनों को बेहद गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा, "हम पाकिस्तान से आग्रह करते हैं कि वह इन उल्लंघनों को रोकने और स्थिति को गंभीरता तथा जिम्मेदारी से संभालने के लिए उचित कदम उठाए। सशस्त्र बल स्थिति पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं और उन्हें अंतरराष्ट्रीय सीमा व नियंत्रण रेखा पर किसी भी उल्लंघन का कड़ाई से जवाब देने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

केंद्र सीमावर्ती इलाकों में टेक्निकल और साइंटिफिक इंस्टॉलेशन की सुरक्षा बढ़ाएगा

नई दिल्ली (आईएएनएस)। केंद्र सरकार ने सीमा सटे जम्मू और कश्मीर, पंजाब, चंडीगढ़, राजस्थान और गुजरात के उत्तर-पश्चिम इलाकों में मौजूद टेक्निकल और साइंटिफिक इंस्टॉलेशन की सुरक्षा को अपग्रेड करने का निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त श्रीनगर और लेह में महत्वपूर्ण आईएमडी इंस्टॉलेशन की सुरक्षा भी बढ़ाई जाएगी। केंद्रीय साइंस एवं टेक्नोलॉजी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ जितेंद्र सिंह ने मौजूदा सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर देश भर में टेक्निकल और साइंटिफिक इंस्टॉलेशन की सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों और साइंटिफिक एवं टेक्निकल विभागों के प्रमुखों के साथ एक उच्च स्तरीय संयुक्त बैठक बुलाई थी। इस बैठक का फोकस विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर, पंजाब, लद्दाख और भारत के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के सीमावर्ती और संवेदनशील क्षेत्रों में रिसर्च और साइंटिफिक सुविधाओं की सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा पर था।

केंद्रीय मंत्री ने विशेष रूप से सीएसआईआर- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिसन (आईआईआईएम), जम्मू, सीएसआईआर-सेंट्रल साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंट ऑर्गेनाइजेशन (सीएसआईओ), चंडीगढ़, सीएसआईआर-केंद्रीय लेदर रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीएलआरआई), जालंधर और अन्य प्रमुख संस्थाओं के साथ श्रीनगर में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) इंस्टॉलेशन, लद्दाख और आसपास के क्षेत्रों में अर्थ साइंस रिसर्च स्टेशनों की तैयारियों और सुरक्षा तंत्र की समीक्षा की।

अमेरिकी दबाव में सरकार झुकी पीओके हाथ से निकला: राशिद

नई दिल्ली (आईएएनएस)

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राशिद अल्वी ने भारत-पाक संघर्ष के बीच सीजफायर की घोषणा के बाद केंद्र सरकार पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने अमेरिका के दबाव में सीजफायर किया। ऐसा करने की जरूरत नहीं थी और हमने ऐसा करके पीओके को वापस हासिल करने का सुनहरा अवसर गंवा दिया।

रविवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान राशिद अल्वी ने कहा कि जब पूरा देश एक साथ होकर भारत सरकार के साथ आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए खड़ा था तो ऐसे समय में भारत ने अमेरिका में दबाव में सीजफायर किया। तीन दिनों में हमारी सेना ने पूरी दुनिया को अपनी ताकत दिखाई। लेकिन क्या भारत सरकार ने वो मकसद हासिल कर लिया, जिसके लिए यह सब कुछ किया गया था। भारत सरकार ने सीजफायर की घोषणा की, लेकिन क्या इस फैसले से पहले उन्हें सभी राजनीतिक दलों से एक बार विचार-विमर्श नहीं करना चाहिए था? उन्होंने कहा कि आज पूरा देश सरकार के साथ है। हमारी सेना तैयार है, लेकिन पीओके पाकिस्तान के पास रह गया। हमें उसे लेना चाहिए था। इससे बेहतर मौका और नहीं हो सकता था। अमेरिका के दबाव में हमें सीजफायर नहीं करना चाहिए था।

यह दर्द असहनीय, हमारी कोशिश जंग खत्म करने की होगी : महबूबा

श्रीनगर (आईएएनएस)

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने रविवार को सरहद पार से हुई गोलीबारी में घायल हुए लोगों से अस्पताल जाकर मुलाकात की। इस दौरान महबूबा मुफ्ती ने घायलों का हाल जाना और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि यह दर्द राजनीति नहीं है, यह मानवीय है और यह असहनीय है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने एक बयान में कहा, "हमारे घायल अस्पतालों में हैं। हमारे परिवार आश्रय स्थलों में डरे हुए हैं। हमारे घर मलबे में तब्दील हो गए हैं, इसलिए कश्मीर शांति की पुकार करता है, युद्ध की नहीं। उन्होंने आगे कहा, "जो युद्ध की बात करते हैं, वे हमारे बच्चों को रोते हुए नहीं सुनते और वे हमारे माता-पिता को डर और नुकसान के बोझ तले टूटते नहीं देखते। हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे बड़े हों, न कि दफनाए जाएं। हमें घर चाहिए, बंकर नहीं। युद्ध की धमकी बंद होनी चाहिए। मैं उरी के पास नियंत्रण रेखा की ओर जाते हुए उन परिवारों से मिल रही हूं, जो अपने घर छोड़कर भागे हैं, उनकी असहनीय पीड़ा की कहानियां सुन रही हूं। पुरुष, महिलाएं, बच्चे सभी संघर्ष से आहत हुए हैं। सभी बिना डर के जीने के साधारण अधिकार की चाहत रखते हैं।

आज का राशिफल

मेष : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा।

वृष : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा।

मिथुन : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

कर्क : सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

सिंह : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे।

कन्या : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा।

तुला : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी।

वृश्चिक : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें, क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

धनु : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी।

मकर : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। सफलता मिलेगी।

कुंभ : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। सफलता मिलेगी।

मीन : अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगे। सुख-आनंद कारक समय है।

केंद्र सरकार सीजफायर पर संसद का विशेष सत्र बुलाए : मनोज झा

नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारत-पाकिस्तान के बीच शनिवार को सीजफायर की घोषणा के बाद विपक्ष ने केंद्र सरकार से मांग की है कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए। सीजफायर पर संसद का विशेष सत्र बुलाने पर राजद सांसद मनोज कुमार झा ने कहा कि बिल्कुल बुलानी चाहिए। जिस तरह से सीजफायर की घोषणा हुई, वह कहीं न कहीं लोगों को असहज करती है।

राजद सांसद ने रविवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा कि सीजफायर की हमारी ओर से घोषणा करने से पहले अमेरिका की ओर से बयान जारी कर दिया जाता है कि उनकी मध्यस्थता में भारत-पाक सीजफायर के लिए राजी हुए हैं। राजद सांसद ने कहा कि भारत ने आज तक कभी युद्ध की पहल नहीं की। हम पर युद्ध थोपा गया। एक बार फिर यही हुआ है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले को छोड़ दीजिए, उससे पहले भी हम सीमा पार से प्रायोजित बर्बर हिंसा के शिकार हुए हैं। हमने हरसंभव प्रयास किए हैं और हम अपनी सेना की बहादुरी को सलाम करते हैं।

सीजफायर के फैसले पर मनोज झा ने कहा कि मैं उस मामले में नहीं आना चाहता हूं, मेरी चिंता दूसरी है। सीजफायर करने से हमें क्या हासिल हुआ। हमारी प्रेस ब्रीफ में बताया जाता है कि पाकिस्तान के डीजीएमओ ने सीजफायर के लिए कॉल किया। लेकिन, पाकिस्तान के पीएम अपने संबोधन में अमेरिका की तारीफ करते हैं। मन में कई सवाल उठ रहे हैं। इसीलिए, केंद्र सरकार से अपील करेंगे कि वह इस मामले में संसद का एक विशेष सत्र बुलाए।

सख्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट पर परिचालन सामान्य

नई दिल्ली (आईएएनएस)

दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) ने रविवार को कहा कि एयरपोर्ट पर परिचालन सामान्य है, लेकिन हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों के कारण कुछ उड़ानें प्रभावित हैं और सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल के कारण सिक्योरिटी चेक प्रक्रिया में अधिक समय लग सकता है। साथ ही डीआईएएल ने यात्रियों को सलाह दी कि वे उड़ान के निर्धारित प्रस्थान समय से काफी पहले पहुंच जाएं जिससे सिक्योरिटी चेकप्वाइंट पर संभावित देरी से बचा जा सके। दिल्ली एयरपोर्ट की ओर से यात्रियों से यह भी आग्रह किया गया है कि वे सटीक जानकारी के लिए केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें और सोशल मीडिया पर अनवेरिफाइड कंटेंट साझा करने से बचें। इसके अतिरिक्त बढ़े हुए सुरक्षा उपायों के कारण मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने भी एक एडवाइजरी जारी कर यात्रियों से कहा है कि वे निर्धारित प्रस्थान समय से पहले पहुंचे। साथ ही यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे सरकार द्वारा जारी फोटो पहचान पत्र, पासपोर्ट, वीजा, टिकट/बोर्डिंग पास अपने पास रखें, जिससे आसानी से निरीक्षण किया जा सके।

हाई-प्रोफाइल आतंकियों का सफाया ऑपरेशन सिंदूर बना दुश्मनों का काल

नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारतीय सेना ने अपनी शौर्य और संकल्प की मिसाल पेश करते हुए हाल ही में 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया, जिसमें पाकिस्तान में छिपे कई हाई-प्रोफाइल आतंकवादियों को मार गिराया गया। यह कार्रवाई पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस नीति को स्पष्ट किया।

भारतीय सेना ने 6 और 7 मई की रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' अभियान की शुरुआत करते हुए पाकिस्तान और पीओके में आतंकियों के 9 ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की, जिसमें 10 से ज्यादा प्रमुख आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया। इसके बाद पाकिस्तान की ओर से बौखलाहट में लगातार भारत पर हमले किए और इसके जवाब में भारतीय सेना की ओर से ऑपरेशन सिंदूर जारी रहा। नए अनुमानों के मुताबिक, पहलगाम हत्याकांड का बदला लेने के लिए भारत द्वारा किए गए हमलों में कम से कम 130-140 आतंकवादी मारे गए। इस ऑपरेशन में लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों के बड़े सरगनाओं को निशाना बनाया गया। मारे गए बड़े आतंकियों में आईसी-814 का अपहरणकर्ता यूसुफ अजहर, लश्कर के मुरीदके मुख्यालय का प्रमुख अबू जुंदाल उर्फ मुदस्सर, 2016 के नगरोटा हमले के साजिशकर्ता का बेटा जैसे कुख्यात आतंकी शामिल हैं। इन जिहादी कमांडरों की मौत पाकिस्तान के सैन्य-आतंकवादी गठजोड़ के लिए एक बड़ा झटका साबित हुई। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा आतंकी अबू जुंदाल भारत के खिलाफ कई साजिशों में शामिल था। इसके अंतिम संस्कार में एक सरकारी स्कूल में प्रार्थना सभा आयोजित की गई, जिसमें लश्कर का एक जनरल और एक आईजी शामिल हुए। हाफिज मुहम्मद जमी भी जैश-ए-मोहम्मद से संबद्ध था और मौलाना मसूद अजहर का साला था। मोहम्मद यूसुफ अजहर उर्फ उस्ताद जी उर्फ मोहम्मद सलीम उर्फ घोसी साहब भी मौलाना मसूद अजहर का साला था और 1998 के आईसी-814 विमान अपहरण मामले में वांछित था। खालिद उर्फ अबू आकाशा लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था। यह आतंकी जम्मू-कश्मीर में कई हमलों और अफगानिस्तान से हथियार तस्करी में शामिल था।

भड़काऊ संदेश पर 'मंगलुरु मुस्लिम युवासेना' के सदस्य से पूछताछ

सुहास शेट्टी हत्याकांड से जुड़ी कार्रवाई

बेंगलुरु (आईएएनएस)

कर्नाटक के मंगलुरु शहर में 'मंगलुरु मुस्लिम युवासेना' नाम के एक व्हाट्सएप ग्रुप में भड़काऊ संदेश भेजने के आरोप में एक व्यक्ति को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई सुहास शेट्टी हत्याकांड के बाद सोशल मीडिया पर फैल रही भड़काऊ और नफरत भरी सामग्री पर निरंतर निगरानी और सख्ती का हिस्सा है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर हत्याकांड के संबंध में उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 353(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान दक्षिण कन्नड़ जिले के विटला निवासी मोहम्मद अनस के रूप में हुई है और फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है। इससे पहले पुलिस ने विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या और उससे जुड़े सांप्रदायिक तनाव के बाद सोशल मीडिया पर भड़काऊ व सांप्रदायिक नफरत फैलाने वाली सामग्री पर नकेल कसते हुए शुक्रवार को एक बड़ी कार्रवाई हुए 'बियरी रायल नवाब' नाम के एक इंस्टाग्राम पेज को निष्क्रिय कर दिया था। पुलिस के मुताबिक, इस पेज पर कथित तौर पर आपत्तिजनक और दो समुदायों के बीच वैमनस्य बढ़ाने वाले पोस्ट किए जा रहे थे।

मुंबई पुलिस ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विवादित पोस्ट करने वाले युवक को किया गिरफ्तार

मुंबई (आईएएनएस)

'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर विवादित पोस्ट करने वाले लोगों के खिलाफ मुंबई पुलिस की कार्रवाई जारी है। महिला के खिलाफ शिकायत दर्ज करने के बाद ऐसे ही एक मामले में 20 वर्षीय युवक को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस के मुताबिक, मुंबई के कुर्ला इलाके में रहने वाले 20 वर्षीय एक युवक ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विवादित टिप्पणी की थी। आरोपी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें भारत के खिलाफ टिप्पणी की गई थी। मुंबई पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी का नाम साहिल जहरुद्दीन खान है। मुंबई पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ चूनाभट्टी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। साथ ही उसके खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है। इससे पहले, मुंबई पुलिस ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की आलोचना करने पर एक महिला के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। मुंबई पुलिस के मुताबिक, 'ऑपरेशन सिंदूर' की आलोचना करने पर मुंबई के मालवणी पुलिस स्टेशन ने एक महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मालवणी पुलिस ने महिला सलमा रफीक खान (उम्र 40) के खिलाफ मामला दर्ज किया है और उसे नोटिस भी भेजा है। बता दें कि महिला सलमा रफीक खान मुंबई के मलाड इलाके में स्थित मालवणी में ब्यूटी पार्लर भी चलाती है। महिला पर आरोप है कि उसने अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर 'ऑपरेशन सिंदूर' से संबंधित विवादित पोस्ट शेयर की थी। 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर विवादित पोस्ट शेयर करते हुए महिला ने लिखा था कि जब सरकारें बिना सोचे-समझे फैसले लेती हैं, तो दोनों तरफ के निर्दोष लोगों को इसकी कीमत चुकानी पड़ती है।

न्यूज बॉक्स

इंग्लैंड दौरे पर होगी अनुभवी खिलाड़ियों की जरूरत : सिद्धू

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू ने 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के इरादे पर सवाल उठाया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के करीबी सूत्रों के अनुसार, 36 वर्षीय इस दिग्गज खिलाड़ी ने हाल ही में खेल के सबसे लंबे प्रारूप को छोड़ने की मंशा जाहिर की थी। बोर्ड के सूत्रों का कहना है कि कोहली से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए आग्रह किया गया है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का नया सर्कल इंग्लैंड दौरे से शुरू हो रहा है। सिद्धू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया। एक वीडियो में उन्होंने कहा, "विराट कोहली के संन्यास लेने के फैसले ने पूरे क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। उनका इरादा सही है, उनका उद्देश्य नेक है। लेकिन समय और अवसर उचित नहीं है, क्योंकि भारत का गौरव और प्रतिष्ठा दांव पर है।

सिनर ने डोपिंग प्रतिबंध के बाद वापसी करते हुए इटैलियन ओपन में जीत हासिल की

रोम। शीर्ष वरीयता प्राप्त और वर्तमान विश्व नंबर 1 जानिक सिनर ने शनिवार को एटीपी इटैलियन ओपन के दूसरे दौर में अर्जेंटीना के मारियानो नवोन को 6-3, 6-4 से हराकर अपने वापसी मैच में सीधे सेटों में जीत हासिल की।इस साल फरवरी में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी के साथ मामले के समाधान समझौते के बाद सजा स्वीकार करने के बाद इतालवी ने अपने दो डोपिंग अपराधों के लिए तीन महीने का प्रतिबंध लगाया था। मार्च 2024 में उनका क्लोस्टेबोल के लिए सकारात्मक परीक्षण किया गया। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सिनर का डोपिंग प्रतिबंध आधिकारिक तौर पर 5 मई को समाप्त हो गया। रोम में शीर्ष वरीयता प्राप्त होने के कारण, उन्हें पहले दौर में बाई मिली और उन्होंने इस सीजन में क्ले पर अपनी शुरुआत की। शुरुआती सेट में, सिनर ने पहले छह गेम में 4-2 की बढ़त बनाई। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों ने अगले दो गेम में लगातार चार अंक जीतकर अपनी सर्विस को बनाए रखा, इससे पहले सिनर ने नौवें गेम में अपनी बढ़त को मजबूत करते हुए सेट को 6-3 से अपने नाम कर लिया।

बायर्न ने मुलर के विदाई मैच में 2-0 की जीत के साथ जीता खिताब

बर्लिन। बायर्न म्यूनिख ने शनिवार को लाल रंग में थॉमस मुलर के अंतिम मैच को चिह्नित करने वाली एक भावनात्मक रात में 33वें दौर के मैच में बोरूसिया मोनचेंग्लाडबैक पर 2-0 की घरेलू जीत के साथ बुंदेसलीगा खिताब के जश्न को सील कर दिया। सभी की निगाहें मुलर पर थीं क्योंकि उन्होंने एलियांज एरिना में अपनी 750वीं और अंतिम उपस्थिति के लिए टीम का नेतृत्व किया। अनुभवी, जिन्होंने क्लब के साथ 13 बुंदेसलीगा खिताब और दो चैंपियंस लीग जीते हैं, को जोरदार तालियाँ मिलीं और प्रशंसक कोरियोग्राफी के साथ सम्मानित किया गया। एक शांत शुरुआत के बाद, माइकल ओलिस ने 31वें मिनट में बायर्न को जीवंत कर दिया। दाईं ओर से अंदर की ओर बढ़ते हुए, उन्होंने हैरी केन के लिए मोनचेंग्लाडबैक गोलकीपर जोनास ओमलिन को चकमा देते हुए एक शॉट मारा। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, केन का यह इस सत्र का 25वां गोल था, जिससे वह अपने पहले दो बुंदेसलीगा अभियानों में इस मुकाम तक पहुंचने वाले पहले बायर्न खिलाड़ी बन गए।

पंकज आडवाणी बॉल्क्लाइन स्नूकर फाइनल में, इशप्रीत चड्ढा से भिड़ेंगे

मुंबई। कई बार के विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी ने शनिवार को यहां एनएससीआई डोम में 32 लाख रुपये की पुरस्कार राशि वाले एनएससीआई बॉल्क्लाइन 4.0 अखिल भारतीय स्नूकर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में हिमांशु जैन को 8-2 से हराकर 5 लाख रुपये की विजेता राशि के लिए खुद को तैयार कर लिया। आडवाणी ने तीन शतक से अधिक ब्रेक के साथ मैच पर अपना दबदबा बनाया, जिसमें पराजित जैन ने दो फ्रेम अपने नाम किए। आडवाणी सीसीआई बिलियड्र्स क्लासिक के लिए शहर में हैं, जिसमें उन्होंने ध्रुव सिटवाला के खिलाफ जीत हासिल की और वर्ली में स्नूकर इवेंट में अभी तक किसी दबाव में नहीं आए हैं। बेस्ट ऑफ 13 फ्रेम नॉक-आउट मैच में, आडवाणी ने अंतिम चार फ्रेम में 63, 82, 57 और 60 के हाई ब्रेक के साथ शानदार फॉर्म दिखाया और शुक्रवार को एनएससीआई डोम में शानदार जीत दर्ज की।

आईपीएल के फिर से शुरू होने की है संभावना

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी दस आईपीएल फ्रेंचाइजी को मंगलवार तक एकत्रित होने को कहा है, क्योंकि टूर्नामेंट के फिर से शुरू होने की संभावना है। भारत-पाकिस्तान तनाव के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (2025) को एक हफ्ते के लिए स्थगित करना पड़ा था। हालांकि अब दोनों देशों के बीच हुए सीजफायर के बाद आईपीएल जल्द शुरू हो सकता है। इंडिया टुडे को सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आईपीएल दोबारा 16 या 17 मई को शुरू हो सकता है। इसके लिए नया शेड्यूल जल्द जारी होगा।

● 4 वेन्यू पर हो सकते हैं मैच

आईपीएल 2025 के बाकी मैच अब 4 वेन्यू पर खेले जा सकते हैं। इसकी शुरुआत लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के बीच मुकाबले से हो सकती है, जो लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेला जा सकता है. सूत्र ने कहा कि बीसीसीआई ने सभी हितधारकों को इसके बारे में सूचित कर दिया है और टीमें अपने खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को वापस बुला रही हैं. हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर मुकाबला हो सकता है. जबकि कोलकाता में क्वालिफायर-2 के अलावा फाइनल आयोजित हो सकता है. फाइनल 30 मई या 1 जून को होने की संभावना है. अगर मौसम खराब रहता है तो कोलकाता की जगह अहमदाबाद में मुकाबले हो सकते हैं।

प्रीति जिंटा दर्शकों का आभार व्यक्त किया

एजेंसी। मुंबई

अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने पड़ोसी शहरों जम्मू और पठानकोट में हवाई हमले की चेतावनी के बाद धर्मशाला से सभी की सुरक्षित विदाई सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। 'वीर जारा' की अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा, "पिछले कुछ दिनों की उथल-पुथल के बाद आखिरकार घर वापस आ गई हूं। भारतीय रेलवे और हमारे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को दोनों आईपीएल टीमों और सभी अधिकारियों और परिवारों को सुरक्षित, तेज और आरामदायक तरीके से धर्मशाला से बाहर निकालने में मदद करने के लिए दिल से धन्यवाद।" दिवा ने अधिकारियों को धन्यवाद देते हुए कहा, "धर्मशाला में हमारे स्टेडियम को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से खाली कराने में मदद करने के लिए जय शाह, अरुण धूमल, बीसीसीआई और हमारे सीईओ सतीश मेनन और पंजाब किंग्स आईपीएल की संचालन टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद। सब कुछ बहुत अच्छे से संभाला गया। "प्रीति ने मैच देखने आए लोगों की भी सराहना की, जिन्होंने निकासी प्रक्रिया के दौरान शांत रहकर मैच देखा।

ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट तिहरा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बॉब काउपर का निधन

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की जमीन पर टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बॉब काउपर का रविवार को 84 वर्ष की उम्र में बीमारी से लड़ते हुए निधन हो गया। उनके परिवार में पत्नी डेल और बेटियां ओलिविया और सेरा हैं। काउपर एक बेहद प्रतिभाशाली बाएं हाथ के बल्लेबाज थे। वह अपनी आकर्षक बल्लेबाजी, धैर्य और बड़ी पारियां खेलने की क्षमता के लिए जाने जाते थे। उनके करियर का सबसे यादगार पल 1966 में इंग्लैंड के खिलाफ मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर खेली गई 307 रनों की पारी थी। यह ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट क्रिकेट का पहला तिहरा शतक था और इस पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने एशेज भी अपने पास बरकरार रखी थी।

स्मृति के 116 रनों की बदौलत भारत ने श्रीलंका के खिलाफ बनाये 342/7

एजेंसी। कोलंबो

उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने 101 गेंदों पर शानदार 116 रन बनाकर भारतीय बल्लेबाजी का नेतृत्व किया और रविवार को आर प्रेमदासा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में महिला वनडे त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में मेहमान टीम को 50 ओवरों में 342/7 का विशाल स्कोर बनाने में मदद की।

शुरुआत में धीमी पिच पर जैसे-जैसे पारी आगे बढ़ी, बल्लेबाजी के लिए बेहतर होती गई, स्मृति ने भारत के लिए शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपना 11वां वनडे शतक लगाया और अपने स्ट्रोक-प्ले में शानदार प्रदर्शन किया। उनके प्रयासों की बदौलत भारत ने श्रीलंका में महिला वनडे मैच में सबसे बड़ा स्कोर बनाया। इनोका रानावीरा की गेंद पर 21 रन पर जीवनदान मिलने के बाद स्मृति ने अपनी पारी में कोई गलती नहीं की और 31वें ओवर में कप्तान चामरी अथापथु की गेंदों पर लगातार तीन चौकों की मदद से 92 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। श्रीलंका के खिलाफ अपना पहला वनडे शतक लगाने वाली स्मृति को इस तथ्य से भी मदद मिली कि अन्य शीर्ष छह भारतीय बल्लेबाजों में से प्रत्येक ने 30 रन या उससे अधिक रन बनाए। उन्होंने प्रतीक रावल (30) के साथ पहले विकेट के लिए 70 रन की साझेदारी की और फिर हरलीन देओल (47) के साथ दूसरे विकेट के लिए 120 रन की साझेदारी की। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स ने क्रमशः 41 और 44 रन बनाए, इसके बाद दीप्ति शर्मा (नाबाद 20) और अमनजोत कौर (18) की शानदार पारियों की बदौलत भारत 340 रन के पार पहुंचा। श्रीलंका के लिए यह दिन गेंद और फील्डिंग के लिहाज से भूलने लायक रहा, क्योंकि वे बीच के ओवरों में भारतीय स्कोरिंग रेट को कम रखने में असमर्थ रहे।

चोटिल हेजलवुड का फिर से आईपीएल में खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली। चूंकि बीसीसीआई सीमा पार तनाव के कारण अस्थायी निलंबन के बाद आईपीएल 2025 को फिर से शुरू करने पर विचार कर रहा है, इसलिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को अपने प्रमुख तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के बिना ही सीजन पूरा करना पड़ सकता है। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज, जो पहले से ही कंधे की चोट से जूझ रहे थे, 3 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आरसीबी के घरेलू मुकाबले से चूक गए थे और 9 मई को टूर्नामेंट रोक दिए जाने से पहले उनके अगले मैच के लिए भी खेलना अनिश्चित था। अब, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के साथ, आईपीएल के लिए उनका भारत लौटना असंभव सा लग रहा है।

उंगली की चोट से उबर रहे हैं आरसीबी के कप्तान

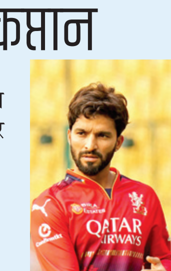

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार इस समय उंगली की चोट से उबर रहे हैं। अगर आईपीएल 2025 को अस्थायी रूप से निलंबित न किया गया होता, तो वह कम से कम दो मैचों से बाहर रहते। टूर्नामेंट के अस्थायी रूप से निलंबित होने के कारण उन्हें बिना कोई मैच गंवाए कम से कम एक सप्ताह का समय मिल गया है। पाटीदार को 3 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आरसीबी के घरेलू मैच के दौरान फील्डिंग करते समय चोट लगी थी।

व्यापार/लाइफ व साइंस

एक हफ्ते में 2,400 रुपए से अधिक महंगा हुआ सोना, चांदी में भी रही तेजी

नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमतों में तेजी का सिलसिला जारी है। बीते एक हफ्ते में 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत में 2,400 रुपए और चांदी की कीमत में 1,600 रुपए प्रति किलो से अधिक की बढ़ोतरी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट के सोने की कीमत बढ़कर 96,416 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि 3 मई को 93,954 रुपए प्रति 10 ग्राम थी, जो सोने के दाम में 2,462 रुपए की वृद्धि को दिखाता है। 22 कैरेट के सोने का भाव बढ़कर 94,100 रुपए प्रति 10 ग्राम, 20 कैरेट के सोने की कीमत बढ़कर 85,810 रुपए प्रति 10 ग्राम और 18 कैरेट के सोने का दाम बढ़कर 78,100 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। इसके अतिरिक्त चांदी की कीमतों में भी 1,601 रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी देखने को मिली है। एक किलो चांदी का दाम बढ़कर 95,726 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि 3 मई को 94,125 रुपए प्रति किलो पर था। घरेलू के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में इजाफा देखने को मिला है। सोने की कीमत बढ़कर 3,344 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई है, जो कि इस हफ्ते की शुरुआत में 3,246 डॉलर प्रति औंस पर थी।

एफपीआई का भारतीय शेयर बाजार पर भरोसा बढ़ा

मुंबई। विदेशी निवेशकों का भारतीय शेयर बाजार पर भरोसा कायम है और वे मई में अब तक 14,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश कर चुके हैं। इसकी वजह देश की मजबूत अर्थव्यवस्था और सकारात्मक वैश्विक संकेतों को माना जा रहा है। एफपीआई की ओर से ऐसे समय पर देश में निवेश बढ़ाया जा रहा है।

बीते तीन-चार दिनों में दिखी भारतीय टेक्नोलॉजी की ताकत

आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ रहा देशः केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय साइंस और टेक्नोलॉजी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ जितेंद्र सिंह ने रविवार को कहा कि बीते तीन-चार दिनों में भारतीय टेक्नोलॉजी की ताकत सभी ने देखी और देश तेजी से इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। नेशनल टेक्नोलॉजी डे के मौके पर समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह दिन पोखरण परमाणु बम टेस्ट की सफलता के तौर पर याद किया जाता है। 11 मई को तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 'नेशनल टेक्नोलॉजी डे' के रूप में घोषित किया था। उन्होंने आगे कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकल में बीते एक दशक में देश में साइंस टेक्नोलॉजी इनोवेशन काफी आगे बढ़ गया है। बीते तीन-चार दिनों में जो भी टेक्नोलॉजी आपने देखी है, उनमें से ज्यादातर का अधिग्रहण 2014 के बाद किया गया है।" केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, "इस कारण मेरा मानना है कि 27 साल पहले नेशनल टेक्नोलॉजी डे की शुरुआत के समय जो संकल्पना की गई थी, उसे प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले एक दशक में सही साबित किया है।" केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि सरकार ने टेक्नोलॉजी और साइंटिफिक इंस्टीट्यूशन के सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा करने का फैसला लिया है। इसके जरिए हमारा उद्देश्य वैज्ञानिक विशेषज्ञों और इन संस्थानों में काम करने वाले अन्य लोगों को आश्वस्त करना है कि हम उनके संपर्क में हैं। सीमा सटे जम्मू और कश्मीर, पंजाब, चंडीगढ़, राजस्थान और गुजरात के उत्तर-पश्चिम इलाकों में मौजूद टेक्निकल और साइंटिफिक इंस्टॉलेशन की सुरक्षा को अपग्रेड करने का निर्णय लिया है। इसके मंत्री जितेंद्र सिंह ने वरिष्ठ अधिकारियों और साइंटिफिक एवं टेक्निकल विभागों के प्रमुखों के साथ एक उच्च स्तरीय संयुक्त बैठक बुलाई थी। विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर, पंजाब, लद्दाख और भारत के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के सीमावर्ती और संवेदनशील क्षेत्रों में रिसर्च और साइंटिफिक सुविधाओं की सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा पर था।

सख्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट पर परिचालन सामान्य

नई दिल्ली। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) ने रविवार को कहा कि एयरपोर्ट पर परिचालन सामान्य है, लेकिन हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों के कारण कुछ उड़ानें प्रभावित हैं और सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल के कारण सिक्योरिटी चेक प्रक्रिया में अधिक समय लग सकता है। डीआईएएल ने यात्रियों को सलाह दी कि वे उड़ान के निर्धारित प्रस्थान समय से काफी पहले पहुंच जाएं जिससे सिक्योरिटी चेकप्वाइंट पर संभावित देरी से बचा जा सके। एयरपोर्ट की ओर से यात्रियों से यह भी आग्रह किया गया है कि वे सटीक जानकारी के लिए केवल आधिकारिक स्त्रोतों पर ही भरोसा करें और सोशल मीडिया पर अनवेरिफाइड कंटेंट साझा करने से बचें।

आने वाले समय में चीन से बेहतर प्रदर्शन करेगी भारतीय अर्थव्यवस्था : जिम रोजर्स

एजेंसी

नई दिल्ली। दिग्गज वैश्विक निवेशक जिम रोजर्स ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे अच्छा निवेश स्थान बनने की ओर आगे बढ़ रहा है और इसकी तुलना चीन से जरूर की जाएगी। साथ ही कहा कि आने वाले समय में देश की अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन चीन से भी अच्छा हो सकता है।

समाचार एजेंसी आईएएनएस के साथ बातचीत में जिम रोजर्स ने कहा, "मैं दशकों से निवेश की दुनिया से जुड़ा रहा हूं और अपने जीवन में पहली बार मैंने दिल्ली को इस तरह से अर्थशास्त्र को समझते देखा है।" अमेरिकी निवेशक ने आगे कहा, "भारत फिर से उभर रहा है। मुझे लगता है कि दिल्ली के लोग समझते हैं कि क्या किया जाना चाहिए और वे सही चीजें करने की कोशिश कर रहे हैं। यह भारत और दुनिया के लिए बहुत अच्छा होगा। अगर भारत वास्तव में खुल सकता है और पूरी दुनिया के साथ व्यापार कर सकता है तो आप कल्पना भी नहीं कर सकते कि भविष्य में भारत कितना आकर्षक स्थान हो सकता है।"समाचार एजेंसी आईएएनएस बातचीत करते हुए रोजर्स ने कहा, "फिलहाल भारत में मेरा कोई निवेश नहीं है, लेकिन मैं सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में और अधिक निवेश करना चाहता हूं।" उन्होंने यह भी कहा कि अगर बाजार नीचे चला जाता है और कुछ समय तक नीचे ही रहता है, तो मैं भारत में पैसा लगाना चाहूंगा।

आईएमएफ की वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत 2025 में विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इस दौरान देश की जीडीपी का आकार बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगा।

देश की शीर्ष 10 में आठ कंपनियों का मार्केटकैप 1.6 लाख करोड़ रुपए घटा

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में बीते हफ्ते 1,60,314.48 करोड़ रुपए की कमी दर्ज की गई। इसमें सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ है। टॉप 10 में जिन कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में कमी देखने को मिली, उनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बजाज फाइनेंस और आईटीसी शामिल हैं। इस दौरान केवल इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में ही बढ़त देखी गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 59,799.34 करोड़ रुपए घटकर 18,64,436.42 करोड़ रुपए रह गया है। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 30,185.36 करोड़ रुपए घटकर 9,90,015.33 करोड़ रुपए रह गया है। एचडीएफसी बैंक का मार्केटकैप 27,062.52 करोड़ रुपए घटकर 14,46,294.43 करोड़ रुपए और भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 18,429.34 करोड़ रुपए घटकर 6,95,584.89 करोड़ रुपए हो गया है। बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 13,798.85 करोड़ रुपए घटकर 5,36,927.95 करोड़ रुपए रह गया है। आईटीसी का बाजार मूल्यांकन 8,321.89 करोड़ रुपए घटकर 5,29,972.97 करोड़ रुपए और भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 2,138.29 करोड़ रुपए

न्यूज बॉक्स

तरवाटांड़ टोला में एक घर में लगी आग, नकद समेत खाद्य सामग्री हुई खाक

लातेहार। सासंग पंचायत अंतर्गत ग्राम पतरातु के तरवाटांड़ टोला निवासी जगदेव उरांव के घर में शनिवार की रात अचानक आग लग गई, जिससे करीब दो लाख रुपये की संपत्ति जलकर नष्ट हो गई। घटना रविवार सुबह सामने आई जब पीड़ित ने जानकारी दी। पीड़ित जगदेव उरांव ने बताया कि रात करीब 2 बजे घर से धुआं और आग की लपटें उठती देखी गईं। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण जुटे और आग बुझाने में सहयोग किया, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था। घर में रखे करीब एक लाख रुपये नगद, साथ ही चावल, गेहूं, महुआ, राय, उरद, बीटूरा, लहसुन सहित कई खाद्य सामग्री जलकर नष्ट हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मुखिया पति मंगलदेव उरांव एवं पंचायत समिति सदस्य नसबुलेन आलम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया तथा पीड़ित को हरसंभव सहायता व मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। पीड़ित परिवार ने घटना को लेकर सदर थाना प्रभारी को आवेदन व अंचल अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। हालांकि आग लगने के कारणों का अब तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है।

मोहम्मदगंज की आकांक्षा हुई सीएसआईआर यूजीसी नेट में सफल

पलामू। पलामू जिले के हुसैनाबाद अनुमंडल के मोहम्मदगंज प्रखंड के एक छोटे से गांव भजनिया निवासी शिक्षक प्रेम चौधरी और गृहणी लीलावती देवी की पुत्री आकांक्षा ने सीएसआईआर यूजीसी नेट की लाइफ साइंस विषय की परीक्षा में 97.6973509 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जेआरएफ सहायक प्रोफेसर और पीएचडी के लिए झारखंड राज्य एवं केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए सफलता पाई है। आकांक्षा का आल इंडिया रैंक 183 ओबीसी कैटेगरी में है। आकांक्षा ने रांची के महिला कालेज से एमएससी (जूलॉजी) प्रथम डिस्टिंक्शन के साथ सफल हुई है। आकांक्षा की इस सफलता पर उनके गांव के लोगों में काफी खुशी है। माता- पिता के अलावा आकांक्षा के बड़े भाई अभय चौधरी (बोकारो में मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर परिवहन विभाग में कार्यरत) ने भी खुशी जाहिर की है। इनके अलावा भाजपा के मंडल अध्यक्ष नीरज सिंह, सांसद प्रतिनिधि महेंद्र सिंह, नरेंद्र सिंह, सीबी राम सिंह, राकेश चौरसिया, राजद के अनुमंडल अध्यक्ष खुर्शीद खान, कलामुद्दीन खान, पूर्व मुखिया पंचम खान, नदीम खान सहित अन्य ने रविवार को बधाई दी है।

ठाकुरबाड़ी मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर भक्ति जागरण कार्यक्रम का आयोजन

चंदवा। अलौदिया के प्रसिद्ध ठाकुरबाड़ी मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर भक्ति जागरण का आयोजन किया गया। कोलकता, रांची और धनबाद से आए कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर लोगों का मन मोहा। मौके पर अतिथियों ने कहा कि इस तरह के आयोजन से लोगों में भक्ति और आध्यात्म के प्रति झुकाव बढ़ता है। जो उन्हें ईश्वर के करीब लाने में सहायक होता है। आयोजित भक्ति जागरण में भक्ति गीतों के साथ माता पार्वती गजानन गणेश व पिता शिव के बीच हुए संवाद तथा गजानन गणेश की पूजा सबसे पहले किए जाने तथा शिव तांडव कि प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों का मन मोहा। मौके पर संतोष सिंह,प्रतिमा देवी, मृत्युंजय सिंह, मनीष सिंह, प्रिया कुमारी, कृष्णा पटवारी, डॉ रोहित कुमार,स्वर्णलता देवी, दमयंती देवी, प्रमोद जायसवाल, संजय दुबे, बिहारी सिंह, सुबोध जायसवाल, अजय जायसवाल, दीपक भगत,आरएन पांडेय, लाल विक्रम, रमेश जायसवाल, शंकर साहू, श्रुति समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत

पलामू। एनएच 98 फोरलेन पर शनिवार रात सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार छतरपुर-मेदिनीनगर मार्ग पर सगमा स्थित महेंद्रा एग्रो पेट्रोल पंप के सामने एक पिकअप ने सड़क पार कर रहे व्यक्ति को टक्कर मार दी। इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान चौखड़ा गांव के टोला तेनुडीह निवासी रामकेश यादव के रूप में हुई। पिकअप के टक्कर मारने के बाद स्थानीय लोग घायल रामकेश को अनुमंडलीय अस्पताल छतरपुर ले गए। चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सहारविहरा सहित कई क्षेत्रों में मौजूद हैं भगवान बुद्ध से संबद्ध प्राचीन अवशेष

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। बुद्ध पूर्णिमा आज है। इसे भगवान बुद्ध के जन्मोत्सव के रूप में इनके अनुयायी श्रद्धापूर्वक व भक्तिभाव के साथ मनाते हैं। बौद्ध ग्रंथों में वैशाख पूर्णिमा के दिन ही भगवान बुद्ध के जन्म का उल्लेख किया गया है। इसी वजह से इसे बुद्ध पूर्णिमा के तौर पर मान्यता प्राप्त है। ऐसे में सोन एवं उसकी सहायक उत्तर कोयल नदी की घाटी में मौजूद ढाई हजार वर्ष से लेकर बारहवीं शताब्दी तक के भगवान बुद्ध से संबंधित अवशेषों का उल्लेख उनके प्रति असीम आदर होगा। इस संबंध में सोन घाटी पुरातत्व परिषद,जपला के अध्यक्ष इतिहासकार डॉ. अंगद किशोर ने इस क्षेत्र के खेतों, बस्तियों, जंगलों और पहाड़ों तक मौजूद अवशेषों बौद्ध स्तूप, बुद्ध प्रतिमा, बौद्ध प्रतीक, बौद्ध मंदिर और बौद्ध देवी के आंकलन के आधार पर विस्तार से प्रकाश डाला है। उन्होंने बताया कि मोहम्मदगंज प्रखंड में उत्तर कोयल नदी के दाहिने तट पर अवस्थित सहार विहरा गांव में पक्की ईंटों से निर्मित एक टीला है। जिसके मध्य भाग में एक विशाल प्रस्तर-स्तंभ जमींदोज है। टीले में जमींदोज प्रस्तर स्तम्भ में उत्केरित दो मूर्तियां हैं। जिसके शीर्ष पर उत्केरित भगवान बुद्ध का सिर है। जबकि दूसरी किसी देवी की प्रतीत होती है। इसी नदी के तट पर पंसा गढ़ है। जो पुरातत्वविद डॉ एच पी सिन्हा के अनुसार बौद्ध स्तूप है। पंसा गढ से पत्थर के हाथी की प्रतिमा मिली है। जो बुद्ध के जन्म का प्रतीक चिन्ह बताया जाता है। इसके अलावा हुसैनाबाद प्रखंड के महुअरी,नील कोठी, दंगवार , चनकार कस्तूरी तथा झरहा टोंगरा में बौद्ध स्तूप के अवशेष विद्यमान हैं। उन्होंने बताया कि डाल्टनगंज से 25 किमी उत्तर पूरब पंडवा प्रखंड के छेछौरी गांव में एक विशाल बौद्ध मंदिर का खंडहर है। जिसकी ज़मीन सरकारी खतियान में बौद्ध मंदिर के नाम से प्लाट संख्या 702 में दर्ज है। भूतल से लगभग तीस फीट ऊंचा इस मंदिर का गर्भगृह पत्थर तथा इसका मीनार पक्की ईंटों से निर्मित हैं। हैदरनगर प्रखंड के सजवन गांव में सिर खंडित बुद्ध की प्रतिमा विद्यमान है। जिसे स्थानीय लोग धावर गोरया कहकर पूजा करते हैं। कबरा कलां में बुद्ध का चित्र उत्केरित एक लौह फलक मिला है। जो स्टेट म्यूजियम रांची में संरक्षित और प्रदर्शित है। हुसैनाबाद प्रखंड के सबानो गांव में बौद्ध देवी तारा की खंडित मूर्ति एक कुआं से मिली है। हुसैनाबाद प्रखंड के ऊपरी कलां गांव में प्रतिमा उत्केरित कलाकृति युक्त प्राचीन काल का एक प्रस्तर स्तम्भ मिला है। जिसे स्थानीय लोगों ने शिव लिंग के रूप में एक मंदिर बनाकर स्थापित किया है। जबकि सच यह है कि इस प्रस्तर स्तम्भ पर उत्केरित प्रतिमा बुद्ध की मां अर्थात मायादेवी की है। भारतीय इतिहास में ऐसी प्रतिमाएं गजलक्ष्मी के नाम से ख्यात हैं। यहां के अनेक गांवों का नाम बुद्ध से संबंधित है। मसलन- बुधुआ, सजवन(सालवन से व्यूत्पन्न), हेमजा (बुद्ध का एक नाम), लूंबा (लुंबिनी से व्यूत्पन्न), तारा (एक बौद्ध देवी का नाम) आदि शामिल हैं। उन्होंने बताया कि पलामू के इन पुरावशेषों को भी बौद्ध सर्किट से जोड़ने के लिए सोन घाटी पुरातत्व परिषद दो दशक से इस क्षेत्र की कला, संस्कृति , पुरातत्व और इतिहास को प्रकाश में लाने के लिए उद्भेदन में लगा हुआ है। इसी प्रयास के तहत वर्ष 2018 में आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (रांची) ने कबरा कलां में उत्खनन कराया गया था। जिसमें बुद्ध कालीन अनेक टेराकोटा के रिंग वेल मिले हैं। उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र बुद्ध काल में आबाद था। उस समय कबरा कलां एक समृद्ध शहर था। बुद्धकालीन प्राप्त पुरावशेषों को देखकर बुद्ध के यहां आने का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। उनकी महत्वपूर्ण कृति झारखंड की बौद्ध विरासत नामक पुस्तक में समग्र झारखंड के बौद्ध धर्म से संबंधित अवशेषों का रहस्योदघाटन किया गया है।

बुद्ध पूर्णिमा विशेष

अनियंत्रित हाइवा ने सड़क किनारे बैठे तीन लोगों को कुचला

एक की मौत, दो हुए गंभीर

- आक्रोशित ग्रामीणों ने उचित मुआवजा और करवाई को लेकर की सड़क जाम

नवीन मेल संवाददाता

चतरा/हंटरगंज। जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत हंटरगंज-प्रतापपुर मुख्य पथ पर नवाडीह भीमदहा के पास बीते देर रात्रि एक दर्दनाक हादसा हो गया। जिसमें एक तेज रफ्तार हईवा ने सड़क किनारे बैठे लोगों को रौंद दिया। हादसे में गांव के ही 60 वर्षीय साधु मिस्त्री पिता पुन मिस्त्री की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 40 वर्षीय शिवराणी देवी और छत्तीसगढ़ राज्य निवासी 40 वर्षीय गिरधर भूमिहार गंभीर रुप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। जानकारी के अनुसार हंटरगंज की ओर से तेज रफ्तार हाइवा अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बैठे तीन लोगों को रौंद दिया। जिसमें मौके पर 1 वृद्ध की मौके मौत हो गई। जबकि एक महिला और एक पुरुष गंभीर रुप से घायल हो गए। यही नहीं हाइवा उसके बाद एक मारुति वैन को टक्कर मारते सीधे एक घर से जा टकराया। जिससे घर में सोए लोगों में अफरा-तफरी मच गया। हालांकि घर के सभी सदस्य बाल-बाल बच गए। इधर घटना की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी प्रभात कुमार और अंचलाअधिकारी अरुण कुमार मुंडा दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चतरा व दोनो घायलों को इलाज के लिए हंटरगंज समुदायिक स्वास्थय केन्द्र भेजा। इसके साथ ही पुलिस ने तत्परता से ग्रामीणों के चुंगल से ड्राइवर को निकालकर अपने साथ ले गई। इधर घटना के बाद सुबह 8 बजे आक्रोशित ग्रामीणों ने हंटरगंज-प्रतापुर मुख्य पथ को जाम कर दिया। हालांकि पुलिस ने दोपहर एक बजे ग्रामीणों को समझा बुझा कर जाम को हटवा दिया। ग्रामीणों ने मृतक के परिजनो को उचित मुआवजा और वाहन की गति पर नियंत्रण किए जाने की मांग कर रहे थे।

अनियंत्रित बोलेरो ने पेड़ में मारी टक्कर, आधा दर्जन सवार हुए घायल

चतरा। जिले के लावालौंग थाना क्षेत्र अंतर्गत लमटा-बगरा मुख्य सड़क पर अनियंत्रित बोलेरो ने पेड़ में जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें सवार लगभग आधा दर्जन लोग बुरी तरह से घायल हो गए। प्राप्त सूचना के अनुसार थाना क्षेत्र के कटिया पंचायत स्थित ठाकुरडीह गांव निवासी सत्येंद्र राम के परिजन पूजा करने के लिए बोलेरो से नगर मंदिर जा रहे थे।

सात बाल श्रमिक मुक्त, तीन प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई शुरू

डीसी के निर्देश पर चला बाल श्रम उन्मूलन अभियान

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। उपायुक्त लातेहार के निर्देश पर चंदवा प्रखंड में बाल श्रमिक अधिनियम 1986 के तहत विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान तीन अलग-अलग स्थानों से कुल 7 बाल श्रमिकों को मुक्त कराया गया। मुक्त कराए गए बच्चों में एक बालिका श्रमिक शंभू शरण गुप्ता के मेन रोड स्थित आवास से, दो बाल श्रमिक मेसर्स चंदन मसाला (अलौदिया) से और चार बालिका श्रमिक मेसर्स राजू गरम मसाला (अलौदिया) से पाए गए। सभी तीनों प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। श्रम विभाग ने नियोजकों को बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 के तहत सूचना बोर्ड लगाने का निर्देश भी दिया है।

अभियान में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी सत्येंद्र कुमार सिंह, रंजीत कुमार, अशोक विश्वकर्मा, वेदिक सोसायटी से प्रेम प्रकाश, चाइल्ड हेल्पलाइन से मुक्ति प्रकाश खलखो, अनुज कुमार तिग्गा तथा चंदवा थाना पुलिस टीम शामिल रही।

अतिक्रमण हटाओ अभियान में दो दिन का लगा विराम

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। प्रखंड मुख्यालय सह हैदरनगर पूर्वी पंचायत के बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण से संकुचित हो रहे गली मुहल्लों की साफ सफाई कराने का अभियान प्रथम चरण में बीते शनिवार को ही शुरु किया गया। इसके लिये विगत सात वर्षों से लगातार विभि संगठनों के लोगों ने कई संबधित अधिकारिं के साथ पत्राचार करते रहे हैं। इस मुहल्ले में 19 कुल चिन्हित घरों के मालिकों को चौथी बार नोटिस प्रशासन ने तामिला कराया था। किन्तु कोई प्रतिक्रिया नहीं होने पर अंततः सरकारी भूमि, मुख्य पथ को अतिक्रमण मुक्त कराने को लेकर स्थानीय प्रशासन व पुलिस बल स्वयं बुलडोजर लेकर निकल पड़े। इसमें दो स्थानों पर मकान व अन्य के निजी घरों के आगे ओटा व चबूतरा का अवैध निर्माण कराया गया है। इस अभियान की मॉनेटरिंग स्वयं अंचल अधिकारी संतोष कुमार व अंचल निरीक्षक सुनील कुमार ने किया। पंचायत समिति सदस्य गुप्तेश्वर पांडेय, सामजसेवी नावाजिश खान, अनूप कुमार सिंह, जयप्रकाश कुशवाहा, पूर्व मुखिया सफीउल्ला खान आदि ने कहा कि लंबे समय के बाद भी इस कार्रवाई की शुरुआत किये जाने से स्थानीय प्रबुजनों में खुशी है। उन्होंने बाजार क्षेत्र के सभी गली मुहल्लों सहित आसपास के नदी नाले की अतिक्रमित की गई भूमि को खाली कराने का आग्रह अंचलाधिकारी से किया है। उन्होंने कहा कि स्थानीय एकमात्र सदाबह नदी के कई स्थानों पर अतिक्रमण कर निजी उपयोग किया जा रहा है।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में बाल-संसद व मंत्रिमंडल का हुआ शपथ ग्रहण समारोह

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। शनिवार को नगर स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर जपला के परिसर में विद्यालय के भैया-बहनों के बीच गठन हुए बाल संसद का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य कुशजी पाण्डेय ने मां सरस्वती एवं भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण अर्पित कर किया। बाल-संसद के अंतर्गत शिशु भारती,बाल भारती व कन्या भारती, किशोर भारती के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न पदाधिकारियों को शपथ दिलाते हुए नैतिक कर्तव्यों के निर्वहन के लिए प्रेरित किया गया। विदित हो कि दिनांक -3 मई को लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव कराए गए थे।प्रधानमंत्री के रुप में अभिषेक कुमार यादव,उप प्रधानमंत्री विराट सिंह, सेनापति कार्त्तिक सिंह,सह सेनापति धर्मवीर कुमार तथा कन्या भारती के अंतर्गत प्रधानमंत्री हर्षिका कुमारी, सेनापति सांवली कुमारी,उप सेनापति अनन्या, अध्यक्ष बबली कुमारी, उपाध्यक्ष सान्वी कुमारी का शपथग्रहण कराया गया। इसके अलावा अनुशासन विभाग, स्वच्छता, घोष दल, शारीरिक, खेल, चिकित्सा, ध्वनि, बागवानी, पेयजल, मध्यावकाश व्यवस्था इन पदों पर चयनित भैया-बहनों को दायित्व दिया गया। वहीं विद्यालय के अन्य शाखा शिवपुरी कालोनी स्थित नर्मदेश्वर तिवारी सरस्वती शिशु मंदिर में भी शिशु भारती के अंतर्गत बाल संसद के सदस्यों को शपथ दिलाई गई। प्रधानाचार्य कुशजी पाण्डेय ने अपने संबोधन कहा कि इस प्रकार के आयोजन से भैया-बहनों में नेतृत्व क्षमता का विकास होता है।यहीं से जीवन में कार्य करने के लिए सीखने की प्रक्रिया शुरू होती है। छात्र-संसद ऐसा मंच है, जो बच्चों में जिम्मेदारियों का भाव जागृत करता है। बच्चों के व्यक्तित्व विकास में यह काफी सहायक है। विद्यालय के विकास के लिए काम करने का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य शशि कुमार, छाया कुमारी, हर्षदा चौबे, राजकुमार सिंह, अभिषेक पाठक, रणजीत मिश्रा, राजेश्वर सिंह यादव, दीपक पाण्डेय, मृत्युंजय प्रसाद, धर्मेन्द्र कुमार, योगेंद्र महतो,अरविंद यादव सहित सभी आचार्य- शिक्षिका उपस्थित थे।

हवन-पूजन व भंडारे के साथ नौ दिवसीय रुद्रचंडी महायज्ञ का समापन

चतरा/पत्थलगड़ा। पत्थलगड़ा प्रखंड अंतर्गत नावाडीह-बाजोबार स्थित मोरशेरवा पहाड़ी पर नौ दिवसीय श्रीश्री 1008 श्री अष्टभुजी दुर्गा माता, शिव, हनुमान एवं विश्वकर्मा प्राण-प्रतिष्ठा सह रुद्रचंडी महायज्ञ का समापन श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में हुआ। अंतिम दिन विधिवत हवन-पूजन और पूर्णाहुति के साथ यज्ञ का समापन किया गया। इसके पश्चात यज्ञमंडप में स्थापित सभी कलशों को बुद्ध नदी में वैदिक विधि से प्रवाहित किया गया। पूर्णाहुति के बाद श्रद्धालुओं के लिए भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें खीर-पूड़ी का प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन स्थल पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी, जो यज्ञमंडप की परिक्रमा कर पुण्य लाभ प्राप्त कर रहे थे। रात्रि में आयोजित भक्ति जागरण ने समापन कार्यक्रम को और अधिक भव्य बना दिया।

पेज एक के शेष

ट्रंप ने अब...

यह सही समय था आक्रोश को रोकने का, जिससे भारी विनाश और लोगों की मौत हो सकती थी। अमेरिका को इस ऐतिहासिक फैसले में मदद करने पर गर्व है। उन्होंने बिना किसी चर्चा के यह घोषणा की कि वह भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ व्यापार 'काफी हद तक' बढ़ाएंगे। कश्मीर मुद्दे को लेकर उन्होंने पहली बार खुलकर यह संकेत दिया कि अमेरिका इसमें एक सक्रिय भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि वह यह देखना चाहते हैं कि क्या इस पुराने विवाद का समाधान संभव है।

यदि संघर्ष विराम...

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के हमले में भारतीय वायु सेना के किसी एयरबेस को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है, जबकि भारतीय वायु सेना के एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के सभी हमले नाकाम किए। वायु सेना ने पाकिस्तान के तीन एयर डिफेंस सिस्टम बर्बाद किए और दो एयरबेस का रनवे तबाह किया है। थल सेना के डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने बताया कि पहलगाम में 22 अप्रैल को 26 निर्दोष लोगों की हत्या किए जाने के बाद आतंक के षड्यंत्रकारियों को दंडित करने और उनके आतंकी ढांचे को नष्ट करने के स्पष्ट सैन्य उद्देश्य के साथ 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया गया था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा का उल्लंघन करके नागरिक आबादी वाले गांवों और गुरुद्वारों जैसे धार्मिक स्थलों पर गोलीबारी की, जिसमें हमारे नागरिक क्षेत्रों में कई लोगों की दुखद मृत्यु हुई। डीजीएमओ घई ने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में सेना ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकियों और उनके ढांचे को नेस्तनाबूद करके पहलगाम आतंकी हमले का जवाब दिया है। भारतीय वायु सेना ने आतंकी शिविरों पर हमला करने में भूमिका निभाई और भारतीय नौसेना ने सटीक हथियारों के मामले में साधन उपलब्ध कराए। भारतीय वायु सेना ने चिह्नित किए गए सभी नौ आतंकी ठिकानों को सटीक निशाना लगाकर उन्हें बर्बाद किया। इस ऑपरेशन में 100 आतंकी ढेर किए गए हैं, जिनमें यूसुफ अजहर, अब्दुल मलिक रऊफ और मुदासिर अहमद भी शामिल हैं, जो आईसी-814 के अपहरण और पुलवामा विस्फोट में शामिल थे। डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने बताया कि 9-10 मई की रात को पाकिस्तान ने सीमाओं के पार हमारे हवाई क्षेत्र में ड्रोन और विमान उड़ाए और कई सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने के बड़े पैमाने पर प्रयास किए, लेकिन भारतीय वायु सेना के एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के सभी हमले नाकाम किए। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी सेना ने बताया है कि 7 से 10 मई के बीच नियंत्रण रेखा पर तोपखाने और छोटे हथियारों से गोलीबारी में लगभग 35 से 40 लोग मारे गए हैं। हमने भारतीय वायु सेना के साथ एक एकीकृत ग्रिड स्थापित करने के लिए वायु रक्षा और इलेक्ट्रॉनिक युद्धक परिसंपत्तियों की तैनाती जैसे कुछ उपाय भी किए। डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने बताया कि हमने भूमि, समुद्र और वायु क्षेत्रों में अपने बलों की आवाजाही को शामिल करने के लिए तैनाती भी की। 9-10 मई की रात को ड्रोन और विमानों की घुसपैठ देखी गई और इस बार हवाई क्षेत्रों और कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण रसद प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने का प्रयास किया गया, लेकिन एकीकृत भारतीय वायु सेना और भारतीय सेना की वायु रक्षा प्रणाली ने कुशलता से इसे विफल कर दिया। एयर मार्शल एके भारती ने बताया कि 8 और 9 की रात 10:30 बजे से ही हमारे शहरों पर ड्रोन, मानव रहित हवाई वाहनों का व्यापक हमला हुआ, जो श्रीनगर से शुरू होकर नलिया तक गया, लेकिन हम तैयार थे। हमारी हवाई रक्षा तैयारियों ने सुनिश्चित किया कि दुश्मन के किसी भी लक्ष्य को कोई नुकसान न पहुंचे। इसके जवाब में हमने एक बार फिर लाहौर और गुजरांवाला में सैन्य प्रतिष्ठानों, निगरानी रडार साइटों को निशाना बनाया। इसके बावजूद ड्रोन हमले सुबह तक जारी रहे, जिनका हमने जवाब दिया। यह ड्रोन हमले लाहौर के नजदीक कहीं से किए जा रहे थे। इसी बीच दुश्मन ने अपने नागरिक विमानों को भी लाहौर से उड़ान भरने की अनुमति दे दी थी, इसलिए हमें हवाई हमले करने में अत्यधिक सावधानी बरतनी पड़ी। एयर मार्शल एके भारती ने बताया, हमने वहां हमला किया, जहां उन्हें सबसे ज्यादा दर्द हो। हमने उनके एयरबेस कमांड सिस्टम, मिलिट्री एयरबेस पर हमला किया। चकलाला, रफीकी, शहरयार खान में हमला किया। हमने उन्हें कहा कि आक्रामकता को माफ नहीं किया जाएगा। हमारे पास उनके हर बेस पर हर सिस्टम को निशाना बनाने की क्षमता है। एयर मार्शल भारती ने मुरीदके और बहावलपुर आतंकी शिविर पर मिसाइल के प्रभाव का विस्तृत वीडियो दिखाया।

सैटेलाइट इमेज में...

भारतीय हमलों से पाकिस्तान को झटका लगा है। इसने पाकिस्तान की वायु रक्षा प्रणाली की खामियों और उसकी रक्षा करने में पड़ोसी देश की अक्षमता को भी उजागर किया। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत कई पाकिस्तानी एयरबेसों पर भारत के लक्षित हमलों ने भारी क्षति पहुंचाई, जिससे वहां से हमले शुरू करने में पाकिस्तान समर्थ नहीं रहा। उसके रक्षा प्रतिष्ठानों को एक रणनीतिक और मनोवैज्ञानिक झटका भी लगा है। जैकबाबाद एयरबेस को भी नुकसान पहुंचा है। एक भारतीय फर्म (कावास्पेस) द्वारा जारी सैटेलाइट इमेज में जैकबाबाद एयरबेस पर हुए नुकसान को दर्शाया गया है। तस्वीरों के अनुसार, एयरबेस के मुख्य एप्रन पर हैंगर तबाह हो गया है, जबकि एटीसी बिल्डिंग को भी नुकसान पहुंचने का संदेह है। कावास्पेस द्वारा अलग-अलग तस्वीरों में पाकिस्तान के भोलारी एयरबेस पर हुए नुकसान को दर्शाया गया है। तस्वीर के अनुसार, एक हैंगर क्षतिग्रस्त दिख रहा है, जिसमें मलबा और संरचनात्मक क्षति दिखाई दे रही है। पाकिस्तानी एयरबेस पर तबाही की सैटेलाइट तस्वीरें एक एक्स (पूर्व में ट्विटर) यूजर ने शेयर की हैं। ज्ञात हो कि इन एयरबेस पर भारत के समन्वित और सटीक हमलों ने पाकिस्तान की हवाई क्षमताओं को रणनीतिक रूप से ध्वस्त कर दिया। इसने न केवल पाकिस्तान की लड़ने की क्षमता खत्म कर दी, बल्कि उसे आगे की आक्रामकता के बारे में सोचने से भी रोक दिया। पाकिस्तान के एयरबेस के विनाश ने यह स्पष्ट संदेश भी दिया कि भारत के खिलाफ उकसावे या आक्रामकता की कोई भी कार्रवाई उसके लिए विनाशकारी साबित होगी।

वायुसेना ने कहा..

ऑपरेशन को राष्ट्रीय उद्देश्यों के अनुसार सोच-समझकर और गोपनीय तरीके से अंजाम दिया गया है। चूंकि ऑपरेशन अभी जारी है, इसलिए विस्तृत जानकारी बाद में दी जाएगी। उन्होंने अटकलों और असत्यापित जानकारी से बचने की अपील करते हुए आगे लिखा, भारतीय वायु सेना सभी से अनुरोध करती है कि वे अटकलों और असत्यापित जानकारी के प्रसार से बचें।

सेना प्रमुख ने...

बाद में रक्षा मंत्रालय की ओर से बताया गया कि दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) के बीच सहमति बनी कि दोनों पक्ष भारतीय मानक समय अनुसार 17:00 बजे से जमीन, हवा और समुद्र में सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई बंद कर देंगे। दोनों पक्षों को इस सहमति को लागू करने के निर्देश दिए गए। इसी के बाद 10-11 मई की रात को सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने पश्चिमी सीमाओं के सेना कमांडरों के साथ वर्चुअल वार्ता करके सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। सीओएएस ने सेना कमांडरों को 10 मई की डीजीएमओ वार्ता के माध्यम से बनी सहमति के उल्लंघन पर जवाबी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

दीपिका ने महिला...

उन्होंने पेरिस ओलंपिक पदक विजेता फ्रांस के बैप्टिस्ट एडिस को कांटे की टक्कर वाले कांस्य पदक मैच में 6-4 से हराया। पार्थ ने इससे पहले दक्षिण कोरिया के किम वू जिन के खिलाफ सेमीफाइनल में कड़ी टक्कर दी थी, उन्होंने दो सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मैच को बराबर कर दिया था, लेकिन निर्णायक सेट में अंतिम शॉट 7 के कारण वह 4-6 से पिछड़ गए। कांस्य मैच में, वह फिर से 4-4 से अंतिम सेट में प्रवेश किया, लेकिन लगातार 10 के साथ जीत सुनिश्चित करने के लिए अपना धैर्य बनाए रखा। उनकी जीत ने फ्लोरिडा विश्व कप में धीरज के कांस्य के बाद पुरुष रिकर्व में भारत का दूसरा लगातार पदक दर्ज किया। रिकर्व स्पधार्ओं में इन दो कांस्य पदकों के साथ, भारत ने शंघाई विश्व कप में कुल सात पदक जीते हैं, जिसमें 2 स्वर्ण, 1 रजत और 4 कांस्य शामिल हैं।

मुझे मोदी जी...

भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया कि शनिवार शाम पांच बजे से सीजफायर लागू हो गया है, लेकिन महज तीन घंटे के अंदर ही पाकिस्तान ने युद्धविराम का उल्लंघन किया और सीमा पार से गोलीबारी शुरू की। कई शहरों को ड्रोन के जरिए निशाना बनाया।

इंस्टाग्राम पर भड़काऊ...

देश को बचाना है, तो कठोर कदम अभी उठाने होंगे। इधर, रांची पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जानकारी दी कि शिकायत पर त्वरित संज्ञान लेते हुए, व्यक्ति को चिह्नित कर प्राथमिकी दर्ज करते हुए निरुद्ध किया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं, विधायक सीपी सिंह ने इस त्वरित कार्रवाई पर रांची पुलिस को धन्यवाद देते हुए उम्मीद जताई कि पुलिस इस मामले में सख्त कार्रवाई करेगी।

रावलपिंडी तक सुनी गई भारत की सेनाओं की धमक

'आपरेशन सिंदूर' ने दिलाया पीड़ित परिवारों को इंसाफ : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली/लखनऊ (आईएएनएस)

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उत्तर प्रदेश के लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस की इंटीग्रेशन एवं टेस्टिंग फैसिलिटी का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मेरा शहर लखनऊ भारत के डिफेंस सेक्टर को मजबूत करने में एक बड़ा योगदान दे, वह सपना अब पूरा हो रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए भारतीय सेना की तारीफ की। उन्होंने कहा कि जिन भारत विरोधी और आतंकी संगठनों ने भारत माता के मस्तक पर हमला करके कई परिवारों के सिंदूर मिटाए थे, उन्हें भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से इंसाफ दिलाने का काम किया है। इसके लिए आज सारा देश भारतीय सेनाओं का अभिनंदन कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई भर नहीं है, बल्कि भारत की राजनीतिक, सामाजिक और सामरिक इच्छाशक्ति का प्रतीक है। यह ऑपरेशन आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति और सैन्य शक्ति की क्षमता और संकल्प शक्ति का भी प्रदर्शन है। हमने दिखाया है कि भारत आतंकवाद के खिलाफ जब भी कोई कार्रवाई करेगा तो आतंकवादियों और उनके आकाओं के लिए सरहद पार की जमीन भी सुरक्षित नहीं रहेगी।

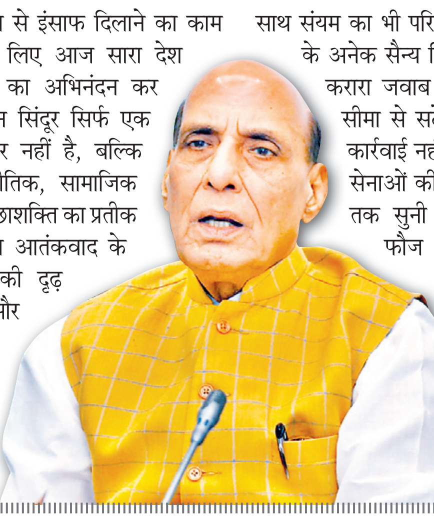

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कार्यक्रम को वर्चुअली रूप से संबोधित करते हुए आगे कहा, "भारतीय सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर को पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ढांचा ढहाने के उद्देश्य से लॉन्च किया था। हमने उनके आम नागरिकों को कभी निशाना नहीं बनाया था। मगर पाकिस्तान ने न केवल भारत के नागरिक इलाकों को निशाना बनाया बल्कि मंदिर, गुरुद्वारा और गिरजाघर पर भी हमले करने का प्रयास किया। भारतीय सेना ने शौर्य और पराक्रम के साथ-साथ संयम का भी परिचय देते हुए पाकिस्तान के अनेक सैन्य ठिकानों पर प्रहार करके करारा जवाब दिया है। हमने केवल सीमा से सटे सैन्य ठिकानों पर ही कार्रवाई नहीं की, बल्कि भारत की सेनाओं की धमक उस रावलपिंडी तक सुनी गई, जहां पाकिस्तानी फौज का हेडक्वार्टर मौजूद है। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत में आतंकवादी घटनाएं करने और कराने का क्या अंजाम होता है।

आपने 'ऑपरेशन सिंदूर' में ब्रह्मोस मिसाइल के पराक्रम को देखा होगा, नहीं तो पाकिस्तान से पूछ लें : सीएम योगी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर पाकिस्तान और उसके द्वारा संरक्षित आतंकवाद पर कड़ा प्रहार किया। उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर के लखनऊ नोड पर ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी के उद्घाटन के अवसर पर उन्होंने कहा कि आतंकवाद कुत्ते की पूंछ है, जो कभी सीधी होने वाली नहीं, जो प्यार की भाषा मानने वाला नहीं, उसको उसी की भाषा में जवाब देने के लिए तैयार रहना होगा। सीएम योगी ने कहा कि इस दिशा में भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से दुनिया को एक संदेश दे दिया है। अब समय आ गया है, जब आतंकवाद को कुचलने के लिए हम सबको एक स्वर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस अभियान से जुड़ना होगा। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी वर्चुअली उपस्थित रहे। उन्होंने और सीएम योगी ने एक साथ बटन दबाकर ब्रह्मोस यूनिट का शुभारंभ किया। इस दौरान रक्षा उत्पादन से जुड़ी पुस्तक 'ब्रह्मांड' का भी विमोचन किया गया। यही नहीं, मुख्यमंत्री ने ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए। मुख्यमंत्री को ब्रह्मोस मिसाइल का प्रतिरूप भी भेंट किया गया। मुख्यमंत्री योगी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के लिए भारत की तीनों रक्षा सेनाओं के बहादुर जवानों, प्रधानमंत्री मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का अभिनंदन करते हुए प्रदेशवासियों की ओर से बधाई दी। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल क्या है, इसके पराक्रम को आपने 'ऑपरेशन सिंदूर' में देखा होगा और नहीं देखा तो कम से कम पाकिस्तान वालों से पूछ लेना चाहिए कि ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत क्या है।

पाकिस्तान की शांति व युद्धविराम का वादा महज धोखा है : बलूच लिबरेशन आर्मी

ब्यूरो

नई दिल्ली। बलूचिस्तान में सक्रिय विद्रोही समूह बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए)ने कहा है कि वह न तो किसी का मोहरा है और ना ही मूक दर्शक। उसने भारत को सतर्क करते हुए कहा कि पाकिस्तान की शांति व युद्धविराम का वादा महज धोखा है। उसने कहा कि पाकिस्तान के वादों पर विश्वास करने का समय बीत चुका है। बीएलए ने भारत को भरोसा दिलाया कि यदि वह पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करता है, तो वह पूर्वी व पश्चिमी मोर्चे पर पाकिस्तानी सेना के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करेगा। उसने यहां तक कहा कि पाकिस्तान को खत्म किए बिना इलाके में कभी भी स्थायी शांति नहीं हो सकती है।सोशल मीडिया पर जारी किए लिखित बयान में बीएलए ने कहा, "बलूच लिबरेशन आर्मी चल रहे व बढ़ते संघर्षों और क्षेत्रीय तनावों की पृष्ठभूमि में अपनी स्पष्ट स्थिति प्रस्तुत करती है। हम इस विचार को दृढ़ता से अस्वीकार करते हैं कि बलूच राष्ट्रीय प्रतिरोध किसी राज्य या शक्ति का प्रतिनिधि है। बीएलए न तो मोहरा है और न ही मूक दर्शक; बलूच लिबरेशन आर्मी एक गतिशील और निर्णायक पार्टी है। इस क्षेत्र के वर्तमान और भविष्य के सैन्य, राजनीतिक और रणनीतिक गठन में हमारा अपना उचित स्थान है और हम अपनी भूमिका से पूरी तरह अवगत हैं।" उसने कहा, "ऐसे समय में जब पाकिस्तान अपनी विफल सैन्य नीतियों और कूटनीतिक अलगाव से निराश होकर पारंपरिक धोखे व झूठी शांति के नारे लगा रहा है, हम भारत को एक बहुत ही स्पष्ट और स्पष्ट संदेश देना चाहते हैंः पाकिस्तान की ओर से शांति, युद्ध विराम और भाईचारे की हर बात महज एक धोखा, एक युद्ध की रणनीति और एक अस्थायी चाल है। इस राज्य का इतिहास टूटे वादों, पीठ में

छुरा घोंपने और आतंकवाद के संरक्षण में लिखा गया है। यह एक ऐसा राज्य है जिसके हाथ खून से रंगे हैं और जिसका हर वादा खून से लथपथ है।" बीएलए ने कहा है, "हम भारत और क्षेत्र के अन्य देशों से कहते हैं कि पाकिस्तान के वादों पर विश्वास करने का समय बीत चुका है। अब समय आ गया है कि उपमहाद्वीप व दुनिया इस आतंकवादी राज्य के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करे। पाकिस्तान न केवल वैश्विक आतंकवादियों के लिए प्रजनन स्थल रहा है, बल्कि लश्कर-ए-तैयबा जैश-ए-मोहम्मद व आईएसआईएस जैसे घातक आतंकवादी समूहों के राज्य प्रायोजित विकास का केंद्र भी रहा है। आईएसआई इस आतंकवाद के पीछे का नेटवर्क है और इसके तत्वावधान में पाकिस्तान हिंसक विचारधारा वाला एक परमाणु राज्य बन गया है, जो अपने लोगों व पूरी दुनिया के लिए ज्वालामुखी बन रहा है।उन्होंने कहा, "मातृभूमि बलूचिस्तान पर हमारा सशस्त्र संघर्ष इस बात का प्रमाण है कि बलूच राष्ट्र बिना किसी बाहरी सैन्य या वित्तीय सहायता के अपनी धरती पर दुनिया के सातवें परमाणु राज्य को हरा रहा है। हमने पहाड़ी मोर्चों, शहरी मोर्चों और हर दूसरे मोर्चे पर दुश्मन को असहाय कर दिया है। अगर हमें दुनिया से - खासकर भारत से - राजनीतिक, कूटनीतिक व रक्षा समर्थन मिले तो बलूच राष्ट्र इस आतंकवादी राज्य को खत्म कर सकता है और एक शांतिपूर्ण, समृद्ध और स्वतंत्र बलूचिस्तान की नींव रख सकता है। एक ऐसा बलूचिस्तान जो न केवल उपमहाद्वीप में आतंकवाद के निर्यात को स्थायी रूप से रोकेगा बल्कि इस क्षेत्र में शांति और समृद्धि का एक नया अध्याय भी शुरू करेगा।

बीएलए इस बात पर भी जोर देता है कि पाकिस्तान जैसे संकट को खत्म किए बिना उपमहाद्वीप में स्थायी शांति कभी नहीं हो सकती। जब तक यह राज्य मौजूद है, यह निर्दोषों के गले में फंदे कसता रहेगा और काबुल से कश्मीर तक बारूद की गंध फैलती रहेगी। इस क्षेत्र की नई पीढ़ियों को नफरत, उग्रवाद और आतंकवाद सिखाया जाता रहेगा। अब समय आ गया है कि दुनिया पाकिस्तान राज्य को - आतंकवादियों के निर्माता - एक आतंकवादी इकाई के रूप में पहचाने और उसके साथ उसी तरह का व्यवहार करे। उन्होंने कहा, हम क्षेत्र के हर जागरूक और शक्तिशाली पक्ष को चेतावनी देते हैंः यदि पाकिस्तान को बर्दाश्त किया जाता रहा तो आने वाले वर्षों में इस राज्य का अस्तित्व ही पूरी दुनिया को बर्बाद कर सकता है। एक कट्टरपंथी सैन्य प्रतिष्ठान द्वारा परमाणु हथियारों पर नियंत्रण एक टाइम बम है - न केवल क्षेत्र के लिए बल्कि वैश्विक सुरक्षा के लिए। बीएलए ने कहा कि हम भारत को भरोसा दिलाते हैं कि यदि वह पाकिस्तान के आतंकवादी राज्य को खत्म करने का अंतिम फैसला लेता है, तो बलूच लिबरेशन आर्मी पूरे देश के साथ पश्चिमी सीमा से हमला करने के लिए तैयार है। हम न केवल इस फैसले का स्वागत करेंगे बल्कि इसकी व्यावहारिक और सैन्य शाखा बनेंगे। हम पाकिस्तान को पूर्वी व पश्चिमी दोनों मोर्चों से घेरने के लिए तैयार हैं और इस खतरे को उसके ही खून में डुबोने के लिए उत्सुक हैं।

ईरानी विदेश मंत्री अराघची की अमेरिका को दो टूक, बोले-

हम अपने परमाणु अधिकार नहीं छोड़ेंगे

दोहा (आईएएनएस)

ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने ओमान में अपनी 'अप्रत्यक्ष वार्ता' के चौथे दौर से एक दिन पहले स्पष्ट कर दिया कि उनका देश अमेरिका के साथ वार्ता में अपने परमाणु अधिकारों को लेकर अटल रहेगा। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि शनिवार को दोहा में चौथे अरब-ईरानी वार्ता सम्मेलन में अराघची ने दोहराया कि ईरान हमेशा से परमाणु अप्रसार का प्रतिबद्ध सदस्य रहा है और यूरेनियम संवर्धन सहित परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग के अपने अधिकार को बनाए रखता है। उन्होंने पुष्टि की, "हम परमाणु हथियार नहीं चाहते हैं और सामूहिक विनाश के हथियारों का ईरान के सुरक्षा सिद्धांत में कोई स्थान नहीं है। यही इस कारण से, हम पश्चिम एशियाई क्षेत्र को परमाणु-हथियार-मुक्त क्षेत्र बनाने की दिशा में आगे बढ़े।

अराघची ने कहा कि ईरान अमेरिका के साथ-साथ अन्य देशों के साथ सद्भावनापूर्वक बातचीत करना जारी रखेगा। उन्होंने कहा, "यदि इन वार्ताओं का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि ईरान परमाणु हथियार हासिल न करे, तो यह पूरी तरह से प्राप्त करने योग्य है, और समझौता आसानी से हो सकता है।" हालांकि, यदि लक्ष्य ईरान को उसके परमाणु अधिकारों से वंचित करना या अन्य अवास्तविक मांगें थोपना है, तो ईरान इनमें से किसी भी अधिकार से पीछे नहीं हटेगा।

रूस-यूक्रेन में भी होगा सीजफायर?

ब्यूरो

नई दिल्ली। पाकिस्तान-भारत में भीषण युद्ध की संभावनाएं टल गई हैं क्योंकि दोनों ही देश सीजफायर पर सहमत हो रहे हैं।उधर तीन वर्ष से रूस व यूक्रेन के बीच भीषण जंग चल रही है, जिसको लेकर भी सीजफायर की संभावना बनी है। ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी व पोलैंड ने यूक्रेन के साथ 30 दिन के युद्धविराम प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए रूस पर दबाव बढ़ा दिया है। इस दबाव के बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 15 मई को इस्तांबुल में यूक्रेन के साथ "सीधी बातचीत" का प्रस्ताव रखा है और कहा है कि वार्ता का उद्देश्य स्थायी शांति स्थापित करना और युद्ध के मूल कारण को समाप्त करना होना चाहिए। क्रेमलिन में रविवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान पुतिन ने यूक्रेन व रूस के बीच शांति वार्ता को फिर से शुरू करने का प्रस्ताव रखा है। दोनों देशों के बीच आखिरी बार 2022 में बैठक हुई थी। फरवरी में रूसी सेना ने यूक्रेन पर आक्रमण किया

- ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी , पोलैंड ने यूक्रेन के साथ 30 दिन के युद्धविराम प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए रुस पर दबाव बढ़ाया
- इसके बाद पुतिन ने 15 मई को इस्तांबुल में यूक्रेन के साथ सीधी बातचीत का प्रस्ताव रखा

था, जिससे 1962 के क्यूबा मिसाइल संकट के बाद से रूस और पश्चिम के बीच सबसे गंभीर टकराव शुरू हो गया था।पुतिन का यह प्रस्ताव इसलिए भी क्योंकि यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब चार प्रमुख यूरोपीय देशों ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी व पोलैंड ने यूक्रेन के साथ 30 दिन के युद्धविराम प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए रूस पर दबाव बढ़ा दिया है। इन चारों देशों के नेताओं ने कहा है कि उनके प्रस्ताव को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का समर्थन प्राप्त है , जिन्हें उन्होंने दिन में फोन पर जानकारी दी थी। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि उन्होंने संघर्ष के मूल कारणों को खत्म करने और स्थायी शांति की बहाली हासिल करने के प्रयास में 15 मई को इस्तांबुल में यूक्रेन के साथ सीधी बातचीत का प्रस्ताव रखा है।मालूम हो कि 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण के ठीक बाद उसके साथ विफल वार्ता का जिक्र करते हुए पुतिन ने कहा कि 2022 में वार्ता को तोड़ने वाला रूस नहीं था। यह कीव था। फिर भी, हम प्रस्ताव कर रहे हैं कि कीव बिना किसी पूर्व शर्त के सीधी बातचीत फिर से शुरू करे।पुतिन ने चार यूरोपीय देशों द्वारा लाए गए और अमेरिका द्वारा समर्थित 30-दिवसीय प्रस्ताव का उल्लेख नहीं किया, जबकि क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने शनिवार को सीएनएन से कहा कि मॉस्को को इस पर विचार करना होगा।

बर्निंग ट्रेन बनने से बची संपर्क क्रांति एक्सप्रेस

अलीगढ़। दिल्ली से बिहार जा रही संपर्क क्रांति एक्सप्रेस रविवार को बर्निंग ट्रेन बनने से बच गई। गाजियाबाद पर यार्ड पर फाउंडेशन तोड़ने के कार्य के समय ड्रिल मशीन उछलकर पावर कार (जेनरेटर कोच) में घुस गई। इससे डीजल टैंक लीक हो गया। चालक की सूचना पर ट्रेन को रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर तीन पर रोक कर टैंक को खाली किया गया। डीजल ड्रमों में भरा गया। इसके बाद टैंक सही कर गाड़ी को रवाना किया गया। इस कारण ट्रेन ढाई घंटे खड़ी रही। अन्य ट्रेनों को लूप लाइन से निकाला गया।

अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ पर आज फिर होगी बातचीत, ट्रंप बोले- हम प्रगति पर हैं

नई दिल्ली । एजेंसी

अमेरिका-चीन के बीच टैरिफ विवाद पर जेनेवा में शनिवार को 10 घंटे चली अहम बातचीत के अब रविवार को फिर से बात होगी। ट्रंप ने इस बातचीत को सफल बताया। शनिवार को बैठक के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि चीन के साथ आज की बैठक बहुत अच्छी रही। कई मुद्दों पर बातचीत हुई और कई बातों पर सहमति बनी।

हालांकि, इस मीटिंग के दौरान किन मुद्दों पर बातचीत हुई और किन पर सहमति बनी, इसके बारे में खुलकर कुछ नहीं बताया गया है।

वीर जवानों को समर्पित पवन सिंह का गाना 'ऑपरेशन सिंदूर', हर देशवासी की आंखें कर देगा नम

मुंबई (आईएएनएस)। भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह एक बार फिर चर्चा में हैं। उन्होंने देशभक्ति की भावना से भरपूर एक नया गाना रिलीज किया है। इस गाने का नाम 'सिंदूर' है। यह गाना 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारतीय सेना द्वारा दिखाई गई वीरता को समर्पित है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए गत 22 अप्रैल को आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में भारतीय सेना ने आतंकवादियों के नौ ठिकानों को तबाह कर दिया था।

कहानी फिल्म जगत की

अमिताभ बच्चन ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर दी प्रतिक्रिया पीएम मोदी के स्थान पर लिखा एक और नाम...

भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे संघर्ष पर हर कोई देश की सेना की बहादुरी को सलाम कर रहा है और एकजुटता के साथ खड़े होकर उनका हौसला बढ़ा रहा है। कई बॉलीवुड कलाकार भी लगातार सेना के समर्थन में आवाज़ उठा रहे हैं। अभिनेता अमिताभ बच्चन ने रविवार सुबह अपना एक्स-फास्ट तोड़ा। 20 दिनों से ज्यादा समय तक एक्स पर कई खाली पोस्ट शेयर करने के बाद भारतीय सिनेमा के महानायक ने ऑपरेशन सिंदूर के बारे में एक लंबा नोट लिखा, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के क जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर भारत के सटीक हमले शामिल हैं। बच्चन एक्स पर अपने आम तौर पर व्यंग्यात्मक, दिलचस्प पोस्ट के ज़रिए ट्रेंडिंग मुद्दों पर विचार करने के लिए जाने जाते हैं। इस बार उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना करने के लिए अपने पिता, दिवंगत महान विद्वान और कवि, हरिवंश राय बच्चन की कविता शेयर की।

अमिताभ बच्चन की पोस्ट

एक्स पर अमिताभ बच्चन ने लिखा, ''छुट्टियां मानते हुए, उस राक्षस ने, निर्दोष पति पत्नी को बाहर खींच कर, पति को नग्न कर, उसके धर्म की पूर्ति करने के बाद , उसे जब गोली मारने लगा, तो पत्नी ने, घुटने पे गिर कर, रो रो अनुरोध करने के बाद भी, की उसके पति को न मारो ; उसके पति को उस बुज़दिल राक्षस ने, बेहद बेरहमी से , गोली मार कर, पत्नी को विधवा बना दिया ! जब पत्नी ने कहा "मुझे भी मार दो" !! तो राक्षस ने कहा " नहीं ! तू जाके, " . " को बता "!आगे पिता हरिवंश राय बच्चन की एक कविता का जिक्र करते हुए बिग बी ने लिखा, ''बेटी की, मनःस्थिति पर, पूज्य बाबूजी की एक कविता की पंक्ति याद आयी : मानो, वो बेटी " . " के पास गई, और कहा : " है चिता की राख कर में, माँगती सिंदूर दुनिया " .. (बाबूजी की पंक्ति) तो " . " ने दे दिया सिंदूर !!! ऑपरेशन !!! जय हिन्द. जय हिन्द की सेना. तू ना थमें गा कभी ; तू न मुड़ेगा कभी ; तू न झुकेगा कभी कर शपथ , कर शपथ, कर शपथ ! अग्नि पाथ ! अग्नि पाथ ! अग्नि पाथ !!!'' इस पोस्ट पर लोगों का रिएक्शन सामने आ रहा है.